मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	20.7
जमशेदपुर	31.6	18.2
डालटनगंज	29.4	16.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | बुधवार 06 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 318 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

अब युवा, इलेक्टोरल बॉन्ड और चुनावी हिंसा बने हॉट टॉपिक

युवाओं को बढ़ावा देने से डरती है परिवारवादी कांग्रेस : मोदी

एजेंसियां। संगारेड्डी (तेलंगाना)

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह युवा नेताओं को बढ़ावा देने से डरती है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी अब 75-80 साल के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाती है, ताकि कहीं से कोई चुनौती न मिले. कहा, परिवारवादी पार्टियां उन्हें निशाना बना रही हैं क्योंकि वह उनके हजारों करोड़ के घोटालों का पर्दाफाश कर रहे हैं. मोदी ने कहा कि उन्होंने कभी कोई निजी हमला नहीं किया, बल्कि परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं. कांग्रेस और उसके दोस्त अब उन्हें और उनके 'परिवार' को गाली दे रहे क्योंकि वह जनता को दी गई 'गारंटी' को लागू करने को प्रतिबद्ध हैं. मैं परिवारवाद का विरोध करता हूं क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और युवाओं को नए अवसर नहीं देता. तो वे इसका जवाब नहीं देते हैं लेकिन कहते हैं कि मोदी का कोई परिवार नहीं है. कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वह युवाओं को कभी भी पदोन्नति नहीं देती. वे ऐसे व्यक्ति को लाते हैं, जो 75-80 वर्ष का हो, 85 वर्ष का हो. उन्हें डर है कि अगर युवा आगे बढ़ जाएगा, तो परिवार का क्या होगा.

● बूढ़ा अध्यक्ष रखती है परिवारवादी पार्टी, ताकि कहीं से चुनौती न मिले

देश के युवाओं को बेरोजगार बना दिया है मोदी ने : राहुल

एजेंसी। शाजापुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में मंगलवार को शाजापुर में रोड शो किया और पीएम मोदी पर निशाना साधा. कहा कि मोदी जी चाहते हैं कि आप मोबाइल देखो. जय श्री राम बोलो और भूखे मर जाओ. उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी जातिवाद व धर्मवाद को बढ़ावा देकर आपस में लड़वा रहे हैं. भाजपा भाषा को भाषा से लड़ाती है. धर्म को धर्म से और जाति को जाति से लड़ाती है. उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी ने देश के युवाओं को बेरोजगार बना दिया है और वह दिन भर रील्स देखते रहते हैं. सारा रोजगार तो चीन के युवाओं को मिल रहा है. इन युवाओं को न्याय दिलाने के लिए ही मैं यात्रा निकाल रहा हूं. इससे पहले शाजापुर में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान भाजपा के कुछ कार्यकर्ता पार्टी का झंडा लेकर पहुंचे थे. उन्होंने राहुल गांधी का स्वागत मोदी-मोदी नारे लगाकर किया. इसे सुनकर राहुल गांधी खुद गाड़ी से उतरे. भाजपा कार्यकर्ताओं के पास पहुंचे. इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे भी लगाए. कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के हाथ में आलू भी दिए. उनसे कहा कि आलू से सोना बना दीजिए.

● मोदी चाहते हैं कि आप मोबाइल देखो, जय श्री राम बोलो और भूखे मर जाओ

अब सबसे बड़े बैंक को ही ढाल बना रही मोदी सरकार : खड़गे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा चुनावी बॉन्ड विवरण का खुलासा करने के लिए समय मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने पर केंद्र पर हमला बोला है. कांग्रेस ने आरोप लगाया, मोदी अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं. स्टेट बैंक ने शीर्ष कोर्ट में याचिका पेश कर राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी बॉन्ड का खुलासा करने के लिए 30 जून तक मोहलत मांगी है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, चुनावी बॉन्ड योजना को लेकर कांग्रेस का मानना है कि यह अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक व समान अवसर को नष्ट करने वाली है. मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे बैंक को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है.भाजपा चाहती है कि यह लोस चुनाव के बाद किया जाए. इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है. खड़गे ने आरोप लगाया कि भाजपा इस धोखाधड़ी की मुख्य लाभार्थी है. उन्होंने एक्स पर लिखा, अब हताश मोदी, तिनके का सहारा लेकर, शीर्ष कोर्ट के फैसले को विफल करने के लिए एसबीआई का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं.

● इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष का केंद्र पर हमला

चुनाव के दौरान बंगाल में हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी : सीईसी

एजेंसी। कोलकाता

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान बंगाल में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी. उन्होंने प्रशासन को सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराने के कड़े निर्देश दिए हैं. कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आयोग का लक्ष्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा मुक्त चुनाव कराना है. इसमें भय या धमकी के लिए कोई जगह नहीं है. हमने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान प्रशासन का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं होगा. लोकतंत्र के उत्सव में किसी भी प्रकार की हिंसा को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे. कहा कि बंगाल में निष्पक्ष चुनाव के लिए पर्याप्त केंद्रीय बल तैनात होंगे. उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से पहले आओ पहले पाओ के सिद्धांत पर पार्टियों को प्रचार के लिए मैदान और बैठक स्थानों की अनुमति देने में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. धन-बल और शराब के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के संबंध में उन्होने शराब सरगनाओं पर कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया. बंगाल में लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ पिछले दो दिनों से कोलकाता में है.

● चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के प्रशासन को दिया निष्पक्ष रहने का निर्देश

सर्राफा

सोना (बिक्री)	60,800
चांदी (किलो)	77,000

ब्रीफ खबरें

10 साल के संघर्ष के बाद न्याय मिला

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को 10 साल बाद न्याय मिला है. मंगलवार को बंबई हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने साईबाबा को बरी करते हुए कहा कि वह सभी आरोपियों को बरी कर रही है क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ मामला साबित करने में विफल रहा.

टीएमसी ने फैसले को शीर्ष अदालत में दी चुनौती

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को को संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हुए हमले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने के लिए मंगलवार को शीर्ष अदालत का रुख किया है.

भर्ती प्रक्रिया पर कांग्रेस की ठोस योजना: राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूपी में पेपर लीक की हालिया घटनाओं की पृष्ठभूमि में मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए एक ठोस योजना तैयार कर रही है और जल्द ही एक दृष्टिकोण लोगों के सामने रखेगी. -पूरी खबर पेज 12 पर

हिमाचल के 6 बागी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में हाल के राज्यसभा चुनावों में क्रॉस वोटिंग के बाद अयोग्य घोषित किये गये छह कांग्रेस विधायकों ने अपनी अयोग्यता को मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी. इन अयोग्य विधायकों की बदौलत कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी राज्यसभा चुनाव हार गये थे.

प्रदेश में आयुष्मान योजना को बनाया अवैध कमाई का जरिया

अवैध कमाई का ऑपरेशन

13 जिलों में मोतियाबिंद ऑपरेशन का आंकड़ा शून्य के करीब पहुंच गया

कागजी आंकड़ा तैयार कर की गयी करोड़ों की हेराफेरी

शुभम संदेश खास

अमित सिंह। रांची

राज्य में प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना को षड़यंत्र के तहत अवैध कमाई का जरिया बना लिया गया है. सोची समझी साजिश के तहत इस योजना का फायदा स्वास्थ्य विभाग के अफसर और चंद अस्पताल प्रबंधन उठा रहे हैं. झारखंड आरोग्य सोसाइटी व दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की जांच में यह सामने आया है. प्रदेश के कई चर्चित अस्पताल, चैरिटेबल संस्थाओं ने योजना के तहत इलाज के नाम पर करोड़ों के वित्तीय अनियमितता को अंजाम दिया है. जांच टीम ने कहां है कि अगर मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई, तो वित्तीय अनियमितता का दायरा व्यापक हो सकता है.

प्रदेश में जांच कर रही टीम को पता चला है कि योजना राशि लूटने के लिए कागजों पर मोतियाबिंद ऑपरेशन दर्शाया गया है. इसमें फर्जी दस्तावेज का भी सहारा लिया गया है. ज्यादातर अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत सिर्फ मोतियाबिंद का ही ऑपरेशन हुआ है. इतना ही नहीं, ज्यादातर अस्पतालों ने इजाल के लिए मोतियाबिंद को ही चुना है. जबकि उन अस्पतालों में कई अन्य गंभीर बीमारियों के भी इलाज होते हैं. जांच शुरू हुई होने के पहले प्रदेश में आयुष्मान योजन के तहत मोतियाबिंद के ऑपरेशन का आकड़ा 54 प्रतिशत तक पहुंच गया था. जांच के बाद यह आंकड़ा घटकर 20 से 25 प्रतिशत तक हो गया.

5 साल में हुए 3.80 लाख आंखों के ऑपरेशन

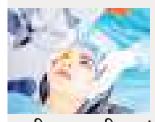

झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी करते हुए मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद भी मरीजों को हो रही परेशानियों का जिक्र किया है. प्रदेश में करीब 110 डॉक्टरों ने मिलकर पांच साल में 3.80 लाख लोगों की आंखों का ऑपरेशन किया, विभाग ने पहली नजर में इसे अत्यंत गंभीर और संवेदनशील बताया है. इस वित्तीय अनियमितता की जांच प्रमंडल स्तर पर क्षेत्रीय उप निदेशक की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति कर रही है. सभी जिले के सिविल सर्जन और सदर अस्पताल से आंख का ऑपरेशन कराने वाले मरीजों का आंकड़ा उपलब्ध कराने को कहा गया है.

जांच शुरू होते ही घट गया ऑपरेशन का आंकड़ा

मजेदार बात यह है कि गड़बड़ी की बात सामने आई, जांच शुरू हुई तो प्रदेश के 13 जिलों में मोतियाबिंद ऑपरेशन का आंकड़ा शून्य के करीब पहुंच गया. इन जिलों में चतरा, गढ़वा, देवघर, दुमका, हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, लातेहार, पलामू, रामगढ़, सरायकेला और सिमडेगा शामिल हैं. जबकि इन जिलों में आयुष्मान योजना के तहत इलाज हुए, उसमें 41 प्रतिशत मोतियाबिंद का ऑपरेशन का था. यह आंकड़ा अक्तूबर 22 में 38 प्रतिशत, नवंबर 22 में 53 प्रतिशत, दिसंबर 22 में 51 प्रतिशत, जनवरी 2023 में 51 प्रतिशत, फरवरी 23 में 55 प्रतिशत था. जांच शुरू हुई, कुछ नियमों में बदलाव होने के बाद अगस्त 23 में यह आंकड़ा घटकर 26 प्रतिशत पर पहुंच गया. वर्तमान में यह आंकड़ा पांच प्रतिशत तक पाया जा रहा है. राजधानी में 0.9प्रतिशत ही मोतियाबिंद का आंकड़ा पाया गया. वहीं गोड्डा में 1.50 प्रतिशत, पाकुड में 9 प्रतिशत, पश्चिमी सिंहभूम में 1 प्रतिशत और साहिबगंज में 7 प्रतिशत मोतियाबिंद का आंकड़ा पहुंच गया है. इन पांच जिलों के अलावा अन्य किसी भी जिले में आयुष्मान भारत योजना के तहत हुए कुल इलाज के ऑपरेशन का आंकड़ा एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है.

धनबाद में राशि हड़पने के लिए ऑपरेशन का कागजी दावा

जांच के बद धनबाद में मोतियाबिंद का आंकड़ा तीन प्रतिशत पर पहुंचा गया है. इतना ही नहीं, जांच में पता चला है कि धनबाद में बंद पैथोलॉजिकल क्लीनिक के नाम पर सर्टिफिकेट लेकर एक क्लीनिक ने

केस 1

कई मरीजों का ऑपरेशन करने का कागजी दावा प्रस्तुत किया है. इतना ही नहीं, एक ही डॉक्टर के हस्ताक्षर से एक ही समय में कई मरीजों का ऑपरेशन किया गया. जांच में यह भी पता चला है कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज वाले पंजीकृत अस्पताल ज्यादा से ज्यादा बीमा कंपनियों से राशि की निकासी के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं. मोतियाबिंद के ऑपरेशन के नाम पर खूब खेला हो रहा है.

पलामू, गढ़वा में बिना इलाज ऑपरेशन

21 मरीज, जिनका इजाल पलामू में हुआ और ऑपरेशन गढ़वा में किया गया है

पलामू में एक अस्पताल द्वारा बीमा क्लेम के आधार पर करोड़ों के वित्तीय अनियमितता का अंजाम देने की बात समाने आ रही है. एक बीमा कंपनी ने एनआईसी की ओर से समर्पित बेनिफीसरी फीडबैक कॉलिंग रिपोर्ट के

केस 2

अनुसार एबी-पीएमजेएसवाई के तहत सूचीबद्ध अस्पताल की ओर से 26 ओप्थल के मरीजों का केस अस्तपाल से ब्लॉक कर उसकी सर्जरी गढ़वा जिला में की गई. जबकि नियमत यह है कि अस्पताल दूसरे जिले में जाकर मोतियाबिंद का आपरेशन नहीं कर सकते हैं. 21 मरीज ऐसे सामने आए है, जिनका इजाल पलामू में हुआ और ऑपरेशन गढ़वा में किया गया है. जांच में यह भी पता चला है कि जिन मरीजों की आंख का ऑपरेशन हुआ, वे कभी पलामू इजाल के लिए आए ही नहीं है. मरीजों के अनुसार गढ़वा के रंका में उनका ऑपरेशन किया गया.

पीएम मोदी के नए 'परिवार' पर झामुमो का कड़ा हमला

मोदी का परिवार डरने वाला है सोरेन का परिवार लड़ने वाला

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने पीएम मोदी के नए नारे मेरा परिवार पर कड़ा प्रहार किया. कहा कि समझौता करने वाले लोग ही बन सकते हैं, मोदी परिवार का हिस्सा. तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने समझौता नहीं किया, झुके नहीं, इसलिए मोदी परिवार के हिस्सा नहीं हैं. बहुत साल बाद मोदी जी को परिवार का मतलब समझ में आया. मोदी परिवार में अपर्णा, उपेंद्र रावत, पवन सिंह, कुलदीप सेंगर, नीरव मोदी, ललित मोदी, विजय माल्या, बृज भूषण सिंह, कठुआ कांड के दोषी लोग, अडाणी-अंबानी, अजित पवार, शिंदे, प्रफुल्ल पटेल आदि शामिल हैं. मोदी परिवार में चुनावी बॉड से काला धन देने वाले, पूंजीपति साथी और विदेशी ताकतें हैं. जिन्हें क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं, ऐसे लोग बीसीसीआई में अहम पद पर बैठे हैं. ये सब मोदी जी के परिवार के हिस्सा हैं. इनका परिवार डरने वाला है, जबकि सोरेन परिवार लड़ने वाला. अब इस देश में लोग न तो ईडी से डरते हैं, न सीबीआई से, न आईटी से. इस राज्य में भगवान बिरसा मुंडा को जेल भेजा गया, दिशुम गुरु शिबू सोरेन को जेल में रखा गया. क्या संघर्ष थमा, क्या झारखंड झुक गया. इसी तरह हेमंत सोरेन को भी जेल में रखा गया तो क्या संघर्ष थम गया, झारखंड झुक गया. झारखंडी न कभी झुका है, न कभी झुकेगा. ये बातें झामुमो के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को झामुमो कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के दौरान कही.

सीट और प्रत्याशी का एलान नोटिफिकेशन के बाद : एक सवाल के जवाब में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन का स्वरूप और खाका पूरी तरह से तैयार हो चुका है. सीट और प्रत्याशियों का एलान लोस चुनाव के नोटिफिकेशन के बाद कर दिया जाएगा. हम लोग एकजुट हैं. मोदी परिवार को हराना है. राज्यसभा चुनाव में किस दल का प्रत्याशी के सवाल पर कहा कि बस इतना कह सकते हैं कि प्रत्याशी झारखंड का होगा.

बोले सुप्रियो

- समझौता करने वाले लोग ही बन सकते हैं मोदी परिवार का हिस्सा
- बिरसा मुंडा और गुरुजी के जेल जाने के बाद भी झारखंड नहीं झुका था, संघर्ष अनवरत जारी रहा
- काले धन से कितना पैसा आने के खुलासे होने की डर से स्टेट बैंक को कब्जे में लिया गया

चुनावी बॉन्ड का भांडा न फूट जाए, इसलिए मांगा समय

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को स्पष्ट आदेश दिया था कि आप 13 मार्च तक राजनीतिक दलों के खाते में बॉन्ड से आए चंदे का हिसाब अपनी वेबसाइट पर डाल दे. लेकिन कहते हैं कि चोर, चोरी करने के हजार रास्ते निकालता है. इसी तरह एसबीआई ने शीर्ष कोर्ट में हलफनामा दायर करके 30 जून तक समय मांगा है. मतलब साफ है कि तब तक आम चुनाव हो जाएंगे. इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने स्टेट बैंक को कब्जे में ले लिया है. आखिर भाजपा को क्या डर है. 6,500 हजार करोड़ भाजपा के फंड में आए. 1100 करोड़ कांग्रेस और कुछ पैसा टीएमसी के खाते में आया तो इसका खुलासा करने में सरकार या चुनाव आयोग इंडिया को दिक्कत क्या है.

केंद्र सरकार के इशारे पर बैंक ने मांगा जून तक समय : मीर

प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि केंद्र के इशारे पर भारतीय स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट से इलेक्टोरल बॉन्ड के मामले में डाटा देने के लिए 30 जून तक का समय मांगा है, ताकि चुनाव निकल जाए और उनके गुनाह चुनाव तक छिपे रह जाएं. सुप्रीम कोर्ट के फैसले का देश के 99 प्रतिशत लोगों ने स्वागत किया. अब यह बताएं कि आज के ऑन लाइन जमाने में इलेक्टोरल बॉन्ड से कितने पैसे आए, इसका हिसाब देने में कितना समय लगेगा. दरअसल इसके पीछे अपना काम निकल जाए, इस कृत्य पर पर्दा डाल देना और दूसरे दलों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़े.

ये बातें मीर ने आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही. मीर ने कहा कि भाजपा के 11 प्रत्याशी तो वास्तव में मैदान में आ गए हैं, मगर इसमें मूलवासी कितने हैं. यह बताएं. उन्होंने कहा कि गठबंधन का खाका तैयार हो चुका है. सीट शेयरिंग पर एक से दो दिनों में पर्दा उठा जाएगा. रही बात प्रत्याशी की तो इसमें हड़बड़ी क्या है. सभी मैदान में उतर चुके हैं. फेज वाइज प्रत्याशियों का एलान होगा. राज्यसभा चुनाव को लेकर पुछे गए सवाल के जवाब में मीर ने कहा कि प्रत्याशी उनके पास भी हैं, हमारे पास भी. मगर इतना तय है कि गठबंधन का एक प्रत्याशी होगा. यह भी एक दो दिनों में तय हो जाएगा.

मांगें पूरी होने तक किसानों का संघर्ष जारी रहेगा

आज दिल्ली कूच, 10 को रोकेंगे रेल

कुमार माधवन

बुधवार को किसान विरोध प्रदर्शन करने दिल्ली पहुंचने वाले है. बीते रविवार को किसानों ने दिल्ली चलो मार्च के लिए नया शेड्यूल जारी किया था, जिसके अनुसार देशभर के किसानों से 6 मार्च को दिल्ली पहुंचने की अपील की गयी थी. साथ ही किसान नेताओं ने 10 मार्च को ट्रेन रोको आंदोलन का भी ऐलान किया है. किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा है कि दूर-दराज के राज्यों के किसान, जो ट्रैक्टर ट्रॉली से दिल्ली नहीं पहुंच सकते, वह ट्रेनों और ट्रांसपोर्ट के अन्य साधनों से दिल्ली पहुंचें. पंढेर ने किसान संगठनों से 10 मार्च को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चार घंटे ट्रेन रोकने का भी आह्वान भी किया है.

मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा

एक अन्य किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि किसानों का 'दिल्ली चलो' का कार्यक्रम कायम है. उन्होंने कहा कि हालांकि केंद्र ने उन्हें नए दौर की बातचीत के लिए आमंत्रित नहीं किया है, लेकिन जब भी सरकार ने उन्हें आमंत्रित किया है, उन्होंने बातचीत के लिए कभी मना नहीं किया. डल्लेवाल ने कहा कि शुभकरण सिंह का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा.

किसानों को मिला नाना पाटेकर का साथ

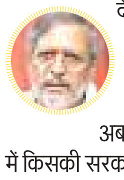

देश में चल रहे किसान आंदोलन में बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर की भी एंट्री हो गई है. उन्होंने बड़ा बयान दिया है. एक्टर ने किसानों का सपोर्ट किया है. नाना ने किसानों से अपना फैसला लेते हुए सरकार चुनने की बात कही है. नाना का कहना है कि अब वक्त है कि किसान कुछ मांगे नहीं, बल्कि तय करें कि उन्हें देश में किसकी सरकार लानी है. अपना हक मांगने का नहीं छीनने का समय है.

राजनीति | पांच साल में सिर्फ कोयला क्षेत्र में गये गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी

बाकी जगहों को किया दरकिनार, नहीं पहचानते लोग

सत्य शरण मिश्रा। रांची

भाजपा ने झारखंड के 11 लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. गिरिडीह लोकसभा का सीट आजसू को मिलना तय है. लेकिन खबर है कि आजसू इस लोकसभा से प्रत्याशी नहीं उतारना चाहती. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट से आजसू के चंद्रप्रकाश चौधरी ने जीत दर्ज की थी.

कुर्मी बहुल लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं में उम्मीद जगी थी कि अब गिरिडीह विकास की राह पर आगे बढ़ेगा. सांसद चौधरी लोगों के दुख-दर्द को दूर करेंगे, लेकिन ऐसा हो न सका. लोकसभा क्षेत्र के 60 फीसदी से अधिक इलाकों के मतदाता आज तक अपने सांसद को ठीक से देख भी नहीं पाये हैं. क्योंकि सांसद कभी अपने लोकसभा क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में पहुंचे ही नहीं. पूरा लोकसभा क्षेत्र सांसद प्रतिनिधि और अपने कुछ खास कार्यकर्ताओं के जिम्मे छोड़ कर सिर्फ कोयला क्षेत्रों में आते-जाते रहे. चौधरी का ज्यादातर दौरा गिरिडीह टाउन, फुसरो, बाघमारा, पेटरवार, गोमिया, जरीडीह, डुमरी, कसमार और टुंडी जैसे कोयला क्षेत्रों में ही हुआ.

2019 के चुनाव में इस सीट से आजसू के चंद्रप्रकाश चौधरी ने जीत दर्ज की थी

सांसद से जनता और नेता दोनों हैं नाराज

सांसद की बेरुखी की वजह से लोकसभा क्षेत्र के अधिकांश इलाकों के लोगों में नाराजगी है. भाजपा के कई नेता-कार्यकर्ता भी नाराजगी जताते हैं. चंद्रप्रकाश चौधरी के सांसद बनने के बाद गिरिडीह में मजबूत रही भाजपा कमजोर पड़ गयी. आजसू से गंठबंधन बनाये रखने के बदले भाजपा को अपने तेज-तर्रार रविंद्र पांडेय को खत्म करना पड़ा. चुनाव जीतने के बाद चंद्रप्रकाश चौधरी आजसू के कुछ खास नेताओं से ही घिरे रहे. गिरिडीह लोकसभा के प्रमुख भाजपा नेताओं से उन्होंने दूरी बनाये रखा. यही कारण है कि चुनाव से पहले वो दूसरे सेफ सीट की तलाश करने लगे थे. चर्चा शुरू हुई कि इस बार चंद्रप्रकाश के लिए आजसू हजारीबाग लोकसभा सीट की मांग करेगी. इस चर्चा पर तब विराम लग गया जब पहली लिस्ट में भाजपा ने हजारीबाग सीट से विधायक मनीष जायसवाल के नाम की घोषणा कर दी. अब अगर आजसू को कोई एक सीट मिलता है, तो वह गिरिडीह के अलावा कोई और नहीं हो सकता. क्योंकि चतरा और धनबाद को भाजपा किसी भी कीमत पर दूसरे दल को दे नहीं सकती.

झारखंड में दम तोड़ रहीं कौशल विकास योजनाएं

ट्रेंड हुए 388104 और ऑफर मिला 149254 अभ्यर्थियों को, आरपीएल योजना में एक भी अभ्यर्थी को ऑफर नहीं

रवि भारती। रांची

झारखंड में कौशल विकास योजनाएं दम तोड़ती नजर आ रही हैं. श्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में चल रही दक्षता विकास की चार योजनाओं में 611898 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए. जिसमें 441848 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए. इनमें से 388104 अभ्यर्थियों को ट्रेंड किया गया. जिसमें 257003 अभ्यर्थियों को सर्टिफिकेट मिला. इसमें से 149254 अभ्यर्थियों को नौकरी का ऑफर मिला. राज्य में कौशल विकास के लिए इंप्लोयबिलिटी एक्सीलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग, सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना, दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास और रिकोगनाइजेशन ऑफ प्रियोर लर्निंग योजनाएं चल रही हैं.

सिर्फ 2325 को ही ऑफर : इंप्लोयबिलिटी एक्सीलेंस विथ कॉलेज एजुकेशन एंड लर्निंग, योजना के तहत 7274 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. 7081 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए. 6482 ट्रेंड किये गये. इसमें 3895 को सर्टिफिकेट मिला. 2325 को नौकरी का ऑफर मिला.

आरपीएल योजना में एक को भी ऑफर नहीं

रिकोगनाइजेशन ऑफ प्रियोर लर्निंग(आरपीएल) योजना के तहत एक भी अभ्यर्थी को ऑफर नहीं मिला. इस योजना के तहत 5249 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. इसमें 4828 अभ्यर्थी इनरोल्ड हुए I4453 अभ्यर्थी को ट्रेंड किया गया. 373 को सर्टिफिकेट मिला. इसमें से किसी को भी ऑफर नहीं मिला.

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना

सक्षम झारखंड कौशल विकास योजना के तहत 198947 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग की गई. इसमें 180874 इंरोल्ड हुए. जिसमें से173122 अभ्यर्थियों को ट्रेंड किया गया.111020 को सर्टिफिकेट मिला. जिसमें से 67349 को जॉब का ऑफर मिला.

पिछले 8 साल में क्या रहा जॉब ऑफर का ट्रेंड

वर्ष 2017	में 19811 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1242
वर्ष 2018	में 43258 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 25649
वर्ष 2019	में 50999 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 10500
वर्ष 2020	में 11358 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 5808
वर्ष 2021	में 20929 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1954
वर्ष 2022	में 109212 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 18013
वर्ष 2023	में 112186 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 85179
वर्ष 2024	में 20321 हुए ट्रेंड,	प्लेसमेंट हुआ 1987

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास में 2.55 लाख की काउंसिलिंग

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना के तहत 255788 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग हुई. इसमें 227370 इनरोल्ड हुए. 196176 लोगों को ट्रेंड किया गया. 141715 को सर्टिफिकेट मिला, जिसमें 79580 को ऑफर मिला.

ब्रीफ खबरें

आज होगी झारखंड कैबिनेट की बैठक

रांची। सीएम चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक गुरुवार यानि छह मार्च को होगी. बैठक शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी. यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग ने दी.

तीन आप्त सचिव का हुआ तबादला

रांची। राज्य सरकार ने तीन आप्त सचिव का तबादला कर दिया है. अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान आप्त सचिव रंजीत कुमार को स्थानांतरित करते जल संसाधन विभाग में पदस्थापित करने के साथ पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण विभाग व जल संसाधन विभाग कोषाग में प्रतिनियुक्त किया गया है. प्रधान आप्त सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग उदय शंकर को स्थानांतरित करते हुए जल संसाधन विभाग में पदस्थापित किया गया है. आप्त सचिव कमलेश कुमार को कार्मिक से स्थानांतरित करते हुए अनुचित जनजाति अनुसूचित जाति अत्यंत व पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

960 पदाधिकारियों को मिलेगी ट्रेनिंग

रांची। झारखंड पुलिस अपने 960 पदाधिकारियों को तीन नए आपराधिक कानूनों में प्रशिक्षित करेगी. राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनात 960 इंस्पेक्टर और एसआई को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा. रांची स्थित अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय और झारखंड पुलिस अकादमी हजारीबाग में यह दो दिवसीय प्रशिक्षण छः चरणों में दिया जाएगा. रांची में 360 इंस्पेक्टर और एसआई को, जबकि पुलिस अकादमी हजारीबाग में 600 इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा. छह मार्च से चलने वाला यह प्रशिक्षण 28 मार्च तक छः चरणों में चलेगा. राज्य के 24 जिलों में तैनात थाना प्रभारी समेत पुलिस के अन्य विंग के इंस्पेक्टर और एसआई को यह प्रशिक्षण दिया जाएगा.

'मनरेगाकर्मियों से दूसरे काम न कराएं'

रांची। चंपाई सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है. खास कर मनरेगा की योजनाओं को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है. इस बाबत ग्रामीण विकास विभाग ने सभी जिलों के डीसी और डीडीसी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा गया है कि मनरेगा कर्मियों को कोई भी दूसरे कामों में नहीं लगाया जाए. यह पत्र विभाग के ज्वाइंट सेक्रेट्री अरुण कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी हुआ है. पत्र में कहा गया है कि मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना और बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन मिशन योजनाएं चल रही हैं.

कोर्ट के अहम फैसले : मंगलवार को अदालत में हुई अहम सुनवाई

शिबू सोरेन और झामुमो की संपत्ति की जांच 6 माह में पूरी करे सीबीआई

संवाददाता। रांची/दिल्ली

झारखंड में सत्ता धारी दल जेएमएम के अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन को बड़ा झटका लगा है. लोकपाल ने आय से अधिक संपत्ति मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ दाखिल शिकायत पर सोमवार को फैसला सुनाते हुए सीबीआई को जल्द से जल्द जांच करने का आदेश दिया है. लोकपाल ने सीबीआई को इस मामले की प्रारंभिक जांच छह महीने के अंदर पूरी करने का निर्देश दिया है. साथ ही लोकपाल के समक्ष जांच रिपोर्ट की एक प्रति सौंपने का भी निर्देश दिया गया है. लोकपाल ने इस मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद पिछले दिनों अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था.

निशिकांत ने दर्ज कराया था शिकायतवाद : दरअसल बीजेपी के गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने 2020 में लोकपाल के समक्ष शिकायतवाद दर्ज करायी थी. गोड्डा से बीजेपी सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने राज्यसभा सांसद व झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन व जेएमएम के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया था. इसी शिकायतवाद पर लोकपाल ने फैसला सुनाते हुए सीबीआई को प्रारंभिक जांच छह माह के अंदर पूरा करने का आदेश दिया है.

अमीषा पटेल कोर्ट में नहीं हुई हाजिर निजी कारणों का दिया हवाला

रांची। फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल मंगलवार को रांची सिविल कोर्ट नहीं पहुंची. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने उन्हें हाजिर होने का निर्देश दिया था. लेकिन निजी कारणों का हवाला देते हुए वह मंगलवार को उपस्थित नहीं हुई. रांची सिविल कोर्ट के जेएमएफसी (ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट फ़र्स्ट क्लास) दिग्विजय नाथ शुक्ला की अदालत इस मामले में सुनवाई कर रहा है. बता दें कि अमीषा पटेल पर चेक बाउंस का केस चल रहा है. यह मामला वर्ष 2017 का है. आरोपों के मुताबिक, फिल्म देसी मैजिक बनाने के नाम पर अजय सिंह ने ढाई करोड़ अमीषा पटेल के खाते में ट्रांसफर कर दिये. अजय कुमार सिंह लवली वर्ल्ड इंटरटेनमेंट के प्रोपराइटर हैं. फिल्म नहीं बनाने और पैसे वापस नहीं होने के बाद अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है. इस मामले में अमीषा पटेल ने 17 जून 2023 को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया था.

सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

रांची। सैप (स्पेशल ऑग्जीलियरी पुलिस) कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त किए जाने संबंधी मामले में सैप कर्मी सूबेदार की ओर से दाखिल याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एसएन पाठक की कोर्ट ने प्रार्थी एवं सैप कर्मियों को 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त करने के आदेश पर रोक लगा दी. सुनवाई के दौरान कोर्ट को प्रार्थी की ओर से बताया गया कि डीआईजी सैप ने एक चिट्ठी निकाली है, जिसमें कुछ लोग जिनकी उम्र 60 वर्ष पूरी हो गई है, उन्हें सेवानिवृत्त करने को लिखा है. जबकि समादेस्टा एवं डीआईजी, सैप ने खुद आदेश निकाला है की सैप कर्मियों का सर्विस काल 62 वर्ष तक बढ़ाया जाएगा. सैप कर्मियों को 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करना उचित नहीं है. जिस पर कोर्ट ने सैप कर्मियों की 60 वर्ष में सेवानिवृत्त करने के निर्णय पर रोक लगा दी है. प्रार्थी की ओर से सेवानिवृत्ति की निर्धारित सीमा 62 वर्ष करने का आग्रह किया गया है.

झारखंड विस नियुक्ति घोटाला मामले में अब 20 को सुनवाई

रांची। झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में जो रिपोर्ट आयी है, उसे कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. लेकिन फिलहाल कैबिनेट ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया है. सरकार के इस जवाब पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए विस्तृत और बिंदुवार जानकारी शपथ पत्र के मध्यम से पेश करने का निर्देश दिया. हाईकोर्ट अब इस मामले में 20 मार्च को सुनवाई करेगा.

राज्यपाल के निर्देश के बाद दूसरी जांच कमेटी क्यों बनी : जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह जानना चाहा कि जब इस मामले में एक कमिश्नर बनाया जा चुका है और उसने जो जांच रिपोर्ट दी है, वह राज्यपाल को सौंपा दी गयी है. इस रिपोर्ट के आधार पर राज्यपाल ने कार्रवाई के लिए विधानसभा अध्यक्ष को निर्देशित किया है. उसके बावजूद दूसरी जांच कमेटी क्यों और किस प्रोविजन पर बनायी गयी. विधानसभा की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार ने बहस की.

2005 से 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में हुई गड़बड़ी

झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति की जांच को लेकर शिव शंकर शर्मा ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है. याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2005 से वर्ष 2007 के बीच में विधानसभा में हुई नियुक्ति में गड़बड़ी हुई है. मामले की जांच के लिए पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद आयोग का गठन किया गया. आयोग ने जांच कर वर्ष 2018 में राज्यपाल को रिपोर्ट भी सौंपी थी. जिसके बाद राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

बाइक-ऑटो व कार से कोयले की हुई थी फर्जी ढुलाई

कार्रवाई नहीं : इन वाहनों से की गयी थी ढुलाई

गाड़ी नंबर	चालान नंबर	वाहन
जेएच-05एसी1320	112	ऑटो
जेएच-05ए 2828	250	कार
जेएच-02एक्यू 1170	13	बाइक
जेएच-04ए 0689	210	बाइक
जेएच-05ए 2618	364	बाइक
जेएच-05ए 2619	428	बाइक
जेएच-05एसी 9791	316	बाइक
जेएच-05ए 2622	449	बाइक
जेएच-05एसी 1359	150	बाइक
जेएच-05एसी 1502	270	बाइक
जेएच-02एई 9031	04	बाइक
जेएच-02एएप 0526	02	बाइक

सौरभ सिंह। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में चारा घोटाले की तर्ज पर बाइक, कार और ऑटो से कोयले की ढुलाई करने का मामला सामने आया था. इस मामले में सात जनवरी 2019 को हजारीबाग के तत्कालीन जिला खनन पदाधिकारी नितेश गुप्ता ने बड़कागांव थाना में शिकायत की थी. लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी. हजारीबाग जिला खान पदाधिकारी ने 12 जून 2023 को प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर रिमाइंडर भी भेजा गया, इसके बाद भी इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी.

कोयला के ई-परिवहन चालान में पायी गयी अनियमितता : शिकायत में पदाधिकारी ने कहा था कि विभाग की जेआइएमएस प्रणाली के तहत कोयला के ई-परिवहन चालान में अनियमितता पायी गयी है. मेसर्स एनटीपीसी परियोजना को कोयला आपूर्ति के लिए बिक्री आदेश मिला है. बनादाग रेलवे साइडिंग से कोयले की आपूर्ति करने वाले डीओ होल्डर व ट्रांसपोर्टर लिफ्टर ने जिन वाहनों का इस्तेमाल किया, वो नंबर ऑटो, कार व बाइक के हैं. नियम के विरुद्ध संबंधित व्यक्तियों द्वारा कोयला परिवहन के लिए व्यावसायिक वाहनों के नाम पर ऑटो आदि के नंबर को पंजीकृत कर अवैध रूप से परिवहन चालान का उपयोग कोयले की ढुलाई में किया गया. इसलिए मामले की जांच कर अवैध कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाये.

80 उत्कृष्ट विद्यालयों में 9वीं 11वीं की वार्षिक परीक्षा 12 से

प्रमुख संवाददाता। रांची

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) से मान्यता प्राप्त राज्य में संचालित 80 जिलास्तरीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में 12 मार्च से नवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षा शुरू होगी. 22 मार्च तक परीक्षाएं चलेंगी. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी. परीक्षा के दौरान छात्र मोबाइल, स्मार्ट वॉच या किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट अपने साथ परीक्षा हॉल में नहीं ले जा सकेंगे. 30 मार्च तक परीक्षा परिणामों का प्रकाशन व रिपोर्ट कार्ड का वितरण कर दिया जाएगा.

इसके बाद 1 अप्रैल, 2024 से नया शैक्षणिक सत्र आरंभ हो जाएगा. सीबीएससी मानकों के आधार पर इन परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों, उत्कृष्ट विद्यालय प्रधानाध्यापकों और प्रबंधको को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है. इन परीक्षाओ के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रश्नपत्र तैयार कर जिलों को उपलब्ध कराया जाएगा. परीक्षाओ के आयोजन के लिए अनुभवी स्कूल प्रबंधको (भूतपूर्व सीबीएससी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक और उप प्रधानाध्यापक) की कमिटी गठित की गयी है. कमेटी की अनुशंसा के आधार पर सीबीएससी के मानकों के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार कर विद्यालय सत्र की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी.

खास बातें

- पहली बार होगी सीबीएससी के मानकों के अनुसार परीक्षा
- शिक्षा परियोजना की निगरानी जेसीईआरटी बनाएगा प्रश्न

इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिले

रांची। झारखंड इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मिल कर अपनी समस्या को रखा. झारखंड में इंटर की पढ़ाई इस साल से बंद हो जाएगी. शिक्षक और कर्मचारियों ने मुख्य मंत्री से गुहार लगायी कि उन्हें प्लस टू स्कूल में समायोजित की जाए. जो शिक्षक और कर्मचारी 10 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत हैं, उन्हें परमानेंट करने की बात भी कही. झारखंड शिक्षक संघ के अवधेश ठाकुर, डॉ. मुजफ्फर हुसैन,कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रितु रानी, सोनी कुमारी, मीरा कुमारी और आनंद यादव शामिल रहे. दरअसल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत झारखंड के डिग्री कॉलेजों में इसकी पढ़ाई बंद कर दी गई थी. इंटर में पढ़ाने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों के हगांमें को देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्र 2023-25 तक के लिए डिग्री कॉलेजों में नामांकन लेने का निर्देश दिया था.

श्रम मंत्री ने कहा : मुख्यमंत्री सारथी योजना से सपने हो रहे साकार

'युवक-युवतियों को बनाया जा रहा हुनरमंद'

प्रमुख संवाददाता। रांची

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा है कि उद्योग व श्रम विभाग साथ में मिलकर मज़दूरों के कल्याण के लिए काम करें.अपनी ज़िम्मेवारी को समझे और पूरी तत्परता के साथ परिणामोन्मुखी कार्य करें. उन्होंने कहा कि काम करने की इच्छाशक्ति होगी, तो उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए बढ़िया काम कर सकते हैं. वे मंगलवार को रांची के एक स्थानीय होटल में झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 व नियमावली 2022 व एप्रेंटिसेज एक्ट 1961 के क्रियान्वयन एवं उद्योग सुरक्षा दिवस/सप्ताह पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे. इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने 7 युवतियों को विभिन्न निजी क्षेत्र में नियुक्ति पत्र प्रदान किया.

राज्य सरकार ने कोविड महामारी में अपनी जिम्मेवारी बखूबी निभायी : मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य के बाहर फंसे मजदूरों को हवाई जहाज, ट्रेन,बस से झारखंड लाने का काम किया. उन्होंने कहा कि कोविड के समय लगभग 8 लाख मजदूर, जो राज्य के बाहर काम करते थे, उनके खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसा भेजने का काम किया. राज्य सरकार ने कोविड महामारी के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अपनी जिम्मेवारी को बखूबी निभाया और मजदूरों के कल्याण की कई योजनाएं चलायीं और उन्हें उन योजनाओं से जोड़कर उनकी जीविका को बढ़ाने का काम किया.

श्रम सचिव मुकेश कुमार ने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण के लिये कई योजनाएं चला रही हैं. उन्होंने कहा कि किसी मजदूर की मृत्यु विदेश में हो जाने पर राज्य सरकार 5 लाख तक की राशि देती है. मौजूद उद्योग एवं श्रम जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रम सुधारों की चर्चा करना जरूरी है. इस अवसर पर उद्योग सचिव जितेंद्र सिंह ने भी अपने विचार रखे. कार्यशाला में विभाग के कई पदाधिकारी,उद्योग जगत के प्रतिनिधि,चैम्बर ऑफ कॉमर्स के सदस्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

मजदूरों के प्रति अपनी जिम्मेवारी पूरी तत्परता के साथ निभा रहा है श्रम विभाग

श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि श्रम विभाग मजदूरों के कल्याणार्थ कई योजनाएं चला रहे हैं. विभाग उन संसाधन एवं राशि का उपयोग कर उन तक सुख-सुविधाएं पहुंचाने का काम कर रहा है।श्रम विभाग की मजदूरों के प्रति जो जिम्मेवारी है, उसे पूरी तत्परता के साथ निभाया जा रहा है.

युवक-युवतियों को मिल रही है ट्रेनिंग

श्रम मंत्री ने कहा कि सारथी योजना के तहत युवक- युवतियों को हुनरमंद बनाने का काम किया जा रहा है. राज्य के 80 प्रखण्डों में प्रशिक्षण शुरू किया गया है. प्रमंडलों में भी प्रशिक्षण देकर राज्य के युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार देने का काम किया गया है.

सरकार भले के लिए बनाती है नियमावली

विभागीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए कुछ नियमावली बनाती है. राज्य सरकार अभी झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 व नियमावली 2022 को लागू कर रही है. उन्होंने कहा कि नियमावली लागू करने के साथ शुरू में कुछ दिक्कत आती है, लेकिन नियमावली को समझने पर वो समय के साथ एडजस्ट कर जाती है. उन्होंने उद्योग जगत एवं नियोजन देने वाली कंपनी के प्रतिनिधियों से कहा कि किसी भी तरह का कोई सुझाव हो या कोई समस्या हो, तो बेझिझक मुझसे मिले या विभाग के सचिव से मिल कर बात करें.

CLASSIFIED

मार्च पास्ट दुमका, साहिबगंज, देवघर, गोड्डा व पाकुड़ के प्रशिक्षुओं ने दी सलामी

198 प्रशिक्षु होमगार्ड ने की पासिंग आउट परेड

संवाददाता। रांची

झारखंड के पांच जिलों (दुमका, साहेबगंज, देवघर, गोड्डा और पाकुड़) के 198 प्रशिक्षु होमगार्ड का मंगलवार को पासिंग आउट परेड हुआ. यह पासिंग आउट परेड क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र नकटी दुमका में हुई. प्रशिक्षु होमगार्ड के 63 दिनों के प्रशिक्षण के बाद परेड हुई. इसमें मुख्य अतिथि दुमका डीसी आंजनेयुलू दोड्डे, एसपी पीतांबर सिंह खरवार, एस आईआरबी और होमगार्ड के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे.

अतिथियों को सलामी देकर किया गया मार्च पास्ट

इस कार्यक्रम में परेड कमांडर गोपाल टुडू और द्वितीय परेड कमांडर राजू मरांडी के नेतृत्व में सभी प्लाटून ने मंचासीन सभी अतिथियों को सलामी देकर मार्च पास्ट किया. इस प्रशिक्षण का प्रथम पुरस्कार-रोहित हेंब्रम, द्वितीय पुरस्कार चार्लेस मुर्मू और तृतीय पुरस्कार रामबरण यादव को दिया गया. सर्वश्रेष्ठ फायर का पुरस्कार क्रमशः सकल टुडू, कुलदीप कुजूर, कौशिक घोष और सन्नी कुमार यादव को दिया गया. वहीं सर्वश्रेष्ठ कमांडर का पुरस्कार गोपाल टुडू को मिला.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 10

www.lagatar.in | बुधवार 06 मार्च 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 11, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 318 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रेलवे के अधिकारी बंगले पर खाना बनवाने से लेकर घर का कराते हैं सारा काम

46 अफसरों के बंगले में कैद है 141 रेलकर्मियों की जिंदगी

राजा गुप्ता । धनबाद

धनबाद रेल मंडल के 46 अधिकारियों के बंगले में 141 रेलकर्मियों की जिंदगी कैद है. जिससे रेलवे के वरीय व कनीय अधिकारी बंगले पर खाना बनवाने से लेकर कपड़ा धुलवाना, बागवानी कराना, बाजार से राशन समेत खाने-पीने की सभी प्रकार की सामग्री मंगाना, कपड़े का आयरन कराना व छुट्टी में बाहर जाने पर आने-जाने के दौरान अधिकारियों के लगेज ढोने का भी काम करते हैं. सूत्रों के अनुसार रेलवे के अधिकारी और उनकी पत्नी रेलकर्मियों से घर का सारा काम कराते हैं. विरोध करने पर पिटाई के साथ सस्पेंड करने, चार्ट देने, बर्खास्त करने और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में

छोटे स्टेशनों या हॉल्ट में तबादला धमकी करने की देते हैं. यह सभी कर्मचारी चतुर्थवर्गीय है, जो ट्रैकमैन, गेटमैन, पोर्टर, खलासी आदि पद पर कार्यरत है. रेलवे के सेफ्टी विभाग से जुड़े होने के बावजूद उससे बंगले में काम कराया जाता है. रेलवे के अधिकारी संरक्षा को पहली प्राथमिकी देने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर संरक्षा विभाग से जुड़े कर्मियों को उससे संबंधित विभागीय काम कराने की बजाय बंगले में काम करवा कर सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं.

रेलवे बोर्ड ने 2003 में ही बंगले पर काम नहीं कराने के लिए जारी किए थे निर्देश

रेलवे आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रेलवे बोर्ड के चेयरमैन ने वर्ष 2003 में ही बंगले पर काम नहीं कराने के लिए निर्देश जारी किए थे. उस समय धनबाद से लेकर 74 रेल मंडलों के अधिकारियों में हड़कंप मच गया था. आननफानन में कुछ दिनों के लिए बंगले से कर्मियों को हटा दिया गया था. रेलवे बोर्ड से जांच टीम भी आई थी. फिर कुछ दिनों के बाद मामला शांत होते ही रेलवे बोर्ड के निर्देश का असर ठंडा पड़ गया. संरक्षा विभाग में एक-दो कार्यरत चतुर्थवर्गीय कर्मी ही कहते हैं कि वे लोग खुद रेलवे अधिकारी के बंगले में काम करते हैं. वे लोग अपने ऑफिस में ज्वानिंग के समय एक-दो महीने के लिए गए थे. उसके बाद वर्षों से संबंधित अधिकारी के बंगले पर ही काम करते हैं. वर्ष 2000 से पहले अधिकारी बंगलों पिउन के नाम पर एक-दो बाहरी लोगों को रखकर काम कराते थे. तबादला के समय उसे चतुर्थवर्गीय पद पर बहाल करा देते थे. यह उनके अधिकारी क्षेत्र में था. अधिकारी छीनने के बाद रेलकर्मियों से ही दबाव देकर काम कराने लगे.

विरोध करने पर पिटाई के साथ सस्पेंड और नक्सल क्षेत्र में तबादला करने की देते हैं धमकी

सीसीटीवी में छिपा है रेलकर्मी पवन राउत की मौत का राज, जांच की मांग

जानकारों का कहना है कि तेतुलतल्ला निवासी रेलकर्मी पवन कुमार राउत की मौत का राज सीनियर डीओएम के बंगले में लगे सीसीटीवी फुटेज में ही छिपा है. धनबाद थाना की पुलिस अगर बारीकी से मामले की जांच करे तो दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा. पवन कर्ज में डूबा जरूर था, लेकिन आत्महत्या करने के लिए अधिकारी के बंगले के गैराज को क्यों चुना. बंगले के भीतर कोई ऐसी घटना घटी है, जिससे पवन की मौत हुई है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी हैंगिंग से मौत का खुलासा नहीं हुई है. बिसरा रिजर्व रखा गया है. सिर्फ दम घुटने से मौत की चर्चा है. फांसी लगाने के अलावा कई कारणों से दम घुट सकती है. रेलवे के अधिकारियों की पूरी फौज जिला पुलिस के अधिकारियों से सेटिंग कर मामले को दबाने में लगे हैं. जिस रेलवे अधिकारी के बंगले पर घटना घटी है, वह तीन दिनों से धनबाद से बाहर है. रेलवे के कुछ अधिकारी कहते हैं कि सीनियर डीओएम अंजय तिवारी परिवार के साथ छुट्टी पर बाहर गए हैं.

पदस्थापन के बाद भी पद पर जमे हैं रांची भू-अर्जन कार्यालय के सीआई

नवपदस्थापित सीआई को नहीं सौंप रहे पदभार

संवाददाता । रांची

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड राजस्व सेवा संवर्ग के नव प्रोन्नत अंचल निरीक्षक सह कानूनगो का दूसरे जिले में पदस्थापन किया गया था. इस संदर्भ में राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड सरकार द्वारा बीते 5 फरवरी को कार्यालय आदेश जारी कर 55 कानूनगो का पदस्थापन किया गया था. इसके बावजूद अब तक कई सीआई को विरमित नहीं किया गया है.

इस कड़ी में राजधानी रांची के जिला भू-अर्जन कार्यालय में पूर्व में पदस्थापित अंचल निरीक्षक सह कानूनगो सुधांशु पाठक अब तक अपने पुराने कार्यालय में ही योगदान रहे हैं. इनका पदस्थापन गढ़वा जिले के मंझिआंव किया गया है. लेकिन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रांची द्वारा अब इन्हें विरमित नहीं किया गया है. दूसरी ओर विभाग द्वारा जारी आदेश में भू-अर्जन कार्यालय, रांची में इस पद पर नवप्रोन्नत अंचल निरीक्षक सह कानूनगो पंकज कुमार सिन्हा को पदस्थापित किया गया था. उन्होंने एक सप्ताह पूर्व ही जिला भू-अर्जन कार्यालय, रांची में योगदान दे दिया है. इसके बावजूद निवर्तमान कानूनगो द्वारा उन्हें अब तक पदभार नहीं सौंपा गया है.

बोलने से बचते नजर आ रहे वरीय पदाधिकारी : हैरत की बात यह है कि भू-अर्जन कार्यालय रांची में नवपदस्थापित नये सीआई भी अपने पुराने मुख्यालय धनबाद से विरमित नहीं किए गए हैं. हालांकि, उनका कहना है कि पुराने कार्यालय में आवेदन देकर उन्होंने एक सप्ताह पूर्व ही रांची कार्यालय में योगदान दे दिया है. ऐसे में एक माह पूर्व विभाग द्वारा दिए गए आदेश की साफ तौर पर अनदेखी प्रतीत हो रही है. जिला भू-अर्जन कार्यालय, रांची के निवर्तमान सीआई सुधांशु पाठक और धनबाद भू-अर्जन कार्यालय के निवर्तमान सीआई पंकज कुमार सिन्हा, दोनों को संबंधित कार्यालय से को विरमित नहीं किया जाना विभागीय पदाधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल भी खड़ा करता है. बहरहाल, इस मामले में कोई भी वरीय अधिकारी कुछ बोलने से बचते नजर आ रहे हैं.

सुधांशु पाठक, निवर्तमान सीआई.

जिम्मेदार कौन

- एक माह पूर्व गढ़वा के मझिआंव में हुआ था पदस्थापन
- रांची कार्यालय से अब तक नहीं किए गए हैं विरमित
- नये सीआई भी पुराने कार्यालय से विरमित नहीं हुए

क्या कहते हैं नवपदस्थापित सीआई

नवपदस्थापित अंचल निरीक्षक सह कानूनगो पंकज कुमार सिन्हा से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मैंने एक सप्ताह पूर्व ही भू-अर्जन कार्यालय, रांची में योगदान दिया है. हालांकि अब तक पुराने सीआई सुधांशु पाठक द्वारा पदभार नहीं सौंपा गया है. इस बाबत वरीय अधिकारियों से पूछे जाने पर कहा गया था कि फरवरी माह का वेतन बनने के बाद निवर्तमान सीआई को विरमित कर दिया जाएगा. लेकिन, फरवरी माह बीतने के पांच दिन बाद भी उन्हें विरमित नहीं किया गया है. ऐसे में वह नये कार्यालय में बिना पद के योगदान दे रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा, पुराने पदस्थापन कार्यालय, धनबाद से उन्हें विरमित नहीं किया गया है. वहां आवेदन देने के बाद भू-अर्जन कार्यालय रांची में एक सप्ताह से योगदान दे रहे हैं.

लॉटरी बेचकर दर्जन भर खुद बन गए करोड़पति

खरीदने वालों की बिक गईं गाड़ियां

अमीरी का सपना भुखमरी की सौगात

रिजवान शम्स । धनबाद

कुछ दिन पहले तक उसकी मुर्गी की दुकान थी, एक गाड़ी थी, ऑर्डर मिलने पर वो अपनी गाड़ी से मुर्गियां लेकर डिलीवरी करता था, आज दुकान बंद हो चुकी है, गाड़ी भी बिक चुकी है, दुकानदार का पूरा परिवार निराशा का युग जी रहा है, ये मामला भले ही भागा मोड़ की एक दुकान से जुड़ा है, लेकिन धनबाद के सैकड़ों परिवार आज इस जैसे हालात से जूझ रहे हैं, शातिरों की एक पूरी फौज अमीरी का सपना दिखा कर खून पसीने की कमाई करने वालों के बच्चों की थाली से निवाला तक छीन ले रहे हैं. और माध्यम है लॉटरी.

अवैध लॉटरी.....

गरीब तबके के लिए बन गया नासूर

धनबाद के मिडिल क्लास से लेकर गरीब तबके के लिए नासूर बन चुके अवैध लॉटरी के कारोबार की जड़ें अब काफी मजबूत हो चुकी है, अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों लोग अब लॉटरी बेचने का काम करने लगे हैं. हर गली मुहल्ले में आपको लॉटरी बेचने वाले मिल जायेंगे,चाय की दुकानों से लेकर दफ्तर के अंदर तक बेखौफ लॉटरी की डिलीवरी होने लगी है. ऐसे में जो भी इस दलदल में एक बार गिरा तो फिर बाहर निकलना बहुत ही मुश्किल हो जाता है.

- बंगाल से लॉटरी लाकर बेचने वाले अब खुद की ब्रांड की बेच रहे लॉटरी, एक- एक शातिर के पास 200 से अधिक हॉकर
- पुलिस को मिलती है चुप रहने की कीमत, हजारों घर की बर्बादी में खाकी भी जिम्मेवार.
- धनबाद ब्रांड के अवैध लॉटरी की झारखंड के कई जिलों में हो रही बेखौफ बिक्री

ये हैं कंगाल बनाने वाले लुटेरे....

धनबाद में करीब एक दर्जन लोग अवैध लॉटरी का कारोबार करते हैं, ये पहले बंगाल से लॉटरी लाकर बेचते थे, अब ये अपने ब्रांड की लॉटरी बेच कर रोज लाखों की कमाई कर रहे हैं, इन शातिरों की लॉटरी झारखंड के हर जिले में पहुंच बना चुकी है. इन शातिरों में गोविंदपुर का सलाहुद्दीन, झरिया का समीर और शबीर, जामाडोबा का तनवीर, झरिया का निक्की, गोविंदपुर का किस्मत, गांधी नगर का लाल बाबू सिंह समेत कई अन्य हैं, डेहरी का रहने वाला पवन झुनझुनवाला भी एक काफी पुराना नाम है, जो गोविंदपुर के गेसिंग माफिया से भी दो कदम ऊपर की चीज है.

कौन कर रहा सफेदपोश बनने का ढकोसला

धनबाद : लॉटरी का अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ शुभम संदेश ने मुहिम शुरू की है, इस मुहिम में लॉटरी के अवैध कारोबारियों की पोल खोली जाएगी, कैसे एक गेसिंग धंधेबाज चोला बदल कर दुनिया के सामने सफेदपोश बनने का ढकोसला कर रहा है, इस शातिर का बंगाल कनेक्शन क्या है, कैसे झरिया की गलियों में घूम घूम लॉटरी बेचने वाला अब करोड़ों में खेल रहा है, गरीबों को लूटकर इसने कहां और कितनी संपत्ति खड़ी की है, कैसे कैसे प्लान के साथ ये शातिर आम लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं, खाकी की जेब गर्म करने में कितने गांधी जी के दर्शन कराने होते हैं.....और प्रिंस के दरबार में कितनों की हाजरी लग चुकी है.

पुत्र व पोता के प्रताड़ना से आकर आत्महत्या की, मामला दर्ज

लातेहार । सदर थाना क्षेत्र के थाना निवासी राजेंद्र प्रसाद ने सल्फास की गोली खा कर सोमवार को आत्महत्या कर ली थी. मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार औरंगा नदी मुक्तिधाम में किया गया. दिवगंत राजेंद्र प्रसाद के छोटे पुत्र संदीप प्रसाद के आवेदन पर मंगलवार को सदर थाना में प्रदीप प्रसाद व अमित कुमार पर कांड संख्या 31/24 के तहत भादवि की धारा 306/34 के तहत नामजद मामला दर्ज कर लिया गया है. संदीप प्रसाद ने थाना को दिये आवेदन में कहा है उसका बड़ा भाई प्रदीप प्रसाद व उसका बेटा अमित उसके पिता को प्रताड़ित करता था. इससे तंग आ कर उसके पिता ने आत्महत्या कर ली. थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि पिता को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है. आरोपियों की गिरफ्तारी के पुलिस छापेमारी कर रही है. ज्ञात हो कि सोमवार को राजेंद्र प्रसाद ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी. परिवार व स्थानीय लोगों की मदद से उन्हे सदर अस्पताल लाया गया था. यहां प्राथमिक इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. मौत से पहले सोमवार को राजेंद्र प्रसाद ने सदर अस्पताल में बयान दिया था कि वह अपना बेटा प्रदीप प्रसाद व पोता अमित कुमार की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या किया है. इसका वीडिया यहां वायरल है.

सड़क हादसे में 1 की मौत, 3 घंटे एनएच जाम

संवाददाता । तोपचांची (धनबाद)

तोपचांची थाना क्षेत्र के तोपचांची चौक के पास मंगलवार सुबह सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी. मृतक की पहचान बुच्चा कुल्ही निवासी पुनु महतो के रूप में हुई है. घटना के बाद आक्रोशितों ने फुटओवर ब्रिज की मांग को लेकर नेशनल हाइवे को जाम कर दिया. करीब 3 घंटे तक जाम करने से एनएच पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गयी. जाम के कारण हजारीबाग और धनबाद की तरफ जा रहे यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना

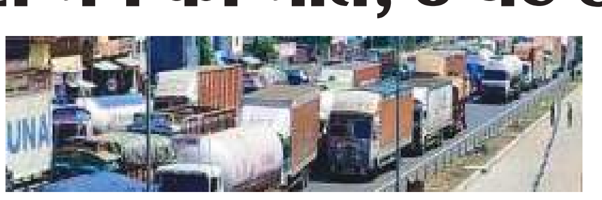

करना पड़ा. एनएच जाम की सूचना पर तोपचांची सीओ डॉ. संजय कुमार सिंह और तोपचांची थाना प्रभारी संजय कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटाने की कोशिश की. करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो पाया.

आये दिन होती हैं दुर्घटनाएं : ग्रामीणों ने कहा कि तोपचांची बाजार में फुटओवर ब्रिज बहुत जरूरी है. प्रतिदिन यहां हजारों की संख्या में ग्रामीण बाजार करने पहुंचते हैं. चौक के आसपास फुट ओवर ब्रिज नहीं होने से ग्रामीण अपनी जान को दांव पर रखकर सड़क पार करते हैं. फुट ओवर ब्रिज नहीं होने से आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं.

चपेट में आने से हुई मौत

पुनु महतो मजदूरी करने जा रहा था. सड़क पार करने के दौरान एक कार ने उसे टक्कर मार दी. कार की टक्कर से पुनु सड़क पर गिर गया. तभी तेज रफ्तार से आ रही ट्रक उसे रौंदते हुए पार हो गयी. जिसमे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुनु महतो घर का एकलौता कमाऊ था. उसकी बुढ़ी मां है. सीओ व तोपचांची थाना प्रभारी संजय कुमार ने पुनु महतो के अंतिम संस्कार के लिए अपने स्तर से आर्थिक मदद की.

ग्रामीणों ने वन विभाग कार्यालय में किया हंगामा

घाटशिला । बालीगुमा तथा बुरुडीह गांव के ग्रामीणों ने वन विभाग कार्यालय पहुंच कर हंगामा किया. इसकी सूचना मिलने पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भगत वहां पहुंचे तथा जानकारी ली. ग्रामीणों ने बताया, पिछले वर्ष जनवरी में लकड़ी चोरी का आरोप लगा कर कई ग्रामीणों पर वन विभाग ने केस दर्ज कर दिया था. इसकी जानकारी ग्रामीणों को नहीं थी अब वन विभाग ने नोटिस भेजा है कि जिन पर मामला दर्ज था वे 9 मार्च को लोक अदालत में मामले का निपटारा कराएं.

खेलने गए गायब बच्चे का मिला शव

संवाददाता । चक्रधरपुर

पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर प्रखंड की टोकलो थाना क्षेत्र के हतनातोड़ांग पंचायत स्थित रोलाडीह से गलियालोर जाने वाले सड़क किनारे तालाब के समीप मंगलवार को झाड़ियों में एक पांच साल के बच्चे का शव मिला. बच्चा सोमवार सुबह से लापता था. बताया जाता है की हतनातोड़ांग पंचायत के मगुरदा गांव निवासी सुनील तांती का छोटा बेटा पांच वर्षीय अमित तांती घर से खेलने निकला था. दोपहर तक जब वह घर नहीं आया तो पिता सुनील तांती व स्थानीय ग्रामीण बच्चे को खोजने निकले. जिस स्थान पर मंगलवार को बच्चे का शव मिला, उस स्थान पर भी बच्चे को ढूंढा गया था,लेकिन रात भर बच्चा नहीं मिला. मंगलवार को जब कुछ ग्रामीण मवेशी चराने गलियालोर गांव गए के तालाब किनारे गए तो बच्चे का शव देखा. इसके बाद इसकी सूचना बच्चे के पिता को दी. वहीं इसकी सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण शव को देखने पहुंचे थे. वहीं सूचना मिलने पर टोकलो पुलिस के अधिकारी व जवान भी गलियालोर पहुंचे और शव को कब्जे में ले लिया. पुलिस घटना की जांच में जुट गई है.

बच्चे का गला दबाकर हत्या की आशंका

गलियालोर गांव में तालाब किनारे मिले बच्चे की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया. शव के गले में निशान है. संभवत: गला दबाकर बच्चे की हत्या की गई है. अमित का पिता बोल नहीं पाता है. अमित का एक और बड़ा भाई है. ग्रामीणों ने बताया की अमित की मां दो-तीन वर्ष पहले ही उसके पिता को छोड़ कर किसी दूसरे व्यक्ति के साथ चली गई. इसके बाद गूंगा पिता ही दो बच्चों का परवरिश कर रहा था.

राजनीति भाजपा की नयी पहल, कार्यकर्ता लेंगे एक गांव और एक बूथ को गोद

भाजपा का गांव बूथ फॉर्मूला : हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य

सत्य शरण मिश्रा । रांची

लोकसभा चुनाव में पार्टी के खाते में अधिक से अधिक वोट लाने के लिए भाजपा कई अभियान और कार्यक्रम चला रही है. गांव चलो अभियान के बाद अब पार्टी ने चुनाव को लेकर गांव प्लस बूथ का फॉर्मूला तैयार किया है. इसके तहत मजबूत कार्यकर्ताओं को एक गांव और एक बूथ गोद लेना है. गांव और बूथ को गोद लेने वाले कार्यकर्ता को वहां संगठन को मजबूत करना है. पार्टी के पक्ष में अधिक वोट आये यह सुनिश्चित करना है. हर बूथ पर कम से कम 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है. कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर पिछले चुनाव में मिले वोट से 370 वोट बढ़ाने का टास्क मिला है.

चुनाव प्रबंधन समिति बूथों पर रखेगा नजर

भाजपा ने चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में पदाधिकारियों को एक गांव, एक बूथ फॉर्मूले को राज्य के सभी बूथों और गांवों में अमलीजामा पहनाने का निर्देश दिया है. प्रमंडल, जिला और मंडल स्तर की बैठकों के बाद यह अभियान तेज हो जाएगा. कार्यकर्ता जो भी बूथ या गांव गोद लेने की इच्छा जताएंगे संगठन उन्हें उस गांव और बूथ का दायित्व देगा. गोद लेने के बाद कार्यकर्ता बूथों में संगठन को कितना मजबूत कर रहे हैं, इसकी भी निगरानी चुनाव प्रबंधन समिति की ओर से की जाएगी.

लाभुकों से किया जाएगा संपर्क

इस कार्यक्रम के तहत भाजपा के कार्यकर्ता केंद्र सरकार की उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, अटल पेंशन योजना, आयुष्मान योजना, स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री आवास जैसी योजनाओं के लाभुकों से मुलाकात भी करेंगे. इसके जरिये मतदाताओं को यह बताने की कोशिश की जाएगी कि जिस योजना ने उनकी जिंदगी में अहम बदलाव लाया है वह नरेंद्र मोदी सरकार की देन है. इसलिए देश और राज्य के विकास और गति देने के लिए फिर से मोदी की सरकार बनाएं.

केंद्र सरकार की योजनाओं के साथ घर-घर दस्तक

गांव और बूथ को गोद लेने वाले कार्यकर्ता की जिम्मेदारी इलाके में भाजपा को मजबूत करने की होगी. केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताने के साथ-साथ असहाय लोगों को उन योजनाओं का लाभ भी दिलाना होगा. हर जाति, समुदाय में भाजपा की पकड़ मजबूत बनाने के लिए मोदी सरकार की योजनाओं और मोदी सरकार के कार्यों को लेकर घर-घर दस्तक देना है. इसके साथ ही अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने की भी जिम्मेदारी दी गई है.

झारखंड डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का रिजल्ट जारी

रांची । झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने डिप्लोमा स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया. इसमें खान निरीक्षक, कनीय अभियंता, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर के पदों पर मेधा सह विकल्प के आधार पर अनुक्रमांकवार परीक्षाफल प्रकाशित किया गया है. जिसमें खान निरीक्षक का 30, कनीय अभियंता (कृषि) का 9, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर का 41, पाइप लाइन इंस्पेक्टर का 9, कनीय अभियंता (विद्युत) ऊर्जा विभाग का 6, कनीय अभियंता (विद्युत) नगर विकास एवं आवास विभाग के 33 अभ्यर्थियों ने बाजी मारी है. परीक्षा परिणाम को झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है.

बीसीसीएल 41 मिलियन टन कोयला करेगी उत्पादन

संवाददाता । धनबाद

बीसीसीएल के कोयला भवन में उत्पादन और डिस्पैच में बढ़ोतरी को लेकर सीएमडी समीरन दत्ता के नेतृत्व में अधिकारियों के साथ बैठक हुई. सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा की कंपनी अपने निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा कोयला का उत्पादन करेगी. उन्होंने कहा कि बीसीसीएल 31 मार्च 2024 तक 41 मिलियन टन का निर्धारित कोयला उत्पादन प्राप्त कर लेगा. इस दौरान सीएमडी समीरन दत्ता ने सभी एरिया जीएम को उत्पादन और डिस्पेच में बढ़ोतरी को लेकर कई दिशा निर्देश दिया. इसके वैसे एरिया जैसे पीबी, सीबी,कतरास और गोविंदपुर एरिया में घटते उत्पादन आंकड़ों को बढ़ाने का निर्देश दिया. साथ ही कुसुंडा, लोदना, बरोरा,ब्लॉक दो एरिया के बेहतर उत्पादन दर में बढ़ोतरी को लेकर संबंधित अधिकारियों को सराहना किया. मालूम हो कि बीसीसीएल वर्तमान में प्रतिदिन एक लाख 22 हजार टन से ज्यादा उत्पादन कर रहा है. बैठक में डीटी(ओपी) संजय कुमार सिंह , डीपी मुरली कृष्णा रमैया के अलावा अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे.

31 मार्च लक्ष्य

- पीबी, सीबी, कतरास और गोविंदपुर में उत्पादन बढ़ाने का निर्देश
- कुसुंडा, लोदना, बरोरा और ब्लॉक दो एरिया की जीएम की सराहना

ब्रीफ खबरें

आधार कार्ड जीवन की चाभी है : मीना देवी

चैनपुर/पलामू । प्रखंड के नरसिंहपुर पथरा पंचायत सचिवालय में राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार का जॉन क्षेत्रीय निर्देशालय रांची के तत्वाधान में एकदिवसीय ग्रामीण महिला श्रमिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ. यह कार्यक्रम पंचायत की मुखिया मीना देवी पति व्यास राम चौरसिया सेवानिवृत्त प्रधानाध्यक के प्रयास से संभव हुआ. कार्यक्रम समन्वयक आशुतोष कुमार पांडेय ने ई-श्रम कार्ड , लेबर कार्ड , श्रमिक बच्चों का छात्रवृति , प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना, अटल पेंशन योजना , श्रमिक मित्र , मोबाइल पर मैसेज व्च्यु, आधार कार्ड के बारे में बिस्तार पूर्वक जानकारी दी.

सड़क दुर्घटनाओं में 3 घायल,दो रिम्स रेफर

बालूमाथ(लातेहार)। थाना क्षेत्र में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोग घायल हो गये. पहली घटना चेताग पंचायत के ओल्हेपाट गांव के समीप घटी. यहां केरी गांव निवासी अमन कुमार घासी (20) एवं बारा निवासी देवंती देवी (50) एक बाइक में सवार होकर बालूमाथ से बालू ग्राम की ओर जा रहे थे. इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया. इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए. ग्रामीणों द्वारा घायल को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया.

थाना प्रभारी ने स्थानीय लोगों के साथ की औपचारिक बैठक

छतरपुर/पलामू । थाना में नव पदस्थापित थाना प्रभारी राजेश रंजन ने स्थानीय लोगों और राजनीतिक दलों के साथ बैठक किया. उन्होंने लोगों से अपील किया की शोशल मीडिया पर मिली किसी संदेश को बिना सत्यापन और जांच किए उसे किसी ग्रुप में पोस्ट न करें प्रशासन की नजर रहती है. मौके पर अवर निरीक्षक राहुल कुमार, लठेया पिकेट प्रभारी धर्मवीर कुमार यादव, प्रमुख उर्मिला कुमारी, उप प्रमुख संतोष कुमार यादव, गुड्डु अंसारी, कैलाश यादव, कुर्बान अंसारी सहित कई लोग मौजूद थे.

दुर्गानंद झा ने शिक्षा संयुक्त निदेशक का संभाला प्रभार

मेदिनीनगर। पलामू के क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक के पद पर आज दुर्गानन्द झा (झा.शि.से.) ने पदभार ग्रहण किया. साथ ही पलामू के जिला शिक्षा पदाधिकारी का पदभार भी संभाला. बता दें कि श्री झा इसके पूर्व साहेबगंज में जिला शिक्षा पदाधिकारी थे व जिला शिक्षा अधीक्षक के अतिरिक्त प्रभार में थे. मौके पर क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक कार्यालय के ज्ञानेश्वर पाठक, नीरज सिन्हा, शितलेश कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह, मनीयस राज, लक्ष्मण राम आदि उपस्थित थे. कर्मियों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया.

भाजपा ओबीसी मोर्चा चलाएगा वृहद कार्यक्रम: प्रदीप केसरी

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के जिला कमेटी की बैठक मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में हुई. बैठक की अध्यक्षता ओबीसी मोर्चा के पलामू जिलाध्यक्ष शंकर गुप्ता ने की. बैठक का शुभारंभ वंदे मातरम गान के साथ किया गया. मुख्य अतिथि ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप केसरी उपस्थित थे. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के तहत विभिन्न विस क्षेत्र मे ओबीसी समाज सम्मेलन, ओबीसी युवा संवाद, लाभार्थी जनसंपर्क अभियान ओबीसी छात्रावास में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाना है .

बरवाडीह प्रखंड कार्यालय सभागार में पंसस की बैठक गहमा-गहमी और हंगामा के बीच हुई संपन्न

योजना को लेकर भिड़ गए उप प्रमुख व पंसस के पति

संवाददाता। बरवाडीह (लातेहार)

प्रखंड कार्यालय सभागार में सोमवार को पंचायत समिति की एक बैठक आयोजित की गयी थी. लेकिन यह बैठक गहमा गहमी और हंगामे के बीच संपन्न हुई. इस बैठक की जानकारी किसी मीडिया कर्मी को नहीं थी. बाद में बैठक में हुई हंगामे की जानकारी सभागार से बाहर निकल गयी और आग की तरह फैल गयी. बताया जाता है कि बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सुशीला देवी कर रही थी. बैठक में उप प्रमुख बिरेंद्र जयसवाल समेत सभी पंचायत समिति सदस्य बैठक में मौजूद थे. बीडीओ उपिस्थत नहीं थी. बैठक के दौरान उप प्रमुख बिरेंद्र जायसवाल और पोखरी कला पंचायत समिति सदस्य के पति अफजल अंसारी के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गयी. इसके बाद काफी हंगामा शुरू हो गया. हालांकि इस बैठक की जानकारी किसी मीडियाकर्मी को भी नहीं दी गई थी. प्रमुख सुशीला देवी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह समीक्षा बैठक नहीं थी. सरकार से मिले फंड को विभिन्न पंचायतों के विकास कार्यों में लगाने को लेकर यह बैठक आयोजित की गई थी. प्रति वर्ष एक पंचायत में चार लाख रुपए ही फंड आते है. पंचायत समिति पोखरी कला के द्वारा वित्तीय वर्ष चार लाख से अधिक का कार्य कराया जा चुका है. बावजूद उनके द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के बचे हुए दो अन्य काम की मांग फिर से की जा रही थी.इसी बात को लेकर बहस होने लगी. उन्होने कहा कि उन्होंने दोनों को काफी समझाने का प्रयास किया. प्रमुख ने कहा कि आने वाले बैठकों में सदस्यों के साथ उनके पति को शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी.इधर, पंसस पोखरी कला के पति अफजल ने बताया कि लगभग सभी पंसस के साथ उनके पति भी बैठक में मौजूद रहते है. लेकिन उप प्रमुख के द्वारा सिर्फ मुझे बैठक से बाहर करने की बात कही गई. अगर किसी की पत्नी के पास अनुभव की कमी है तो उनके प्रतिनिधि के रूप में विकास कार्यों में सहयोग करना गलत कैसे है.

खास बातें

- बैठक में सभी पंसस मौजूद थे, बीडीओ उपिस्थत नहीं थी
- उप प्रमुख व पंसस पति के बीच योजना के आवंटन को लेकर हुई थी बहस

क्या कहते हैं बीडीओ

इस संबंध में बीडीओ रेशमा रेखा मिंज ने कहा कि कल की बैठक में हम नहीं थे, आज भी सुबह से जिला में बैठक था .अभी भी मैं लातेहार में ही हूं. पंचायत समिति की बैठक तो हो गई है. इसकी प्रोसीडिंग की जानकारी नहीं ले पाई हूं.

एक अरब 45 करोड़ 73 लाख की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन

काफी अल्प समय में फर्श से अर्श तक पहुंच गया गढ़वा : मिथिलेश

संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के मेराल प्रखंड को बड़ी सौगात मिली है. गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मेराल प्रखंड के बंका हाई स्कूल के मैदान में एक अरब 45 करोड़ 73 लाख रुपए की योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया. मंत्री श्री ठाकुर ने मंगलवार को विधिवत पूजा अर्चना कर, नारियल फोड़ कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर किया. इनमें विभिन्न विभागों की एक अरब 38 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत से बनने वाली योजनाओं का शिलान्यास तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की सात करोड़ 56 लाख रुपए की लागत से निर्मित योजना का उद्घाटन किया गया. शिलान्यास किए गए योजनाओं में एक अरब 6 करोड़ 66 लाख 32 हजार 900 रुपए की लगत से ग्रामीण कार्य विभाग से 118.685 किमी सड़क निर्माण, तीन करोड़ 58 लाख 89 हजार 400 रुपए की लागत से जिला योजना मद से 1.316 किमी सड़क निर्माण, 11 करोड़ 42 लाख एक हजार 100 रुपए की लागत से ग्रामीण कार्य विभाग एवं विशेष प्रमंडल से पुल का निर्माण, 15 करोड़ 28 लाख 23 हजार 100 रुपए की लागत से भवन निर्माण विभाग से पिछड़ी जाति आवासीय विद्यालय का निर्माण तथा एक करोड़ 21 लाख 55 हजार रुपए की लागत से भूमि संरक्षण विभाग की योजनाओं का शिलान्यास शामिल है. **ये लोग थे मौजूद :** मौके पर मुख्य रूप से बीस सूत्री जिला उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, दीपमाला, चंदा देवी, मिथिलेश कुमार देव, दशरथ प्रसाद, हेमंत सिंह, मनोज कुमार मिश्रा, लाला सिंह, रेखा पाठक, शंभू प्रसाद, अतहर अली सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

जरूरतमंदों की सेवा के लिए मैं दिन रात समर्पित हूं

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि मेरी सरकार तथा मेरा कार्यकाल में शिलान्यास तथा उद्घाटन दिनचर्या के रूप में शामिल हो गया है. उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास एवं जरूरतमंदों की सेवा के लिए मैं दिन रात समर्पित हूं. यह आपके ऊपर मेरा उपकार नहीं है. बल्कि जनप्रतिनिधि होने के नाते यह मेरी जिम्मेवारी है. उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार में केवल घोषणा तथा लोगों का ठगने का काम किया जाता था. लेकिन जब से 2019 में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनी है घोषणा कम काम ज्यादा किया जा रहा है. श्री ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार द्वारा गरीबों के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही है जिनमें 20 लाख लोगों के लिए अबुआ आवास योजना, 50 वर्ष उम्र की सभी वर्ग की महिलाओं के लिए सर्वजन पेंशन तथा 50 वर्ष पूरा कर चुके हरिजन आदिवासी पुरुष वर्ग के लोगों को पेंशन उपलब्ध कराया जा रहा है. कहा कि तीन दिन पूर्व करीब 100 करोड रुपए की लागत से गढ़वा में समाहरनालय, बिरसा पार्क, बस स्टैंड खेल का मैदान इत्यादि का उद्घाटन मुख्यमंत्री चंपई सोरेन द्वारा किया गया .

हेमंत सोरेन केंद्र सरकार के षड्यंत्र से बाहर निकलेंगे

मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार षड्यंत्र के तहत आदिवासी, गरीब दलित, पिछड़े, शोषित तथा वंचित वर्ग के लिए रात दिन काम करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सरकार की क्रियाकलापों से घबराकर जेल भेजवाया है. उन्होंने कहा कि अगर आप लोगों का सहयोग एवं समर्थन रहा तो हेमंत सोरेन केंद्र सरकार के षड्यंत्र के शिकंजे से शीघ्र बाहर आएंगे. कहा भाजपा की सरकार में एक मात्र वही केंद्रीय मंत्री है जो जात-पात, पार्टी पॉलिटिक्स, धर्म, समुदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर जनहित विकास के लिए समर्पित हैं. कार्यक्रम में उपस्थित पेय जल स्वच्छता विभाग, आरआईओ, पथ प्रमंडल तथा भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने गढ़वा जिले में चलाए जा रहे योजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन के बारे में लोगों को अवगत कराया.

क्रिकेट ट्रॉफी पर रामबीघा की टीम ने कब्जा जमाया

हुसैनाबाद, पलामू । हुसैनाबाद नगर पंचायत अंतर्गत गम्हारिया में जय जम्होरी मैया क्लब ने क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया. फाइनल मैच कबरा बनाम रामबीघा के बीच खेला गया. फाइनल मैच के मुख्य अतिथि भाजपा के झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंद्र कुमार सिंह मौजूद थे. रोमांचक मैच में रामबीघा से कबरा को 5 रन से हरा कर क्रिकेट ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया. विजेता टीम रामबीघा को ट्रॉफी के साथ-साथ चार हजार रूपये नगद दिये गये. वहीं उप विजेता टीम को ट्रॉफी और दो हजार रूपये नगर राशि दी गयी.मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंद्र कुमार सिंह उर्फ़ बबलू सिंह ने ट्रॉफी देकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया. मौके पर उन्होंने कहा कि दोनों टीमों ने शानदार क्रिकेट खेली.

बोधनवाला ट्राफी में भाग लेने के लिए टीम की घोषणा

लातेहार। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित बोधनवाला ट्रॉफी 2023-24 में भाग लेने लिए लातेहार जिला टीम के खिलाड़ियों के नामों की घोषणा कर दी गयी है. चयन समिति के जावेद अख्तर ने 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की. टीम के खिलाड़ियों में श्रवण महली (कप्तान), प्रभात कुमार यादव (उपकप्तान) ,रौशन कुमार गुप्ता, राजा बाबू (विकेट कीपर), सनी सचिन तिवारी, अमोश एक्का, कुमार आस्तिक, आकाश कुमार सिन्हा, विकास पांडेय, राकेश यादव , प्रभात कुमार सिंह, रितिक अनंत, राम कुमार साहनी , अमन कुमार झा, धनंजय पांडेय (विकेट कीपर), आलोक कुमार यादव व हर्ष राणा का नाम शामिल है. जबकि स्टेंड बाय खिलाड़ियों में हर्ष कुमार, अनिकेत पाठक , जयदेव, अमित मिश्रा तथा मो इमरान को रखा गया है.

यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो अभियान को लेकर यूथ कांग्रेस की बैठक

लातेहार के दोनों विधानसभा में यूथ कांग्रेस मजबूत: अमित

संवाददाता। बरवाडीह (लातेहार)

बरवाडीह कांग्रेस कार्यालय में यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित यादव के अध्यक्षता में यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो अभियान को लेकर मंगलवार को बैठक किया गया. अमित यादव ने कहा कि लातेहार जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में यूथ कांग्रेस मजबूत है. उन्होंने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के बाद कांग्रेस ने इस आउटरीच कार्यक्रम को झारखंड के अपने चतरा लोकसभा क्षेत्र में शुरू किया है. उन्होंने बताया कि यूथ जोड़ो, बूथ जोड़ो अभियान में पार्टी ने एक बूथ पर छह लोगों की टीम तैनात की है.जिसमें से पांच कार्यकर्ता घर-घर जायेगें और एक सोशल मीडिया संभालेगा. प्रत्येक सत्यापित मतदाता को फिर वेब पोर्टल में दर्ज किया जाता है. अभियान का उद्देश्य युवा मतदाताओं को लक्षित करना है.लोकसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले वोटरों पर खास ध्यान रखा गया है. यूथ कांग्रेस के प्रदेश कोऑर्डिनेटर सह जिला उपाध्यक्ष हिमांशु गुप्ता (रिक्की) ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी .

बरवाडीह में मांगों को लेकर रेल कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददता। बरवाडीह (लातेहोर)

कठुआ रोल डाउन के मामले में बगैर जांच किए एलपी, एएलपी व एसएम और प्वाइंट मैन को नौकरी से सीधे बर्खास्त किए जाने के खिलाफ पूरे देश भर में रेल कर्मचारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा हैं. मंगलवार को ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के के आह्वान पर रेलवे पदाधिकारी व कर्मचारियों ने बरवाडीह रेलवे स्टेशन के क्रू- लॉबी के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया. इसका नेतृत्व शाखा सचिव कमलेश कुमार ने किया. कमलेश कुमार ने कहा कि कठुआ में स्टेशन पर खड़ी गाड़ी के लुढ़कने (रॉल डाउन) के मामले में एलपी, /एएलपी , एसएम और प्वाइंट मैन को डीएआर-1968 के नियम -14 (2) का गलत प्रयोग कर बिना सामूहिक जांच प्रतिवेदन के नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है. यह रेल कर्मचारियों के प्रति वरीय अधिकारियों की गलत नीति को दर्शाता है. इस घटना की उच्चस्तरीय कमेटी बनाकर जांच करनी चाहिए थी.अधिकारियों के इस प्रकार के कर्मचारी विरोधी रवैए का अलरसा पुरजोर विरोध करती हैं. विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में संजीव कुमार, राजीव रंजन, एमके मेहरा, राजू कुमार, अजय कुमार, कुमुद कुमार, संतोष कुमार, विश्व रंजन कुमार, मनोज कुमार, प्रदीप कुमार, बीएन पटेल, पंकज कुमार और बहुत सारे लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट तथा ट्रेन मैनेजर आदि शामिल थे.

खास बातें

- एलपी,एएलपी व एसएम और प्वाइंट मैन को नौकरी से बर्खास्त करने का विरोध
- घटना की उच्चस्तरीय कमेटी बनाकर जांच कराने की मांग

अभियान स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

डीसी ने किया मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को रवाना

संवाददाता। गढ़वा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शेखर जमुआर ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जिला स्तर पर रैली सह मानव श्रृंखला के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस दौरान समूह एवं साक्षरता समिति की महिलाएं उपस्थित थी.मौके पर डीसी श्री जमुआर ने कहा कि स्वीप के तहत इस कार्यक्रम के जरिये मतदान करने को लेकर आमजनों में जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है. जनजागरूकता को लेकर इस रैली सह मानव श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य बिना किसी दबाव, धमकी, लोभ-लालच अथवा बिना किसी से प्रभावित हुए अपने सूझबूझ से सही उम्मीदवार को मत देकर अपने नैतिक मताधिकार का उपयोग कराया जाना है. इस रैली सह मानव श्रृंखला के माध्यम से लोगो को नैतिक मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है. मौके पर डीडीसी पशुपति नाथ मिश्रा, एसी मतियस विजय टोप्पो, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, जेएसएलपीएस के डीपीएम सुशील कुमार दास आदि पदाधिकारी उपस्थित थे.

निर्भीक होकर करें मतदान, पुलिस आपके साथ

मेदिनीनगर । पलामू के जोनल आईजी नरेंद्र कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार संभाल लिया. पदभार ग्रहण के बाद उन्होंने कोर्ट और जेल की सुरक्षा का जायजा लिया. इस दौरान सुरक्षा और कई बिंदुओं को लेकर अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए. आईजी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी जोर-शोर से चल रही है. इंटर स्टेट बैठक का एक फेज हो चुका है. पलामू जोन में बिहार, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश का बॉर्डर एरिया आता है. दूसरी इंटर स्टेट बैठक जल्द होगी. वे सभी इंटर चेक पोस्ट को खुद जाकर जांच करेंगे. आईजी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में लोग बढ़-चढ़कर भय मुक्त मतदान करें. पुलिस हमेशा जनता के साथ है.

मतदाता जागरूकता के लिए यूथ मैराथन का आयोजन

लातेहार। आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत आम मतदाताओं को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है. मंगलवार को इसे ले कर यूथ मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया. यूथ मैराथन दौड़ जिला खेल स्टेडियम से प्रारंभ हो कर कारगिल पार्क तक पहुंची. यूथ मैराथन में बनवारी साहु महाविद्याललय व एनसीसी समेत विभिन्न विद्यालयों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया. दौड़ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. अभियान का नेतृत्व आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, स्वीप नोडल पदाधिकारी अनिल मिंज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन व जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार द्वारा किया गया.

न्यूज अपडेट

विधायक ने की छतरपुर को जिला बनाने की मांग

मेदिनीनगर। छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात की. उन्होंने पलामू प्रमण्डल अन्तर्गत छतरपुर अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की. उन्होंने कहा कि छतरपुर अनुमण्डल जिला बनने के सभी अर्हता को पूरा करता है. पलामू जिले के अतिउग्रवाद प्रभावित एवं अतिपिछड़ा प्रखण्ड नौडिहा बाजार, हरिहरगंज, पिपरा, हुसैनाबाद, हैदरनगर प्रखंड की उक्त प्रखण्ड के लोगों को जिला मुख्यालय से संबंधित कार्य को कराने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है. यदि छतरपुर अनुमण्डल को जिला बना दिया जाए तो यह दूरी घटकर मात्र 20 से 22 किमी रह जाएगी. विधायक ने सीएम श्री सोरेन से कहा कि पिछले विधानसभा सत्र में भी मैने गैरसरकारी संकल्प के माध्यम से सरकार के समक्ष छतरपुर को जिला बनाने से संबंधित प्रस्ताव लाया था.

खेत में काम कर रही महिला पर चलाई गोली, घायल

मेदिनीनगर। चैनपुर थाना क्षेत्र के भड़गावा चट्टीपार में अपराधियों ने 60 वर्षीया बुजुर्ग महिला सुमित्रा देवी पर गोली चला दी. इस घटना में सुमित्रा देवी बाल-बाल बच गईं. गोली उनके बांह और पैर को छूते हुए निकल गई. या है. महिला को जख़्मी हालत में इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया. सुमित्रा देवी के अनुसार दोपहर के लगभग तीन बजे वह घर के पास ही खेत में काम कर रही थी. इसी दौरान दो युवक वहां पहुंचे और उससे पूछा कि दादी यहां गांजा पी रहे हैं कोई दिक्कत है क्या. युवकों ने तीन बार इसी तरह पूछा और फिर गांजा पीनेलगे. गांजा पीकर युवक कुछ दूर गए और फिर वापस लौटे तो दोनों के हाथ में बंदूक था. बंदूक देखते ही महिला घर की ओर भागी, तब तक युवकों ने उनसे मारने के लिए गोली चला दी. इधर, घटना की सूचना के बाद चैनपुर थाना पुलिस महिला को लेकर हॉस्पिटल पहुंची. जख़्मी महिला के पुत्र जय प्रकाश मांझी ने बताया कि अपराधियों की संख्या तीन थी. एक अपराधी थोड़ी दूर पर मोटरसाइकिल स्टार्ट कर खड़ा था. दोनों अपराधी गोली चलाने के बाद उसी मोटरसाइकिल पर बैठकर भाग गए. उसने बताया कि कल्याणपुर निवासी जमीन कारोबारी धर्मेंद्र प्रजापति के साथ उनका जमीन.विवाद चल रहा है.

भाजपा ने निकाली नारी शक्ति बंधन पदयात्रा

पाटन, पलामू : भारतीय जनता पार्टी ने किशनपुर मंडल में नारी शक्ति बंधन पदयात्रा निकाली. इसकी अध्यक्षता किशनपुर मंडल अध्यक्ष संतोष पांडे ने किया. कार्यक्रम के विधानसभा प्रभारी जिला महामंत्री सुजाता सिंह, जिला मीडिया प्रभारी नीलम देवी, किशनपुर मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा नीलिमा झा, पूनम देवी, सांसद प्रतिनिधि हेमंत जी, किशनपुर पंचायत के मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि किशनपुर मंडल सुमन गुप्ता, जिला कार्यकारिणी सदस्य अशोक तिवारी, निर्मला देवी, संगीता मिश्रा, कविता देवी, सुषमा देवी, फुलवंती देवी, सरिता देवी समेत कई महिलाएं मौजूद थीं. विधायक पुष्पा देवी, जिला मंत्री रेणु देवी ने महिलाओं को लेकर पूरे किशनपुर में पदयात्रा की और मोदी सरकार की उपलब्धियों से लोगो को अवगत कराया.

ऑनलाइन रसीद काटने की मांग , ग्रामीण करेंगे आंदोलन

लातेहार। सदर प्रखंड के दुगिला ग्राम के ग्रामीणों ने उनके पूर्वजों की ऑफलाइन रसीद को ऑनलाइन करने की मांग को ले कर आंदोलन करेंगे. मंगलवार को ग्रामीणों ने दुगिला ग्राम के चारमुहान में ग्रामसभा की. ग्रामसभा में उक्त निर्णय लिया गया. ग्रामीणों ने ग्रामसभा में कहा कि यदि दुगिला गांव के उनके पूर्वजों की जमीन को ऑफलाइन से ऑनलाइन नहीं किया गया तो अंचल व समाहरणालय का घेराव किया जायेगा. ग्रामसभा में ग्रामीणों ने प्रशासन के विरोध में जम कर नारेबाजी की. ग्रामीणों ने कहा कि आदेश के बावजूद भी लातेहार अंचल में ऑनलाइन रसीद नहीं काटा जा रहा है. इस कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने कहा कि इसी पहले उपायुक्त जिला पुलिस अधीक्षक और अंचल कार्यालय को आवेदन दिया जा चुका है.

एबीवीपी ने लगाया शिविर, 11 यूनिट रक्त संग्रह

लातेहार । शहर के राजहार में स्थित गांधी इंटर कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा स्टूडेंट फॉर सेवा (एसएफएस) के तहत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. मौके पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कुमार नवनीत ने कहा कि रक्तदान महादान है, आपके द्वारा किए गए रक्तदान से किसी की जान बच सकती है. हरेक स्वस्थ मनुष्य 90 दिन के अंतराल पर रक्तदान कर सकता है.महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.दशरथ प्रसाद साहू ने कहा कि हर स्वस्थ मनुष्य को रक्तदान करना चाहिए.मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसे दान देकर ही संग्रह किया जा सकता है.उन्होंने जन्मदिन व सालगिरह एवं अन्य शुभ अवसरों पर रक्तदान करने की अपील छात्रों से की. उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है.

मतांतरण व अंतरजातीय विवाह नहीं करने की दी नसीहत

गुमला । चीक बड़ाईक उत्थान समाज पालकोट प्रखंड कार्यकारिणी की बैठक सह वनभोज सम्मेलन तपकारा डैम किनारे प्रखंड अध्यक्ष राहुल बड़ाईक की अध्यक्षता में आयोजित की गई. झारखंड प्रदेश चीक बड़ाईक उत्थान समिति के अध्यक्ष दिलीप बड़ाईक ने समाज को शिक्षित संगठित और सशक्त बनाने की वकालत की. लोगों से किसी के लालच में मतांतरण नहीं करने तथा युवक युवतियों को अन्तर जातीय विवाह नहीं करने का अनुरोध किया. पूर्वजों के धर्म और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प लिया. मौके पर जिला अध्यक्ष युगल किशोर बड़ाईक, लक्ष्मण बड़ाईक, गणपति बड़ाईक, आनन्द बड़ाईक, सचिव जयनाथ बड़ाईक, सह सचिव जगेश्वर बड़ाईक, कोषाध्यक्ष प्रदीप बड़ाईक, राहुल बड़ाईक, शंकर बड़ाईक ,जतिन बड़ाईक आदि उपस्थित थे.

तेंदार स्कूल के बरामदा से किशोर का शव बरामद

गुमला । ग्रामीणों की सूचना पर घाघरा थाना की पुलिस ने मंगलवार को तेंदार विद्यालय के बरामदा से अंकित उरांव नामक किशोर का शव बरामद किया है. पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया. थाना प्रभारी तरुण कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया किशोर की लाठी डंडा से सिर पर वार कर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है. ग्रामीणों के अनुसार थाना प्रभारी ने बताया कि यह बच्चा गांव के ही एक युवक से रहता था. घटना की रात किशोर घर में नहीं था. मंगलवार की सुबह गांव के बच्चे जब स्कूल पहुंचे तो बच्चे का शव देखा. इसकी सूचना गांव में फैल गया. शव को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई. ग्रामीणों ने घटना की सूचना घाघरा थाना को दी. थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की अनुसंधान की जा रही है.

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी लोगों की शिकायतें

लातेहार। मंगलवार को समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये ग्रामीणों की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को शिकायतों को दूर करने का निर्देश दिया.उपायुक्त ने सभी आवेदकों की शिकायतों को सुना एवं निराकरण का आश्वासन दिया. जनता दरबार में कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें अधिकांश आवेदन अबुआ आवास, जमीन विवाद, रोजगार व शिक्षा आदि से संबंधित थे. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया गया.

ब्रीफ खबरें

शिक्षा का मंदिर धीरे-धीरे खो रहा अपना अस्तित्व

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के पानीजा के अवस्थित प्राथमिक विद्यालय विलय होने पर भवन अपना अस्तित्व खोता चला जा रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि रघुवर सरकार के शासनकाल में यह विद्यालय को बंद करके अपने समीप अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुलडांगरी में विलय कर दिया गया था. तभी से इस भवन बंद पड़ा हुआ है जो रखरखाव के कारण अपना अस्तित्व खोता चला जा रहा है. साथ ही यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अभी दूर अवस्थित विद्यालय में जाना पड़ रहा है. जिसे छोटे-छोटे बच्चों को त्रप्ति गर्मी, बरसात तथा जाड़े में दूर अवस्थित विद्यालय जाना पड़ रहा है.

विधायक ने किया जाहेरगाढ़ खेराबंदी का शिलान्यास

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के भूतिया पंचायत अंतर्गत आंगारीशोल गांव में मंगलवार को विधायक समीर कुमार मोहंती ने जाहेरगाड़ स्थान का घेरा बंदी का नारियल फोड़कर कर किया शिलान्यास.वहीं विधायक ने बताया कि इस जहेरगाढ़ स्थान का घेराबंदी के लिए ग्रामीणों का वर्षों पुरानी मांग था. इस मौके पर बीस सूत्री उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ हांसदा, मुखिया विधान चंद्र मंडी, कालापाथर पंचायत के मुखिया शिवचरण हांसदा,विशाल बारीक, रविंद्र नाथ मुर्मू,तारक घटवारी आदि उपस्थित थे.

मुखिया ने मागे पर्व पर हो समुदाय के बीच वस्त्र बांटे

मझगांव। जनजातीय समुदाय 'हो' द्वारा मनाई जाने वाली मागे पोरोब पर मझगांव पंचायत की मुखिया रिलन आभा मधु धान के द्वारा जनजातीय समुदाय के लोगों को धोती एवं साड़ी का वितरण कर पर्व की शुभकामनाएं दी गई. मुखिया रिलन आभा मधुधान ने कहा कि यह प्राकृतिक पर्व है और मैंने अपने पंचायत वासियों से यह वादा किया था कि आपके हर सुख दुख में आपके समक्ष मौजूद रहूंगी. मौके पर नंदीराम हेम्ब्रम, मदन पूर्ति, संजय चातार, अंग वस्त्र धोती प्रदान किया गया. सलाम, मासूम रजा, मोजाहिद अहमद आदि उपस्थित थे.

चक्रधरपुर रेल मंडल के 28 टिकट निरीक्षकों का प्रमोशन

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत चक्रधरपुर रेल मंडल के 28 टिकट निरीक्षकों को प्रमोशन मिला है. इन्हें लेवल 7 से लेवल 8 में प्रमोशन दिया गया है. रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नये सर्कुलर के आधार पर इन मुख्य टिकट निरीक्षकों को एक दिसंबर 2022 से प्रमोशन का लाभ दिया जायेगा. इसके साथ ही टिकट निरीक्षकों को आर्थिक लाभ रूप से कई फायदें मिलेंगे. अब से पहले अधिकतम 4600 ग्रेड पे तक सीनियर टीटीई रिटायर हो जाते थे.

इन्हें मिला प्रमोशन : बी मुर्मू, जे हेंब्रम, कामेश्वर राव, प्रबिर कुमार बोस, श्रीकांत मोहंती, बहादुर लोहरा, पूरनमल सिंह, पीके मिश्रा, राजेश कुमार, लक्ष्मीधर नायक, बसंत कुमार सेठी, निरंजन नायक, आरएन विश्वास, आफरीन कोंगरी, दशरथ माझी, एके पात्रा, बीवीएन राव, स्वरूप कुमार नायक, पीके मोहंती, कुंतल मंडल, देवराज साहू.

आदित्यपुर रेलवे स्टेशन से अज्ञात का शव बरामद

आदित्यपुर। आदित्यपुर रेल स्टेशन के टिकट काउंटर के समीप सुबह एक अज्ञात शव रेल पुलिस ने बरामद किया है. रेलवे पुलिस ने बताया कि लोगों ने इसे रात को शराब के नशे में स्टेशन में घूमते हुए और नाचते हुए देखा था. लेकिन जब सुबह हुई तो लोगों ने उसे मृत पाया . रेलवे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पाई है.

चाईबासा डिवीजन में रहते करोड़ों की जमीन, प्लॉट खरीदे जाने की चर्चा है

भवन निर्माण विभाग में ठेकेदारों से 5% कमीशन वसूली!

संवाददाता। किरीबुरु

भवन निर्माण विभाग कार्य प्रमंडल चाईबासा में डीएमएफटी की योजना में निविदा प्रक्रिया के तहत एल-1 हो चुके संवेदकों से कार्य आवंटित का आदेश देने के नाम पर 5 फीसदी कमिशन वसूली की चर्चा जोरों पर है. कार्यपालक अभियंता सैफुल्लाह अंसारी के भ्रष्ट कार्य शैली पर लगातार उंगली उठता रहा है. श्री अंसारी बिगत तीन साल से भी अधिक समय से डिवीजन में कार्यरत हैं. हाल ही में अधीक्षण अभियंता के रूप में विभाग के द्वारा प्रोन्नति दिया गया है. लेकिन अधीक्षण अभियंता के पद पर

पदस्थापन नहीं हुआ है. सूत्रों की माने तो जिला स्तरीय डीएमएफटी और स्वास्थ्य योजना में रांची में बैठे अधीक्षण अभियंता के नाम और ट्रांसफर हो चुके डीडीसी संदीप बक्शी के नाम पर कमिशन वसूलने की बात सामने आ रही है. सूत्रों की माने तो चाईबासा डिवीजन में रहते करोड़ों की जमीन,प्लॉट खरीदे जाने की चर्चा है, जिसकी जांच की भी मांग राज्यपाल से करने के लिए सामाजिक संगठन और राजनीतिक दल के द्वारा किए जाने की सूचना प्राप्त हो रही है. यूं कहा जा सकता है कि आय से अधिक सम्पत्ति का मामला दर्ज करने की कार्रवाई होने से इनकार नहीं किया जा सकता है.

खास बातें
- कार्यपालक अभियंता तीन साल से एक ही जगह जमे हुए
- डीएमएफटी और स्वास्थ्य योजना में भी वसूली

ऑफ लाइन टेंडर के नाम पर लाखों रु. की वसूली

यह भी मालूम हो कि कार्यपालक अभियंता ने अपने ऊंची पहुंच और पैरवी से पचास लाख तक की योजना को भी ऑफ लाइन टेंडर प्रक्रिया से करने का आदेश मुख्य अभियंता से करा कर टेंडर मैनेज किया जा रहा है . ऑफ लाइन टेंडर कर टेंडर मैनेज के नाम पर लाखों की वसूली किए जाने की सूचना है . सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के ई गवर्न के संकल्प और आदेश को भवन निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता के द्वारा नहीं माना गया .

नेफ्रो प्लस का ईएसआईसी के साथ टाईअप हुआ समाप्त

ईएसआईसी में रेफरल के बाद अब किडनी मरीजों का डायलिसिस बंद

संवाददाता। आदित्यपुर

ईएसआईसी आदित्यपुर में रेफरल के बाद किडनी मरीजों का डायलिसिस भी आज से बंद कर दिया गया है. जिससे किडनी मरीजों की स्थिति खराब हो गई है. मरीजों के आश्रित बताते हैं कि उन्हें अपने मरीजों का हर महीने 12 डायलिसिस कराने की जरूरत पड़ेगी, जिससे मरीजों को 26 हजार प्रति माह भरने पड़ेंगे. ईएसआईसी के अधीक्षक एमपी मिंज बताते हैं कि ईएसआईसी का डायलिसिस करने वाली नेफ्रो प्लस के साथ टाई अप समाप्त हो चुका है. उसे केन्द्र से सेवाएं समाप्त करने का आदेश मिला है. बता दें कि ईएसआईसी में वर्तमान में 70 मरीज डायलिसिस के हैं, जिन्हें सप्ताह में 3 बार डायलिसिस कराने जरूरत पड़ती है. अब प्रश्न उठता है कि ईएसआईसी में वैसे मजदूर बीमित हैं जिनका वेतन 25 हजार से कम है. अब वे कैसे बाहर में अपने मरीजों को डायलिसिस अफोर्ड कर सकेंगे? बता दें मार्च 2020 से गंभीर बीमारियों का रेफरल भी ईएसआईसी ने बंद कर रखा है.

खास बातें
- मरीजों को महीने में 12 डायलिसिस की जरूरत
- बाहर में डायलिसिस कराने में लगेंगे 26 हजार प्रति माह
- ईएसआईसी की सुविधा वाले मजदूरों को 25 हजार से कम वेतन

अधीक्षक को वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा

उन्होंने ईएसआईसी के अधीक्षक एमपी मिंज को तत्काल किडनी मरीजों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने को कहा है . चूंकि डायलिसिस कराने वाले मरीजों का इलाज प्रभावित होना उनके लिए जानलेवा साबित हो सकता है . ईएसआईसी के अधीक्षक एमपी मिंज मरीजों को ब्रह्मानंद अस्पताल और उमा अस्पताल जाने को कह रहे हैं, लेकिन मरीज के परिजन बताते हैं कि उमा अस्पताल में उचित सुविधा नहीं है जबकि ब्रह्मानन्द अस्पताल ने टाई अप खत्म होने को बात कही है . ऐसे में डायलिसिस के मरीज के परिजन असमंजस में हैं कि वे लोग कल से मरीज को लेकर कहां जाएंगे?

आदित्यपुर में तकरीबन 80 हजार बीमित मजदूर

ईएसआईसी आदित्यपुर में तकरीबन 80 हजार बीमित मजदूर हैं जिनका स्वास्थ्य सुविधा के लिए कर्मचारी राज्य बीमा आयोग के साथ बीमा है . इन बीमितो से हर माह करोड़ों रुपए ईएसआईसी को मिलते हैं . इसके बावजूद मजदूरों के स्वास्थ्य सुविधाएं में कटौती करना कहां तक जायज है . नेफ्रो प्लस ने आज अचानक नोटिस बोर्ड पर सूचना देकर कल से डायलिसिस की सुविधा बंद कर दी है . इस बात की सूचना डायलिसिस मरीज के परिजनों ने नगर पर्षद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह को दिया . इसके बाद पुरेंद्र ने इसे अति आवश्यक बताते हुए तत्काल केंद्रीय श्रम नियोजन मंत्रालय के इस कदम को घातक बताया है और इस संबंध में तत्काल एक मेल मंत्रालय को भेजा भी है .

समाज विरोधी गतिविधियों पर पाबंद लगाना जरूरी : अध्यक्ष

मझगांव। मझगांव प्रखंड मानकी-मुंडा संघ भवन परिसर में मंगलवार को संघ के प्रखंड अध्यक्ष युगल किशोर पिंगुवा के अध्यक्षता में अंचल के सभी मानकी-मुंडा का समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में मौजूद मझगांव अंचल अधिकारी संजय बाखला ने संबोधित करते हुए कहा कि अनावाद प्रति जमीन के बंदोबस्ती एवं मानकी-मुंडाओं को उनकी जिम्मेदारी और दायित्व के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए. संघ के प्रखंड अध्यक्ष युगल किशोर पिंगुवा ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी ग्रामीण मुंडा रैयतों से लगान वसूली कर जल्द से जल्द अंचल कार्यालय में जमा करें. गांव अस्तर की छोटी बड़ी समस्याओं को गांव में ही बैठक कर इसका निष्पादन करें. बच्चों के शिक्षा के लिए सभी बच्चों का निगरानी अति आवश्यक है.

मिशन परिवार विकास अभियान का रथ किया गया रवाना

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ उत्पल मुर्मू ने मंगलवार दोपहर मिशन परिवार विकास अभियान रथ 2024 को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.यह रथ बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव का परिभ्रमण कर लोगों के बीच परिवार नियोजन संबंधित जानकारी प्रदान करेगा.साथ ही इसका मुख्य उद्देश्य आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सभी को संकल्प दिलाना है की परिवार नियोजन ही खुशियों का एक विकल्प है. बच्चों का अंतर रखने के लिए गर्भनिरोधक का उपयोग करना तथा एक बच्चे से दूसरे बच्चे के जन्म का अंतर कम से कम तीन साल हो जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए जा रहे हैं. वहीं इस मौके पर कालीपद देहुरी,दुर्गा उरांव, अमृतांशु बेरा, देवाशीष साउ, दिनेश घोष, उमाशंकर महतो आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

राजश्री एप के माध्यम से जुआ खेल रहे तीन धराये

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत उलियान स्थित वीणापानी रोड हनुमान वाटिका के पास छापेमारी कर पुलिस ने जुआ खेल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में रामजनम नगर निवासी कुणाल चटर्जी, बीएच एरिया निवासी कार्तिक नाग और अभिमन्यु महतो उर्फ भूत शामिल है. पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 7010 रुपये नकद और चार मोबाइल फोन बरामद किया है. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कुछ युवक काफी शोर शराबा कर रहे है. सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की और मौके पर जुआ खेल रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया. तीनों राज श्री ऐप के माध्यम से जुआ खेलने और खिलाने का काम करते है. इसी के माध्यम से लोगों को ठगा जा रहा था. फिलहाल पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया.

बूथ सम्मेलन में शामिल होने सैकड़ों भाजपाई चाईबासा रवाना

मझगांव। मझगांव प्रखंड अंतर्गत 67 बूथ के भाजपा पार्टी कार्यकर्ता जिला बूथ स्तरीय सम्मेलन के लिए सैकड़ों कार्यकर्ता मंगलवार को चाईबासा रवाना हुए. जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेता लंकेश्वर तामसोय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तरीय बूथ सम्मेलन में शामिल होकर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के दिशा निर्देश को सुनने के लिए प्रखंड क्षेत्र काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता चाईबासा जा रहे हैं. वहां से लौटने के बाद सभी पार्टी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र के सभी बूथ के मतदाताओं को केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजना जो सफलतापूर्वक आम लोगों को मिल रही है, उसे बताएंगे. चाईबासा जाने वालों में अनिल बिरुली, मजहर हुसैन, बुधराम हेंब्रम, अर्जुन हेंब्रम, जगदीश नायक समेत सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल हैं.

मऊभंडार ओपी में हुई शांति समिति की बैठक

घाटशिला। पुलिस एवं आम जनता के बीच समन्वय स्थापित करने को लेकर मऊभंडार ओपी परिसर में ओपी प्रभारी गौतम कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को पुलिस व जनता के बीच बैठक आयोजित की गयी. बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य व गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए. मौके पर मऊभंडार ओपी प्रभारी गौतम कुमार ने कहा कि सुचारु रूप से चुनाव कराने, पर्व-त्योहार, विधि-व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा पुलिस व आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए यह बैठक की गई. इससे पूर्व मऊभंडार महिला समिति के महासचिव रूबी सिंह ने नए ओपी प्रभारी गौतम कुमार, एसआई मनोज कुमार मुर्मू को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया. ओपी प्रभारी गौतम कुमार ने शांति समिति के सदस्यों से आग्रह किया कि इस क्षेत्र में नशा का सामान बेचने वाले की जानकारी पुलिस को दें.

मारवाड़ी महिला समिति ने 4 जोड़ों का विवाह करवाया

चाईबासा। नए गायत्री शक्तिपीठ टूंगरी में मंगलवार को मारवाड़ी महिला समिति के सौजन्य से गायत्री परिवार की बहनों के सहयोग से मंझारी कुमारडुंगी, तांतनगर, चाईबासा के चार वर वधू का हिंदू रीति से विवाह कराया गया. मौके पर घरेलू जरूरत का सामान्य प्रत्येक जोड़े को एक बक्सा ,चादर, पेंट शर्ट पीस साड़ी गगरा, परात, कंबल, दरी मच्छरदानी आर्टिफिशियल ज्वेलरी रामायण राम दरबार की फोटो कुर्ता पजामा टॉवल आदि बहुत सी सामग्री दी गई.गायत्री परिवार से बहुत सी कार्यकर्ता इस अवसर पर उपस्थित थी. महिला शक्ति द्वारा ही विधि विधान से पूजा संपन्न कराई गई एवं विवाह कराया गया. गायत्री परिवार की बहन चंचल गुप्ता ने बहुत ही सुंदर तरीके से विवाह का महत्व बताया और हम सभी को बहुत सहयोग दिया. आए हुए गांव से सभी लोगों को सुबह का नाश्ता एवं दोपहर का खाना देकर विदा किया गया. समिति द्वारा जून 2023 में भी 19 जोड़ों का विवाह करवाया गया था.

आज तक रहेगी संस्थापक दिवस की रौनक

जमशेदपुर। जमशेदपुर में इन दिनों संस्थापक दिवस मनाया जा रहा है. पूरे शहर को लाइटों से जगमग कर दिया गया है. शहर की सजावह 3 मार्च से 5 मार्च तक ही थी पर इसे बढ़ाने का फैसला लिया गया है. दरअसल, सोमवार को तेज आधी-बारिश के कारण लाइटों को बंद कर दिया गया था जिससे जुबली पार्क घुमने आए लोगों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ा था. इसी को लेकर टाटा स्टील की ओर से फैसला लेते हुए शहर की लाइटिंग को 6 मार्च तक बढ़ाने का फैसला लिया गया है.

अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की कवायद फिर शुरु

संवाददाता। चांडिल

अन्याय के खिलाफ और जन अधिकारों के लिए संघर्ष करना झारखंडियों के खून में है. दमनकारी घटनाओं के खिलाफ झारखंडी हमेशा से संघर्ष करते रहे हैं. अब एक बार फिर हक-अधिकार और अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर को संघर्ष करने की कवायद शुरू हो गया है. दमन के खिलाफ चांडिल अनुमंडल की जनता का प्रतिवाद शुरू होगा. इसके लिए सात मार्च को चांडिल डैम नौका विहार स्थल में बैठक रखा गया है. बैठक में प्रतिवाद कार्यक्रम को लेकर चर्चा किया जाएगा. इसकी जानकारी देते हुए श्यामल मार्डी ने कहा कि अन्याय के खिलाफ हम हमेशा की तरह प्रतिवाद करेंगे. यह वीर गंगा नारायण सिंह, सालों माझी, निर्मल महतो की धरती है. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निर्मूलन के लिए जरूर प्रयास होना चाहिए.

प्रधानमंत्री केयर फंड का हिसाब क्यों नहीं

श्यामल मार्डी ने कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा की सरकार इस देश में एक पार्टी सिस्टम लागू कर एकछत्र शासन स्थापित करना चाहती है . भ्रष्टाचार के नाम पर विरोधी दल के नेताओं को फंसाया जा रहा है . झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पहले तो भाजपा के समर्थन में आने का दबाव डाला गया और जब वे नहीं माने तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया . एकमात्र आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपने पद पर रहते गिरफ्तार किया गया . ऐसा इसलिए हुआ कि हेमंत सोरेन आदिवासी, झारखंडी होकर भी शासकों के सामने झुकने को तैयार नहीं हुए .

आयोजन विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणों को दी गई कानून और योजनाओं की जानकारी

बिरहोर कॉलोनी में लोगों का नहीं बना आधार कार्ड, सुविधाओं से वंचित

संवाददाता। चांडिल

चांडिल प्रखंड अंतर्गत कोड़ाबुरु व तिरुलडीह बिड़होर कॉलोनी में समस्याओं का अंबार है. गांव की दशा देखकर देखकर लगता है कि सरकार और स्थानीय प्रशासन को गांव के लोगों की तनिक भी चिंता नहीं है. दुखत बात यह है कि तिरूलडीह बिड़होर कॉलोनी जाने के लिए अबतक लोगों को रास्ता भी नहीं मिला है. बिड़होर कॉलोनी में बिजली भी नहीं है. सबसे बड़ी बात है कि जिस आधार कार्ड के बगैर कहीं भी किसी प्रकार का सरकारी लाभ या अन्य कई जरूरत के काम नहीं होता है, वह आधार कार्ड भी कई ग्रामीणों

ग्रामीणों के साथ पीएलवी

का नहीं बना है. गांव के गुरुवारी बिरहोर (25), पुर्णिमा बिरहोर (40), जादू बिरहोर (65), फूलमनी बिरहोर (24), सुनिया बिरहोर (23), रजनी बिरहोर (7), सावित्री बिरहोर (6), दीपावली बिरहोर (3), मंगली बिरहोर (5), शकुंतला बिरहोर (5), अंकिता बिरहोर (3), ज्योति माझी (8), सागेन माझी (7) और अनिल बिरहोर (6) का अबतक आधार कार्ड नहीं बना है.विधिक जागरूकता शिविर में दी गई जानकारी. कोड़ाबुरु व तिरुलडीह बिरहोर कॉलोनी में मंगलवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला-खरसावां के निर्देश अनुसार मंगलवार को चांडिल अनुमंडल विधिक सेवा समिति के पीएलवी कार्तिक गोप, भुपेन चंद्र महतो व रमजान अंसारी ने शिविर में लोगों को कानूनी जानकारी दी. इसके तहत ग्रामीणों को पेंशन योजना, पालन पोषण योजना, आवास योजना, राशन कार्ड, आधार कार्ड अपडेट आदि की जानकारी दिया गया. इसके अलावा ग्रामीणों को महिला हिंसा, घरेलू विवाद समेत विभिन्न कानूनों की भी जानकारी दी गई. इस मौके पर ग्रामीणों ने चांडिल अनुमंडल विधिक सेवा समिति के पीएलवी के समक्ष गांव की समस्याओं को रखा और इसके निदान करने की मांग की. इस अवसर पर प्रति बिरहोर, तारा बिरहोर, शांति बिरहोर, मालती बिरहोर, सरस्वती बिरहोर, गोमही बिरहोर, गोबर्धन बिरहोर, रतनी बिरहोर, चारलु बिरहोर जस्मीन माझी, भगतु महतो, वीणापानी महतो समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बूथों में बदलाव, मतदान केंद्र भवन के जर्जर होने व भौगोलिक परिवर्तन को लेकर निर्णय

टाटीझरिया प्रखंड के 32 मतदान केंद्रों की बूथ संख्या में बदलाव

संवाददाता। टाटीझरिया

चुनावी कवायद

- लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज
- राज्य भर में 378 भवनों में स्थापित बूथों में परिवर्तन

आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं. इस क्रम में प्रखंड क्षेत्र में बीडीओ द्वारा मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है. वहीं, विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ बैठक की जा रही है. निर्वाचन कार्यों में लगाए जाने वाले कर्मियों को प्रशिक्षण के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया जा रहा है.

बता दें कि प्रखंड क्षेत्र में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत 33 बूथ और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत 21 बूथ आते हैं. कुल इस प्रखंड में कुल 54 बूथ हैं. अब जानकारी दी गई है कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड क्षेत्र के मतदान केंद्रों की बूथ संख्या में बदलाव किया गया है. राज्य के कई मतदान केंद्र के भवन जर्जर हो गए हैं. कई कई विद्यालय बंद किए गए हैं. इसलिए, राज्य भर में 67 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत 378 भवन में स्थापित मतदान केंद्र को परिवर्तित किया गया है.

टीटीझरिया प्रखंड में बनाए गए नए बूथों की सूची

350- उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगरपट्टा	361- उत्क्रमित मध्य विद्यालय डूमर	372- प्राथमिक विद्यालय केसड़ा
351-प्राथमिक विद्यालय मंगरपट्टा	362- उत्क्रमित मध्य विद्यालय डूमर	373- उत्क्रमित मध्य विद्यालय घुघलिया
352- उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेड़म	363- सामुदायिक भवन खरिका	374- उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोधिया
353- उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेड़म	364 - मध्य विद्यालय कोल्हू	375- उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय बौधा
354- उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय धरमपुर	365- मध्य विद्यालय कोल्हू	376- उत्क्रमित उच्च विद्यालय टाटीझरिया
355- उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय धरमपुर	366- मध्य विद्यालय कोल्हू	377- उत्क्रमित उच्च विद्यालय टाटीझरिया
356- उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय धरमपुर	367- मध्य विद्यालय कोल्हू	378- उत्क्रमित उच्च विद्यालय टाटीझरिया
357- उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मंडपा	368- मध्य विद्यालय कोल्हू	379- उत्क्रमित मध्य विद्यालय होलंग
358- प्राथमिक विद्यालय मुक्ति दुधमनिया	369- प्राथमिक विद्यालय डहरभंगा	380- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेरहो
359- मध्य विद्यालय खंभवा	370- प्राथमिक विद्यालय डहरभंगा	381- प्राथमिक विद्यालय मुरुमातु
360- मध्य विद्यालय खंभवा	371- प्राथमिक विद्यालय केसड़ा	382- उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय टाटी

विधायक अमित यादव ने रखी विद्यालय उन्नयन कार्य की नींव

- शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने को बताई प्राथमिकता
- कहा- विस क्षेत्र में दर्जनों सड़कों का शिलान्यास जल्द

संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र में स्थानीय विधायक अमित कुमार यादव ने कई विकास योजनाओं की नींव रखी. इस क्रम में राजकीय कन्या उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय बेलकपी में एक करोड़ 25 लाख की लागत से उन्नयन कार्य, 24 लाख 60 हजार की लागत से किचन शेड निर्माण तथा राजकीय मध्य विद्यालय बेड़ोकला में लगभग एक करोड़ 40 लाख की लागत से विद्यालय उन्नयन कार्य का शिलान्यास किया.

बेलकपी में संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है. उन्नयन कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. उन्होंने आने वाले समय में विद्यालयों में मीटिंग हॉल उपलब्ध कराने की बात कही. कहा कि क्षेत्र में दर्जनों सड़कों का शिलान्यास जल्द ही किया जाएगा. मंच संचालन सहायक अध्यापक मुकेश पांडेय ने किया.

ब्रीफ खबरें

स्वीप कार्यक्रम के तहत फूड फेस्टिवल 20 को

हजारीबाग। आगामी लोकसभा चुनाव को प्रभावी और रचनात्मक तरीके से संपन्न कराने तथा लोगों में मतदान के प्रति उत्साहवर्धन के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं. इस कड़ी में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय के निर्देश पर सहायक समाहर्ता सुलोचना मीणा की अध्यक्षता में 20 मार्च को स्वीप कार्ययोजना के तहत जिला स्तर पर फूड फेस्टिवल आयोजित करने पर चर्चा की गई. बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, सहायक नगर आयुक्त, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जेएसएलपीएस के डीपीएम एवं नेहरू युवा केंद्र के यूथ ऑफिसर मौजूद रहे.

खेल क्लबों को खेल किट व फुटबॉल दिए

रामगढ़। मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रखंड स्तर पर भाग लेने वाले दुलमी प्रखंड के सभी पंचायतों को खेल किट और ग्राम स्तर पर गठित सभी सिदो कान्हू खेल क्लबों को दो-दो फुटबॉल दिए गए. मौके पर जिला खेल पदाधिकारी मारकस हेमरोम, दुलमी बीडीओ सुनील कुमार प्रजापति, एवं प्रखंड के सभी पंचायतों के मुखिया मौजूद थे. इस दौरान प्रखंड स्तर पर भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को खेल किट दिया गया. वहीं, प्रखंड स्तरीय विजेता टीमों को जिला प्रशासन ने ट्रैकसूट भी दिया. जिला खेल पदाधिकारी ने युवाओं का हौसला बढ़ाया. मौके पर डे बोर्डिंग प्रशिक्षक भोला नाथ महली, प्रकाश महतो, खिलाड़ी समेत कई लोग मौजूद थे.

प्लस टू हाई स्कूल की दो छात्राओं को पदक

हजारीबाग। कटकमसांडी प्लस टू हाई स्कूल में मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इसमें 67 एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए विद्यालय की 10वीं कक्षा की छात्रा कांस्य पदक विजेता वूशु खिलाड़ी राखी कुमारी और सोनम परवीन को पुष्प गुच्छ और उपहार देकर सम्मानित किया गया. प्रभारी प्रधानाध्यापक विजय मसीह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक सह वूशु नेशनल रेफरी सरोज कुमार मालाकार के नेतृत्व में विद्यालय के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर विद्यालय के साथ जिले का भी नाम रोशन किया है. उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी. वहीं शारीरिक शिक्षा के शिक्षक सरोज कुमार मालाकार बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों में अपार क्षमता और प्रतिभा होती है, सिर्फ उन्हें प्रेरित करने की आवश्यकता है.

ट्रांसपोर्टिंग कंपनी से वार्ता के बाद धरना स्थगित

केरेडारी। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस केरेडारी शाखा के द्वारा बीजीआर माइनिंग में पांडु से शुरू की गई ट्रांसपोर्टिंग के विरोध में बीजीआर यूनिट के अध्यक्ष परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया. इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने कहा कि एनटीपीसी गुंडागर्दी पर उतारू है. आने वाले दिनों में बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी. इस बीच आक्रोश बढ़ने पर ट्रांसपोर्टिंग कंपनी द्वारा वार्ता की गई. कहा गया कि जिस भी जगह लोगों को जोड़ने का काम होगा, रोजगार देंगे. इंटर प्रतिनिधियों ने आश्वासन पर धरना स्थगित करते हुए कहा कि अगर लोगों को जोड़ा नहीं गया, तो पुनः धरना दिया जाएगा. मौके पर जिप सदस्य निरंजन साहू, मुखिया अमित दुबे, जीवादन साहू, जगदीश साहू, उदय वर्मा, विनय वर्मा, लोकेश कुमार, वासुदेव प्रजापति समेत दर्जनों लोग मौजूद थे.

डीसी ने सभी कार्यालयों में स्वीप अभियान चलाने का दिया निर्देश

समन्वय के साथ कार्य करें

संवाददाता। हजारीबाग

स्वीप कार्यक्रम

- योजना बना कर जागरूकता संदेश का होगा प्रचार-प्रसार
- बूथों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा

आसन्न लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदाता भागीदारी बढ़ाने, नैतिक मतदान एवं निर्वाचन संबंधी जागरूकता संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्वीप कोर कमिटी की बैठक समाहरणालय सभागार में हुई. उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में जिले में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता संदेश के प्रचार-प्रसार को लेकर गहन-विचार विमर्श किया गया.

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि स्वीप कार्यक्रम चुनौतिपूर्ण होने के साथ-साथ रोचक और रचनात्मक भी है. कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को सुगम एवं प्रभावशाली बनाने के लिए सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा. उन्होंने कार्यालय एवं स्टेकहोल्डरों को अपने अधीन बॉटम लाइन को इस्तेमाल करते हुए स्वीप कार्यक्रम संचालित करने का निर्देश दिया. वहीं, जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यालयों सहित विशेष आमंत्रित सदस्यों को योजना बना कर मतदाता जागरूकता संदेश का व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा. इसके तहत सभी विभागों को मतदाता जागरूकता संबंधी विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं, क्विज, ईवेंट, रैली, प्रभात फेरी, ट्री प्लोंटेशन, गोष्ठी, संदेश, संध्या चैपाल आदि आयोजित की जाएंगी.

उपायुक्त ने सभी प्रखंडो को सबसे कम वोटिंग प्रतिशत वाले बूथों को चिह्नित कर इन क्षेत्रों में विशेष जगारूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है. साथ ही उन्होंने नैतिक मतदान, मतदाता प्रतिज्ञा, आई एम वेरिफाइड वोटर कैंपेन का भी व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा. वहीं हर विभाग को मतदाता जगरूकता गतिविधि संचालित कर सोशल मीडिया हैंडल डीईओ (हजारीबाग) पर टैग करने के निर्देश दिए.

मतदाता जागरूकता का चलेगा ऑडियो-विजुअल : उपायुक्त ने परिवहन विभाग को ई-रिक्शा के माध्यम से रोड शो, सिनेमा हॉल, लोकल केबल नेटवर्क में मतदाता जागरूकता संबंधी ऑडियो-विजुअल के प्रसारण करने का निर्देश दिया. वहीं सीसीएल, बीएसएनएल, एलडीएम सहित अन्य स्टेकहोल्डरों को वोटर अवेयरनेस वीक मनाने सहित विविध मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने का निर्देश दिया. प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को बूथों में मतदाताओं के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा.

नगर परिषद व छावनी परिषद के अधिकारियों के साथ डीसी ने की बैठक

मतदान बढ़ाने पर करें फोकस

संवाददाता। रामगढ़

लोकसभा चुनाव के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोजन और शत-प्रतिशत मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का उपयोग करने को लेकर मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने बैठक की. अपने कार्यालय कक्ष में नगर परिषद और छावनी परिषद के अधिकारियों के साथ उपायुक्त ने लोगों को मतदान करने के प्रति जागरूक करने को कहा.

उपायुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बहुत जरूरी है कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के प्रति जागरूक हों. रामगढ़ जिला अंतर्गत नगर परिषद एवं छावनी परिषद क्षेत्र में बड़ी संख्या में औद्योगिक प्रतिष्ठान, मॉल, दुकानों आदि के साथ-साथ घरों में भी बड़ी संख्या में लोग रहते हैं. शहरी क्षेत्र में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करना बहुत जरूरी है. उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों के साथ मतदाता जागरूकता को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में निर्देश दिए.

लूट व छिनतई के इरादे से जुटे कोढ़ा गिरोह के सदस्यों पर कार्रवाई

एक सदस्य गिरफ्तार, 3 फरार

संवाददाता। हजारीबाग

पुलिसिया दबिश

- लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे चारों
- पिस्तौल, खुजली की दवा, एटीएम व चेक बुक बरामद

शहर मे लूट और छिनतई की घटना को अंजाम देने पहुंचे कोढ़ा गिरोह के एक सदस्य को बड़ा बाजार पुलिस ने गिरफ्तार किया है. वहीं, गिरोह के तीन सदस्य बाइक पर सवार होकर भाग खड़े हुए. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज यादव के रूप में की है. वह बिहार के कटिहार जिले का रहने वाला है. उसके पास से एक लोडेड पिस्तौल, दो जिंदा कारतूस, खुजली की दवा, एटीएम और चेक बुक बरामद किया है.

सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि शहर के साथ बड़कागांव, कटकमदाग, रामगढ़ में दर्जनों लूट और छिनतई की घटना को अंजाम दिया है. उसके खिलाफ आधा दर्जन से अधिक हजारीबाग और रामगढ़ जिले में कई मामले दर्ज हैं. सदर एसडीपीओ ने बताया कि एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि खिरगांव एटीएम के पास बाइक पर सवार चार संदिग्ध खड़े हैं, लूट और छिनतई की बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है. एसपी ने बड़ा बाजार थाना प्रभारी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया. जैसे ही बड़ा बाजार पुलिस मौके पर पहुंची, तीन युवक बाइक से भाग निकले, जबकि एक को खदेड़ कर पकड़ लिया गया.

बरही विधायक ने किया दो सड़कों का शिलान्यास

अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही विकास की किरण : अकेला

संवाददाता। चौपारण

बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने मंगलवार को प्रखंड की दो प्रमुख सड़कों का शिलान्यास किया. इस सम्बंध में विधायक मीडिया प्रभारी मनोज यादव ने बताया कि विधायक अकेला ने मंगलवार को ठूठी आरईओ रोड से मानगढ़ तक और चौपारण आरईओ रोड नवडीहा मोड़ से नवडीहा तक पथ निर्माण कार्य की आधारशिला रखी. यह पथ ठूठी, मानगढ़, चौपारण,नवडीहा, बहेरा सहित दर्जनों गांवों से हुए मयूरहंड प्रखंड को भी जोड़ेगी.

इस अवसर पर बरही विधायक ने कहा कि हमारी सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह, मानगढ़ मुखिया अर्जुन सिंह, ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत, बहेरा पूर्व मुखिया नागेंद्र सिंह, बीरबल साहू, बैजू गहलोत, मनोज सिंह, रेवाली पासवान, विसुंधारी महतो, रामसुंदर प्रजापति, रंजीत सिंह, विवेक सिंह, विनोद सिंह, देवेंद्र सिंह, शिवकुमार सिंह, धीरेंद्र दांगी, भोला सिंह, संजय सिंह आदि मौजूद थे.

डॉ. कृष्ण गुप्ता बने पीजी हिंदी विभागाध्यक्ष

हजारीबाग। डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता को विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के नया विभागाध्यक्ष बनाया गया. विश्वविद्यालय के कुलपति सह आयुक्त सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने इस आशय से संबंधित आदेश जारी किया है. बतौर पीजी हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता का कार्यकाल दो वर्षों का होगा. वर्तमान में डॉ. गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में ही कार्यरत है. इसी प्रकार डॉ. सीटीएन सिंह को स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है. डॉ. सिंह रामगढ़ महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत है. दोनों प्राध्यापकों को संबंधित विभाग के प्राध्यापकों ने विभागाध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है.

डीएवी बरकाकाना में सामाजिक विज्ञान पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

शिक्षा का उच्च रूप समन्वय : डॉ. उर्मिला

संवाददाता। रामगढ़

पाठ्येतर गतिविधियां

- समाज में खुद को सुव्यवस्थित करने पर दिया गया जोर
- सामाजिक अध्ययन मानसिक विकास में सहायक : मनीष

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है. समाज में उसका जन्म होता है और समाज में ही उसकी मृत्यु होती है. ऐसी स्थिति में उसके लिए आवश्यक है कि वह समाज में अपने को ठीक प्रकार से व्यवस्थित करे. यदि व्यक्ति अपने को समाज में ठीक प्रकार से व्यवस्थित कर लेता है, तो यह उसकी सफलता है. उक्त बातें डीएवी बरकाकाना की प्राचार्य सह क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. उर्मिला सिंह ने कही.

वह केपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम अंडर द एजीज ऑफ डीएवी सीएमसी के तहत सामाजिक विज्ञान पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में बोल रही थीं. डॉ. सिंह ने कहा शिक्षा का उच्च रूप वही है, जो केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित न रहे, बल्कि सभी वस्तुओं के साथ समन्वय भी स्थापित करे. वहीं डीएवी पतरातू के प्राचार्य मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि सामाजिक अध्ययन एक विषय के रूप में विशेष रूप से सहायक होता है. सामाजिक विज्ञान के अध्ययन में वह क्षमता है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी आसानी से समाज में सामंजस्य स्थापित कर लेता है. सामाजिक अध्ययन विषय से केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान भी मिलता है. यह विषय छात्रों के मानसिक विकास में विशेष रूप से सहायक होता है.

इसके द्वारा छात्रों को अधिकारों तथा कर्तव्यों को समुचित ज्ञान कराया जा सकता है. यह छात्रों के सामाजिक चरित्र के विकास में योगदान देता है. उन्होंने कहा कि सहयोग, प्रेम, सहकारिता जैसे गुणों का विकास इसके अध्ययन के द्वारा ही मिलता है. इतना ही नहीं बच्चों में उत्तरदायित्व का भाव पैदा करता है. कार्यशाला में झारखंड जोन डी एवं एफ अंतर्गत 14 विद्यालय के शिक्षक भाग ले रहे हैं.

प्रो. शाहनवाज खान को मिली पीएचडी की डिग्री

रामगढ़। अंजुमन फरोग-ए-उर्दू पतरातू ब्लॉक इकाई ने प्रो. शाहनवाज खान को पीएचडी की डिग्री मिलने पर पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया. कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने उन्हें बधाई दी. ब्लॉक समन्वयक मो. रियासत हुसैन ने कहा कि प्रो. खान उर्दू पढ़ने-लिखने को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम करने वाले सिपाही हैं. वहीं हाजी जाकिर हुसैन ने कहा कि डॉ. शाहनवाज खान उन उर्दू प्रेमियों में से एक हैं, जो उर्दू के विकास के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं. बता दें कि प्रो. शाहनवाज खान ने 'उर्दू फिक्शन के विकास में शम्सुर रहमान फारूकी की भूमिका' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया था. उनका शोध कार्य को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ. आमिर मुस्तफा सिद्दीकी की देखरेख में पूरा हुआ. प्रो. खान वर्तमान में विभावि के अंतर्गत कॉलेज में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं.

मां भद्रकाली मंदिर में पूजा कर मनीष जायसवाल ने शुरू किया जनसंपर्क, कहा

विकास की नई लकीर खींचूंगा

संवाददाता। हजारीबाग/चौपारण

जनसंपर्क अभियान

- चौपारण और बरही प्रखंड के दो दर्जन गांवों का किया दौरा
- राजनीतिक जीवन में मानव सेवा को ही अपना धर्म बताया

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल ने मंगलवार सुबह चतरा के इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर अपने चुनावी जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की. इस दौरान चौपारण और बरही पहुंचते ही स्थानीय भाजपा नेताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया. उन्होंने जनसंपर्क अभियान की शुरूआत बरही विधानसभा क्षेत्र के चौपारण प्रखंड के सेवइयां ग्राम से की.

तत्पश्चात, चौपारण प्रखंड के दैहर स्थित मां कमलेश्वरी माता मंदिर और सोहरा में माता समोखर मंदिर में माता टेक कर जनसंपर्क के लिए बढ़ गए. यहां बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, हजारीबाग जिप अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, उपाध्यक्ष किसुन यादव, सिमरिया विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी सुजीत भारती सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मनीष जायसवाल का स्वागत किया. वहीं, बिगहा में आयोजित महायज्ञ में पहुंचने पर चंद्रवंशी समाज ने तलवार व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया. इससे पूर्व रितेश उर्फ रिशु वर्णवाल, जिप सदस्य राकेश रंजन ने भी भाजपा प्रत्याशी का स्वागत किया.

पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि पीएम मोदी ने आपके बीच मनीष जायसवाल के रूप में एक सिपाही भेजा है. हम सबको इन्हें विजयी बना कर पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करना है. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनीष जायसवाल ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन में मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म रहा है. आपका आशीर्वाद मिला तो आने वाले पांच वर्षों में विकास की नई लकीर खीचूंगा.

भू-माफियाओं की दबंगई से जमीन मालिक परेशान, जमीन हड़पने के लिए जबरन खड़े कर देते हैं विवाद

भू-स्वामियों के सामने कई दुश्वारियां, जाएं तो जाएं कहां

माफिया हावी

- फर्जी कागजात तैयार कर न्यायालय में कर रहे मुकदमा
- महिला बिग्रेड से जमीन पर जबरन कराया जा रहा कब्जा

राजेन्द्र कुमार दुबे। विष्णुगढ़

जमीन मालिकों की गुहार पर नहीं होती सुनवाई

भू-माफियाओं के शिकार जमीन के असली मालिक फरियादी बनकर अफसरों के दरवाजों पर दस्तक देते हैं. न्याय की गुहार लगाते हैं, मगर उन्हें निराशा ही हाथ लगती है. कहीं कोई सुनवाई नहीं होती है. दूसरी ओर न्यायिक प्रक्रिया की दीर्घसूत्रता के कारण विवादित बना दी गई जमीनों पर न्यायालय का फैसला आने में पीढ़ियां गुजर जाती हैं. अंतत:, थक-हार कर जमीन के असली मालिक भू-माफियाओं के सामने समर्पण कर औने-पौने दाम में उन्हें अपनी जमीन दे देते हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आखिर जमीन मालिकों को इन भू-माफियाओं के शोषण और दोहन से मुक्ति कब मिल पाएगी.

कमजोर भू-स्वामियों के लिए संरक्षण प्राप्त भू-माफिया परेशानी का सबब बने हुए हैं. दबंग छवि वाले माफिया तत्व फर्जी कागजात बनाकर उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने में जुटे हैं. ये लोग पहले खतियानी जमीन का फर्जी कागजात तैयार कर भू-स्वामियों के खिलाफ न्यायालय में मुकदमा कर देते हैं, फिर उन्हें दशकों तक न्यायालय का चक्कर लगाना पड़ता है.

इससे जमीन के असली हकदारों को मानसिक तनाव झेलना पड़ता है और समय के साथ पैसों की भी बर्बादी होती है. इसकी एक बानगी चेडरा का एक खतियानी भूखंड है. इस जमीन पर कब्जा करने के लिए अब महिला ब्रिगेड को उतारा जा रहा है. उनका विरोध करने पर भू-स्वामियों के साथ गाली-गलौज की जाती है. इतना ही नहीं कभी-कभी पथराव तक किया जाता है और छेड़खानी का मुकदमा करने की धमकी भी दी जाती है. जमीन मालिक जब दबंगों से समझौता नहीं करते हैं, तो उनकी जमीन पर इस प्रकार ही जबरन कब्जा हो जाता है. इनके पास धनबल तथा जनबल दोनों है.

सूत्रों की मानें, तो सरकारी महकमे में भी इनकी गहरी पैठ है. हुक्मरानों को मुंह मांगी रकम देकर वे अपने मनोनकुल काम करा लेते हैं. भू-माफिया लाखों रुपये नजराना देकर एलपीसी से लेकर म्यूटेशन तक कराने में सफल हो जाते हैं. इनके प्रभाव में आकर जमीन को विवादित बनाने के लिए रजिस्टर-टू में भी छेड़छाड़ की जाती है और उसके पन्ने तक फाड़ दिए जाते हैं. यह सब कुछ भू-स्वामियों को विवश कर अपनी जमीन बेचने के लिए किया जाता है.

डेंटिस्ट समेत दो बेटियों की मौत के पीछे का राज गहराया

संवाददाता। हजारीबाग

जांच जारी

- पुलिस ने डेंटिस्ट का मोबाइल किया जब्त, होगी जांच
- पति समेत दो बेटियों की संदिग्ध मौत से सदमे में पत्नी

शहर के एक डेंटिस्ट सहित उसकी दो बेटियों की मौत को लेकर शहर में काफी चर्चा हो रही है. पुलिस इस मामले की गुथली सुलझाने में लगी हुई है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है. गौरतलब हो कि बीते सोमवार को तीनों की लाश घर से बरामद हुई थी. इसमें डॉ. राजकुमार के हाथ का नस कटा हुआ पाया गया था. वह चट्टी, कटकमसांडी के रहने वाले थे और विष्णुपुर में मकान बना कर रह रहे थे.

तीनों का अंतिम संस्कार पैतृक गांव में ही हुआ. बताया जा रहा है कि डॉ. राजकुमार अक्सर बीमार रहते थे और उनके इलाज में मोटी रकम खर्च हुई थी. कुछ लोगों का यह भी कहना था डॉक्टर काफी कर्ज में थे, इसलिए डिप्रेशन में चल रहे थे. पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. इधर, घटना के बाद डेंटिस्ट की पत्नी चांदनी राज सदमे में हैं. वह बार-बार बेहोश हो जा रही हैं. इस संबंध में कटकमदाग पुलिस ने बताया कि मृतक डेंटिस्ट की पत्नी से बात करने का प्रयास किया जा रहा है, पर वह अभी बात करने की हालत में नहीं है. डॉक्टर का मोबाइल जब्त कर लिया गया है. कयास लगाए जा रहे हैं कि मोबाइल का लॉक खुलने के बाद कई राज से पर्दा उठ सकता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही अच्छा है. धर्म-कर्म में मन लगेगा. साथ ही समय अनुकूल लाभ देगा. समय अनुकूल रहेगा. जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी. नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा.

वृषभ किसी से विवाद से मन खिन्न हो सकता है. धर्म कर्म में रुचि बढ़ेगी. व्यापार लाभदायक रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. कोई यात्रा का योग है. इत्र दान करें.

मिथुन किसी से विवाद होगा. साथ ही अचानक खर्च होगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. आत्मशांति रहेगी. यात्रा संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. दूसरों की जवाबदारी न लें. थकान रह सकती है.

कर्क क्रोध से बचें. जीवनसाथी के सहयोग से कोई शुभ कार्य होगा. किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यापार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. समय बहुत ही लाभ का मौका देगा. पर रोग से बचें. शारीरिक कष्ट संभव है. जल्दबाजी से हानि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. सूर्य को जल दें.

कन्या संतान की समस्या का हल सहज ही प्राप्त नहीं होगा. किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा. भाग्य अनुकूल है. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. शत्रुओं का पराभव होगा. किसी व्यक्ति की बातों में न आएं.

तुला किसी अपने से मनमुटाव होगा. पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. आपके कार्य और प्रभाव से घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. गणेशजी का ध्यान पूजन करें.

वृश्चिक समय अनुकूल है. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. किसी नये कार्य को लेकर जल्दबाजी से बचें. हनुमानजी का पूजन करें.

धनु मिष्ठान भोजन का दान और सेवन करें. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें. कारोबार ठीक चलेगा. भाग्य अनुकूल है. समय का लाभ लें.

मकर खर्च में वृद्धि होगी. किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी. आत्मसम्मान बना रहेगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. अन्न दान करें.

कुंभ समय सामान्य है. अधिक प्रयास से लाभ कम होगा. खर्च अधिक होगा, पर समय अनुकूल है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. शनिदेव को तिल का तेल अर्पण करें.

मीन सरकारी कार्य में गति मिलेगी. कोई बड़ा कार्य होगा. साथ ही अच्छी खबर मिल सकती है. दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है. आय बनी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. पीला तिलक लगावें.

गढ़वा में पांच बड़ी योजनाओं के लोकार्पण पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अनूप जलोटा और भरत शर्मा के गीतों पर झूमे दर्शक

संवाददाता। गढ़वा

गायक सम्मानित

- पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने गायकों को सम्मानित किया
- दोनों कलाकारों ने एक से एक बढ़कर लोकगीत प्रस्तुत किया

गढ़वा में पांच बड़ी योजनाओं के लोकार्पण के मौके पर आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत सोमवार की संध्या टाउन हॉल के मैदान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस दौरान सुविख्यात गजल व भजन गायक अनूप जलोटा, प्रसिद्ध भोजपुरी लोक गायक भरत शर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तुति की. मौके पर गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने दोनों गायकों व उनकी टीम को माला पहनाकर, पुष्प गुच्छ देकर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया. साथ ही इन्हें मां गढ़देवी की तस्वीर भी भेंट की. दोनों कलाकारों ने एक से बढ़कर गजल, भजन व लोकगीत प्रस्तुत किया. इनके गीतों पर श्रोता देर रात तक झूमते रहे.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम से मनोरंजन के साथ-साथ आपसी समन्वय भी बढ़ता है. इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को अपनी संस्कृति से भी जुड़ाव होता है. साथ ही संस्कृति के बारे में जानने और समझने का मौका भी मिलता है. इस प्रकार के आयोजन से अपने ही शहर में बड़े कलाकारों को देखने व सुनने का भी अवसर प्राप्त होता है.

अनूप जलोटा ने काशी बदली, अयोध्या बदली, अब मथुरा की बारी है..., मेरी झोपड़ी के भाग्य आज खुल जाएंगे.., दमा दम मस्त कलंदर.., चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल.., चिट्ठी आई है आई है चिट्ठी आई है.., कभी राम बन के, कभी श्याम बन के.., जाम चलने लगी, दिल मचलने लगा.. आदि, भरत शर्मा ने के विंध्याचल वाली मईया.., गोरिया चांद के अंजोरिया नियन गोर बाडू हो.., खेले मशाने में होली दिगंबर.. आदि सहित एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किया.

अच्छे दिन का सपना तो अधूरा रह गया : विनोद

रांची। भाकपा माले का प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता कंवेंशन मंगलवार को पीपचो कोडरमा में संपन्न हुआ. सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता कनवेंशन में शामिल हुए. कंवेंशन के पूर्व किसान आंदोलन में शहीद किसानों और जनक्षीय पत्रकार पार्टी सदस्य संतोष मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई. मौके पर माले विधायक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि बीते हुए कल के मूल्यांकन से कोडरमा के भविष्य का फैसला लेना होगा. सहिया, ऊर्जा दीदी, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, पोषण सखी, कृषि मित्र समेत सभी केंद्रीय परियोजनाओं में कार्यरत कर्मियों के उम्मीदों पर केंद्र की मोदी सरकार ने प्रहार किया है. अच्छे दिन का सपना अधूरा ही रह गया.

जेपीएससी ने 24 सालों में मात्र 10 बार ही सिविल सेवा की परीक्षा ली है

विवादों में रहा जेपीएससी का नाता, कई परीक्षाओं की जांच

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने 24 सालों में 10 बार सिविल सेवा परीक्षा ली है. 11वीं के लिए आवेदन मांगे गये हैं. 7वीं से 10वीं की परीक्षा एक बार में ही हुई थी. दुर्भाग्य यह है कि जेपीएससी ने जितनी बार सिविल सेवा परीक्षा आयोजित की है, हर बार विवाद हुआ. सहायक प्राध्यापक की परीक्षा 15 सालो से कोर्ट में लंबित है. नियमतः सिविल सेवा की परीक्षा प्रत्येक साल होनी है, लेकिन प्रत्येक साल परीक्षा नहीं होती है.

- 2003 में पहली बार जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी हुआ था. उस वक्त 64 सीटों के लिए परीक्षा हुई थी. परीक्षा विवादों में चली गई. पहली बार परीक्षा हुई और जांच के घेरे में आ गई.
- 2005 में दूसरी बार सिविल सेवा की परीक्षा ली गई. दूसरी जेपीएससी भी जांच के घेरे में आ गई. बहाल हुए 165 अफसरों को बर्खास्त कर दिया गया. बाद में कैबिनेट से पास कर इन्हें फिर से बहाल किया गया. इसे लेकर भी जांच जारी है.
- 2015 में छठे जेपीएससी के लिए आवेदन मांगा गया. इसकी परीक्षा 2018 में हुई थी. 2020 में रिजल्ट जारी किया गया. कहीं न कहीं यह परीक्षा भी विवादों में रही.
- जेपीएससी ने सहायक प्राध्यापक परीक्षा वर्ष 2008 में ली थी. परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगा था. आरोपों की जांच सीबीआई कर रही है. फिलहाल यह मामला कोर्ट में हैं. 15 साल बीत जाने के बाद भी इस पर कोई फैसला नहीं आया है. विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के लगभग 4000 पद रिक्त हैं, बावजूद वैकेंसी निकलती ही नहीं.
- वर्ष 2021 में ली गई सिविल सेवा परीक्षा विवादों में रही. प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद इस पर विवाद खड़ा हुआ था. बढ़ते विवाद के बाद कटऑफ में संशोधन किया गया था. हालांकि यह पहली सिविल सेवा परीक्षा थी, जिसकी नियुक्ति प्रक्रिया 252 दिनों में पूरी कर ली गई थी.
- **17 साल लग गए नियुक्ति में :** फर्स्ट डिप्टी कलेक्टर के 50 पदों के लिए वर्ष 2005 में विज्ञापन निकली थी. अप्रैल 2006 में परीक्षा हुई. सचिवालय और अन्य विभागों के कर्मी परीक्षा में शामिल हुए थे. परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र लीक और धांधली का मामला सामने आया था. तब मामला कोर्ट में चला गया. तत्कालीन राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी ने इसकी जांच कराई थी. जांच रिपोर्ट मिलने के बाद परीक्षा को रद्द कर दिया गया. जून 2013 में परीक्षा के लिए फिर से विज्ञापन जारी किया गया. किसी कारण परीक्षा नहीं हो पाई. 2020 में इस परीक्षा को लिया गया. इसका रिजल्ट 2023 में जारी किया गया. इससे पहले कई लोग रिटायर कर चुके थे.

जेएसएससी-पीजीटी परीक्षा 2023

7 विषयों के रिजल्ट जारी करने की मांग को ले राजभवन के सामने धरने पर बैठे अभ्यर्थी

रांची। स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक प्रतियोगिता-2023 (पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेंड टीचर कांपटीटिव-पीजीटी) के अर्थशास्त्र, गणित, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, इतिहास और कॉमर्स का रिजल्ट जारी नहीं होने से नाराज अभ्यर्थी आज मंगलवार को राजभवन के पास धरने पर बैठ गए. झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने 18 अगस्त से 10 सितंबर तक जेएसएससी-पीजीटी की परीक्षा ली थी. जारी कैलेंडर के अनुसार, रिजल्ट जारी करने के बाद छात्रों की नियुक्ति नवंबर में ही हो जानी थी. लेकिन अब तक केवल चार विषयों के रिजल्ट ही जारी किये गये हैं. सात विषयों के परिणाम अब तक जारी नहीं हुए हैं.

विज्ञापन एक साथ निकाला व परीक्षा भी ली, फिर रिजल्ट क्यों अलग-अलग हुए जारी

धरने पर बैठे अभ्यर्थियों ने कहा कि जिन चार विषयों का रिजल्ट जारी हुआ है, उनको 7 मार्च को नियुक्ति पत्र दिया जाना है. जब विज्ञापन एक साथ निकाला गया. परीक्षा एक साथ हुई. फिर रिजल्ट अलग-अलग जारी क्यों किया जा रहा है. अभ्यर्थियों ने बताया कि रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर वो विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री और जेएसएससी कार्यालय जा चुके हैं. लेकिन सभी ने सिर्फ आश्वासन दिया. अभ्यर्थियों ने कहा कि जब तक रिजल्ट जारी नहीं होता है, तब तक हम लोग राज भवन के सामने धरने पर बैठे रहेंगे.

अवर शिक्षा सेवा के 26 अफसर बदले गए, 7 तक देना है प्रभार

रांची। राज्य सरकार ने अवर शिक्षा सेवा के 26 पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है. वहीं शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पदाधिकारियों को सात मार्च तक प्रभार सौंप देना है.

नाम	कहां गए	नाम	कहां गए
जयमंगल लोहरा	बुंडू	रीना कुमारी	गिरिडीह
सुमित्रा तिर्की	धनबाद	संत टुडू	देवघर
कुमुदिनी उषा	तमाड़	अहमद हुसैन	बाघमारा
नवल किशोर सिंह	खरसांवा	मुकुंद मरांडी	दुमका
अनिल कुमार वर्मा	प. सिंहभूम	कल्पना तांती	लोहरदगा
लखिंद्र नाथ सोरेन	मनोहरपुर	शांति तिर्की	रांची
नंद किशोर तिवारी	मनोहरपुर	विनोद तिवारी	रामगढ़
रमा पाठक	हजारीबाग	लक्ष्मी वर्मा	बोकारो
डोमन मोची	पलामू	कामेश्वर महतो	धनबाद
कौलेश्वर दास	पलामू	वीणा कुमारी	साहिबगंज
जय कुमार तिवारी	गिरिडीह	मृगेंद्र वायरा	विश्रामपुर
सर्किल मरांडी	जामताड़ा	अरविंदा कुमारी	लोहरदगा
सुभाष प्रसाद	बोकारो	विजया लक्ष्मी	हजारीबाग

अविनाश कुमार बने सीएम के अपर मुख्य सचिव

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने अविनाश कुमार को सीएम के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा विभाग पद पर पदस्थापित अविनाश कुमार विकास आयुक्त अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, झारखंड ऊर्जा विकास निगम और प्रबंध निदेशक, झारखण्ड बिजली वितरण निगम के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे. मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल नगर विकास एवं आवास विभाग, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, प्रबंध निदेशक, जुडको तथा प्रबंध निदेशक, ग्रेटर रॉची विकास एजेंसी के साथ सचिव, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम (जमशेदपुर) के पद पर पदस्थापित पीयूष सिन्हा को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद (पलामू) के पद पर पदस्थापित किया गया है. अनुमंडल पदाधिकारी, हुसैनाबाद (पलामू) के पद पर पदस्थापित आशीष गंगवार को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक अनुमंडल पदाधिकारी, रामगढ़ के पद पर पदस्थापित किया गया है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

युवा नेता दिलीप सिंह नामधारी फिर से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

मेदिनीनगर। युवा नेता सह झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष सह पूर्व सांसद सह डालटनगंज के विधायक रह चुके इंदर सिंह नामधारी के पुत्र दिलीप सिंह नामधारी डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र से 2024 में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. सोशल मीडिया फेसबुक पर दिलीप सिंह नामधारी ने अपने चुनाव लड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि है डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता, शुभचिंतकों एवं साथियों के आग्रह पर तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान जनता का मिल रहे अपार स्नेह पर उन्होंने 2024 का विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. उन्होंने कहा है कि उनके पिता द्वारा डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2009 तक किए गए विकास कार्य जो आज तक ठप पड़े हैं, उसे आगे बढ़ाउंगा. वर्ष 2009 एवं 2014 के विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमाने के बाद 2019 में दिलीप सिंह नामधारी ने चुनाव नहीं लड़ा था. 2009 एवं 2014 के विस चुनाव में उन्हें हार मिली थी.

2.03 करोड़ रुपये से होगी 3 जिलों में जेलकर्मियों के आवास की मरम्मत

रांची। झारखंड के तीन जिलों में जेल कर्मियों के आवास की मरम्मत और निर्माण कार्य होगा. इसको लेकर झारखंड गृह विभाग ने 2.03 करोड़ की राशि आवंटित की है. जिन जिलों के जेलों में मरम्मति और निर्माण कार्य होगा, उसमें बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची, मंडल कारा लातेहार और उपकारा खूंटी शामिल है. गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस राशि की निकासी और खर्च करने का पदाधिकारी जेल अधीक्षक होंगे, जो संबंधित जिला कोषागार से राशि निकासी कर एक सप्ताह के अंदर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के खाते में ट्रांसफर कराएंगे.

जानें किस जिले में कितने की लागत से होगा मरम्मति और निर्माण कार्य

- बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार रांची : 75 .42 लाख
- मंडल कारा लातेहार : 89 .73 लाख
- उपकारा खूंटी : 38 .83 लाख

भुइयांडीह में नकली शराब बनाते छह लोग गिरफ्तार

संवाददाता। चांडिल

उत्पाद विभाग और चांडिल पुलिस ने संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है. भुईयांडीह में एक मकान में नकली शराब बनायी जा रही थी. जानकारी देते हुए सरायकेला-खरसांवा के उत्पाद अधीक्षक बिमला लकड़ा ने बताया कि छापेमारी दल ने 26 पेटी शराब बरामद की है. इसमें 235 लीटर शराब है. इसके साथ ही 14 जार में 280 लीटर रंगीन विदेशी शराब भी है. मकान से बड़ी संख्या में कॉर्क, लेबल रेपर, खाली बोतल, क्रैमल आदि मिले हैं. मकान में वर्षों से नकली शराब बनायी जाती था. जानकारी मिलते ही उत्पाद विभाग ने चांडिल थाने की मदद से धंधे का उद्भेदन किया. इस दौरान उत्पाद विभाग और चांडिल थाना की पुलिस ने दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. चांडिल थानेदार वरुण यादव ने बताया, नकली शराब बनाने के धंधे में संलिप्त गिरफ्तार सभी लोग मानगो के रहने वाले हैं. जिस मकान में नकली शराब बनाने का धंधा होता था, उसके मालिक का पता लगाया जा रहा है. सरगना कौन है इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है. विदित हो कि चांडिल थाना क्षेत्र में दलमा से सटे इलाकों में एक के बाद एक कई नकली शराब फैक्ट्रियों का उदभेदन किया गया है.

एक्सएलआरआई में आयोजित हुआ उत्साह 2024 का भव्य आयोजन

सांस्कृतिक जागरूकता जरूरी : ऋषभ गर्ग

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

एक्सएलआरआई के एक्सओएल के पीजीडीएम बैच की ओर से ''उत्साह 2024'' का आयोजन हुआ. इसमें एक्सओएल 24 व 25 बैच के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया. इस दौरान उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए अकादमिक डीन डॉ संजय पात्रो ने बताया कि ''उत्साह'' एक प्रकार का सांस्कृतिक आयोजन है, जिसके जरिए छात्रों के बीच टीम वर्क और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है. बताया कि उत्साह के जरिए आपस में हंसी, सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार करने के साथ ही सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण एक मंच तैयार किया गया है, जहां विद्यार्थी मैनेजमेंट के गुरों के बजाय विभिन्न प्रकार के आयोजनों के जरिये अपनी रचनात्मकता व कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वी सिंहभूम जिले के ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग उपस्थित थे. अपने संबोधन में उन्होंने भविष्य को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तारपूर्वक अपनी बातों को रखा. साथ ही कहा कि आज की वैश्वीकृत दुनिया में सांस्कृतिक जागरुकता काफी आवश्यक है. उन्होंने मूल्य आधारित शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों से पर्सनल व प्रोफेशनल जीवन में एथिक्स का पालन करने का आह्वान किया. उद्घाटन समारोह के बाद स्टैंडअप कॉमेडी नाइट का आयोन किया गया. जिसमें सत्यब्रत महापात्र ने अपनी कॉमेडी के जरिये सभी को खूब हंसाया. इससे पूर्व दिन भर आपस में खेल भावना को बढ़ाने के लिए क्रिकेट, बैडमिंटन समेत कई अन्य प्रकार की खेलों का आनंद लिया. उपस्थित लोगों ने रितिक रिलैक्स्ड लॉन गेम्स के माध्यम से बचपन के लापरवाह दिनों को याद करते हुए, दिल को छूने वाली पुरानी यादों में खो गये. शाम का समापन द बैंडिश प्रोजेक्ट के मंत्रमुग्ध कर देने वाले बैंड प्रदर्शन के साथ हुआ, जिसने हर किसी को संगीत और लय के साथ झूमने पर विवश कर दिया.

पथ निर्माण में कार्यरत उमेश वर्मा गए कोडरमा

शुभम संदेश इंपैक्ट

रांची। लगातार. इन की खबर का एक बार फिर असर हुआ है. सोमवार को पथ निर्माण में पदस्थापित उमेश वर्मा की केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग से शिकायत शीर्षक खबर पर संज्ञान लेते हुए पथ निर्माण विभाग ने उमेश वर्मा का कोडरमा जिले में तबादला कर दिया है. इस संबंध में विभाग के अभियंता प्रमुख में पत्र जारी किया है. लगातार.इन पर सोमवार को यह खबर प्रकाशित हुई थी कि केंद्रीय चुनाव आयोग और झारखंड राज्य निर्वाचन आयोग से पथ निर्माण विभाग में कार्यरत उमेश वर्मा की शिकायत की गई है. कहा गया है कि उमेश वर्मा 35 वर्षों से झारखंड सरकार के पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में ट्रेसर के पद पर पदस्थापित हैं. इसके अलावा उमेश वर्मा एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में प्रधान लिपिक का कार्य भी कर रहे हैं. उमेश वर्मा अपनी कार्यभार ग्रहण तिथि के बाद से एनएच डिविजन हजारीबाग के कार्यालय में पदस्थापित हैं.

उर्दू शिक्षक संघ | झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को ज्ञापन सौंप कर आपत्ति दर्ज कराई

संघ ने समान अवकाश तालिका का किया विरोध

संवाददाता। रांची

शिक्षक नाराज

- अवकाश तालिका दो माह बाद फरवरी में जारी की गई
- रमजान के अलविदा जुमा की छुट्टी नहीं दी गई है

झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने झारखंड के सभी जिलों के लिए जारी एक समान अवकाश तालिका का विरोध किया है. इस संदर्भ में झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, रांची को ज्ञापन सौंप कर आपत्ति दर्ज कराई गई है.

संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि निदेशक द्वारा जारी पूरे राज्य के सरकारी विद्यालयों के लिए एक समान अवकाश तालिका की अधिसूचना अव्यवहारिक एवं त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि यह अवकाश तालिका दो माह बीत जाने के बाद फरवरी में जारी की गई है. अब इसे लागू करना अव्यवहारिक होगा, क्योंकि जनवरी एवं फरवरी माह की छुट्टिओं का सामंजन करना कठिन होगा. राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों के अवकाश तालिका पूर्व की भांति जिलावार जारी किया जाना बेहतर होगा, क्योंकि अलग-अलग जिलों में कई त्योहारों का विशेष महत्व रहता है, जैसे सोहराय, सरहुल, टुसू पर्व, माघे पर्व, रथ यात्रा, श्रावणी मेला आदि. इसी प्रकार एक समान अवकाश तालिका में रमजान के अलविदा जुमा (रमजान माह का अंतिम शुक्रवार) की छुट्टी नहीं दी गई है. उक्त तालिका में कुल नौ शुक्रवार अलग-अलग पर्व त्योहारों के लिए दी गई है, जबकि उर्दू स्कूलों में शुक्रवार को साप्ताहिक अवकाश रहता है. ऐसे में 9 शुक्रवार का सामंजन उर्दू विद्यालयों के लिए नहीं किया गया है. सामंजन नहीं किए जाने पर उर्दू विद्यालयों में अवकाश कम हो जायेंगे, जो एक समान विकास तालिका के उद्देश्य के विपरीत होगा. अमीन अहमद ने कहा कि जारी की गयी अवकाश तालिका में माह जनवरी एवं दिसंबर में कुल दस दिनों का शीतकालीन अवकाश दिया गया है, जिससे मुख्य त्योहारों की छुट्टियां प्रभावित होंगी.

आदिवासी और स्थानीय पर्व त्योहारों की अनदेखी की गई है. ग्रीष्मकालीन अवकाश सिर्फ 11 दिनों का दिया गया है. जबकि मई माह में प्रचंड गर्मी पड़ती है. शीतकालीन अवकाश को हटा कर 17 दिनों का ग्रीष्मकालीन अवकाश किया जा सकता है. समान अवकाश तालिका में दो अहम त्योहार ईद व बकरीद की छुट्टी सिर्फ एक ही दिन के लिए दी गई है, जबकि उर्दू विद्यालयों में अन्य प्रमुख त्योहारों की तरह कम से कम तीन दिनों की छुट्टी होनी चाहिए थी. संघ के केंद्रीय प्रवक्ता शहजाद अनवर ने कहा कि राज्य में अलग-अलग पर्व त्योहारों एवं सामान्य तथा उर्दू विद्यालयों के लिए पूर्व के जारी किये गये जिलावार अवकाश तालिका के यथास्थिति को ही बहाल रखना बेहतर होगा.

हरि केसरी कोल्हान व बालकिशुन बने दक्षिण छोटानागपुर के कमिश्नर

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने हरि कुमार केसरी को कोल्हान प्रमंडल का प्रभारी कमिश्नर बनाया है. इससे पहले केसरी खान विभाग में स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर तैनात थे. वहीं बालकिशुन मुंडा को प्रभारी प्रमंडलीय आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर की जिम्मेवारी सौंपी गई है. बालकिशुन मुंडा पलामू प्रमंडल के कमिश्नर के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. दोनों ही अफसर स्पेशल सेक्रेटरी रैंक के हैं. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

5 आईएएस का ट्रांसफर, सीएम के पीएस पद से हटाए गए विनय चौबे

संवाददाता। रांची

नई जिम्मेदारी

- चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार
- अबु बकर सिद्दिकी बनाए गए खान विभाग के सचिव

राज्य सरकार ने पांच आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया है. एक को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. सीएम के प्रधान सचिव (पीएस) विनय चौबे को स्थानांतरित करते हुए पंचायती राज विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. ग्रामीण कार्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेवारी दी गई है. अबु बकर सिद्दिकी को कृषि विभाग से स्थानांतरित करते हुए खान विभाग का सचिव बनाया गया है.

कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो को उद्योग विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गई है. वहीं उद्योग विभाग के सचिव जीतेंद्र सिंह को कृषि विभाग का सचिव बनाया गया है. साथ ही खान आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वहीं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर को ग्रामीण कार्य विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

कल्पना सोरेन की चुनौती

वक्त और हालात की वजह से कल्पना सोरेन ने राजनीति में कदम रखा है. वह राजनीति में तब आयी हैं, जब उनके ससुर बुजुर्ग हो चुके हैं, सास बीमार हैं और उनके पति हेमंत सोरेन जेल में बंद हैं. तमाम परिस्थितियां विपरीत हैं. पार्टी में नेतृत्व की कमी दिख रही है और लोकसभा चुनाव सामने है. वह हिन्दी, अंग्रेजी और संथाली भाषा में बोल सकती हैं. साथ ही झारखंड के संघर्ष और इतिहास के बारे में अच्छी जानकारी रखती हैं. आने वाले दिनों में यह देखना होगा कि वह संगठन पर कितनी मजबूत पकड़ बना पाती हैं और आने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए को कितना नुकसान पहुंचा पाती हैं. राजनीति में आने के बाद कल्पना सोरेन के सामने कई चुनौतियां हैं. उनकी सबसे बड़ी चुनौती लोकसभा चुनाव प्रचार के बागडोर को संभालना और पार्टी को मजबूत नेतृत्व देना है. दूसरी चुनौती हेमंत की गिरफ्तारी के बाद आदिवासी सेंटिमेंट को जगाना. अगर वह ऐसा कर पाती हैं, तो पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में कामयाब होंगी. तीसरी चुनौती अपने पक्ष में माहौल बनाने को लेकर होगा. सोमवार को गिरिडीह में अपने संबोधन में उन्होंने जिस तरह इमोशन और गुस्से की झलक दिखायी है, अगर उसे आगे भी जारी रख पाती हैं, तो हेमंत की गिरफ्तारी को आदिवासियों के इमोशन से जोड़ करके वह लंबी लकीर खींच सकती हैं, लेकिन इस इमोशन के साथ उन्हें एक माहौल बनाना होगा, ताकि इमोशन को वोट में तब्दील किया जा सके. कल्पना सोरेन के पास शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन की बनायी गयी राह तो है. लेकिन मौजूदा दौर में उन्हें अपनी भी राह बनानी पड़ेगी. झारखंड मुक्ति मोर्चा एक क्षेत्रीय दल है. क्षेत्रीय दलों में विरासत की राजनीति देश भर में परवान चढ़ती रही है. राजनीति की राह तो कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती है, राजनीति में नेतृत्वकर्ता अपनी राह स्वयं गढ़ता है, ताकि पार्टी की विचारधारा और संगठन को वह दिशा दे सके. एक कुशल संगठन कर्ता के साथ चुनाव अभियान के संचालन में वे अपने कौशल और दक्षता का कितना प्रदर्शन कर सकेंगी यह तो आम चुनाव के दौरान ही पता चल सकेगा. वे एक मोटिवेटर भी रही हैं, इसलिए लोगों से संपर्क जोड़ने में उन्हें दिक्कत नहीं आएगी. अब तक कल्पना सोरेन घर-परिवार और स्कूल के दायित्व का निर्वहन बखूबी करती रही हैं. लेकिन राजनीतिक क्षेत्र की वास्तविक चुनौती तो गठबंधन के अन्य दलों को साधने की है. झारखंड में झामुमो के नेतृत्व ले गठबंधन सरकार की बागडोर चंपाई सोरेन के हाथ में हैं. कल्पना सोरेन के मैदान में आ जाने से यह तो स्पष्ट हो गया है कि फिलवक्त पार्टी की कमान वे संभालेंगी और सत्ता की कमान चंपाई सोरेन के हाथ में रहेगी. भारत के क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक इतिहास में यह अपने आप में अनोखा प्रयोग है. आंदोलन के गर्भ से निकली झारखंड मुक्ति मोर्चा की सबसे बड़ी ताकत झारखंडी अस्मिता, सामाजिक न्याय और चेतना के साथ आम लोगों को गोलबंद करना है. अब कल्पना सोरेन के समक्ष इस विचार यात्रा को आगे ले जाने की चुनौती है.

> क्षेत्रीय दलों में विरासत की राजनीति देश भर में परवान चढ़ती रही है. राजनीति की राह तो कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती है, राजनीति में नेतृत्वकर्ता अपनी राह स्वयं गढ़ता है, ताकि पार्टी की विचारधारा और संगठन को वह दिशा दे सके.

सुभाषित

यस्य कस्य प्रसूतोऽपि गुणवान्पूज्यते नरः।
धनुर्वंशविशुद्धोऽपि निर्गुणः किं करिष्यति।।

यदि किसी वंश में जन्म लेने वाला व्यक्ति सदाचारी होता है तो उसका समाज में सम्मान होता है. जैसे गुणवत्ता वाले बांस से बने धनुष से क्या उपयोग किया जा सकता है, अर्थात कोई नहीं. अर्थात किसी व्यक्ति का गुण और व्यावहार ही सम्मान का कारक होता है.

आम चुनाव : विपक्ष की संभावना खत्म नहीं

कांग्रेस ने 21 और सपा ने 23 पर जीत दर्ज कराई थी. यूपी में कांग्रेस का चुनावी नेतृत्व तब राहुल के ही पास था. याद करना ज़रूरी है कि 2014 के 'ऐतिहासिक'चुनावों के पहले अगस्त 2013 में यूपी के मुज़फ़्फ़रनगर में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगों में 65 जानें गईं थीं और 93 लोग हताहत हुए थे. 2019 के चुनावों के ठीक पहले पुलवामा हादसा हो गया था. दोनों घटनाओं के कारण उत्पन्न हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने चुनाव परिणामों की सूरत बदल कर रख दी थी. भगवान द्वारिकाधीश की राष्ट्र पर कृपा है कि वैसी कोई विपत्ति उत्पन्न नहीं हुई है.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

अरविंद केजरीवाल ने राहुल गांधी की पार्टी के साथ चार राज्यों और चंडीगढ़ की 46 सीटों को लेकर अंततः समझौता कर ही लिया ! चार राज्यों में गुजरात भी शामिल है, जहां 2022 के विधानसभा चुनावों में केजरीवाल ने लगभग तेरह प्रतिशत वोट प्राप्त करके प्रधानमंत्री के 56 इंच के सीने को 156 सीटों में तब्दील करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. 'आम आदमी पार्टी' के मेयर-पद के उम्मीदवार की धोखाधड़ी के ज़रिए चंडीगढ़ में कराई गई हार ने शायद केजरीवाल का हृदय-परिवर्तन कर दिया. अन्ना आंदोलन का स्मरण करें तो केजरीवाल अब उसी पार्टी (कांग्रेस) के साथ मिलकर मोदी के ख़िलाफ़ चुनाव लड़ेंगे, जिन्हें 2014 में सत्ता में लाने के लिए उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान से मनमोहन सिंह सरकार की बर्ख़ास्तगी की मुहिम चलाई थी. केजरीवाल को अहंकार हो गया था कि मोदी को सत्ता से हटाने की क्षमता भी सिर्फ़ उनमें ही है. कांग्रेस से समझौते से पहले 'आप' नेता ने पिछले दिनों यहां तक दावा कर दिया था कि मोदी अगर 2024 में फिर सत्ता में आ जाते हैं तो 2029 में वे अकेले (केजरीवाल) ही उन्हें हटा देंगे.

केजरीवाल के उक्त दावे का तब यही अर्थ लगाया गया था कि महत्वाकांक्षी 'आप' नेता भाजपा की बी-टीम की कप्तानी कर रहे हैं.शायद यही कारण था कि 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस के बाद तीसरे क्रम पर रहने के बावजूद वे अकेले ही लड़ना चाहते थे. कांग्रेस से समझौते के पहले केजरीवाल को खबर लग चुकी थी कि राहुल की रैलियों में किस तरह की भीड़ उमड़ रही है और अखिलेश यादव भी 'मोहब्बत की दुकान' में अपनी कमाई झोंकने की तैयारी कर चुके हैं. कांग्रेस से समझौते के बाद 'आप' नेताओं ने दावा किया कि केजरीवाल को धमकियां मिल रहीं थीं कि विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की क़ीमत जेल यात्रा से चुकानी पड़ेगी.

भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों ने इतने घातक विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व में आ जाने की कल्पना निश्चित ही नहीं की होगी ! गठबंधन की दक्षिण भारत की टीम (स्टालिन+डीके शिवकुमार+रेवंथ रेड्डी+ वाय एस शर्मिला) की चर्चा न करें तो भी उत्तर भारत में अखिलेश+तेजस्वी+सौरेन+केजरीवाल के नेतृत्व में जो ताक़त खड़ी हो गई है वह वैकल्पिक राजनीति की स्थाई इबारत बनाने जा रही है. उत्तर और दक्षिण के इन सभी नेताओं को ठीक से अनुमान है कि उनके लिए इस बार नहीं तो फिर कभी नहीं वाली स्थिति है. कहा जा सकता है कि भाजपा को डर राहुल गांधी से नहीं, बल्कि विपक्ष के इन नए चेहरों से लगाना चाहिये ! तमाम अवरोधों के बावजूद अगर राहुल गांधी मोहब्बत के शहर आगरा में अखिलेश की प्रतीक्षा कर रहे थे तो इसके पीछे के करण को यूं समझा जा सकता है कि चुनाव का कुरुक्षेत्र यूपी ही बनने वाला है. भाजपा को सबसे ज़्यादा चिंता भी इसी राज्य से है. राहुल-प्रियंका की रैलियों में उमड़ी भीड़ और व्यापक युवजन-असंतोष इसका कारण बन सकता है. राहुल-अखिलेश ने यूपी में अगर 2009 दोहरा दिया तो राजनीति में तूफ़ान मच जाएगा. उस वक्त भाजपा को तब सिर्फ़ दस सीटें प्राप्त हुईं थीं . कांग्रेस ने 21 और सपा ने 23 पर जीत दर्ज कराई थी. यूपी में कांग्रेस का चुनावी नेतृत्व तब राहुल के ही पास था. याद करना ज़रूरी है कि 2014 के 'ऐतिहासिक'चुनावों के पहले अगस्त 2013 में यूपी के मुज़फ़्फ़रनगर में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगों में 65 जानें गईं थीं और 93 लोग हताहत हुए थे. 2019 के चुनावों के ठीक पहले पुलवामा हादसा हो गया था. दोनों घटनाओं के कारण उत्पन्न हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने चुनाव परिणामों की सूरत बदल कर रख दी थी. भगवान द्वारिकाधीश की राष्ट्र पर कृपा है कि वैसी कोई विपत्ति उत्पन्न नहीं हुई है.

जनता का ध्यान मुंडेरों पर बैठे आलोचकों की इस आशंका की तरफ़ भी आकर्षित किया जाना ज़रूरी हो गया है कि भाजपा को साधारण बहुमत जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं होने का जो विश्वसनीय माहौल आंकड़ों की मदद से देश में बनना प्रारंभ हुआ है, वह कहीं विपक्षी गठबंधन को ज़मीनी ज़रूरतों से दूर कर अतिरंजित आत्मविश्वास से नहीं भर दे ? आलोचकों का यह भी पूछना है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा द्वारा अपनाए जा रहे आक्रामक रुख़ का विपक्षी गठबंधन किस तरह मुक़ाबला कर पाएगा ? किसी भी क़ीमत पर चुनाव जीतने को कटिबद्ध भाजपा द्वारा ईजाद किए जा रहे तरीक़े राहुल की 'मोहब्बत की दुकान' के ईमानदार क़ानून-क़ायदों से बिलकुल अलग हैं. उदाहरण के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही ग्वालियर में पार्टी-कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने का मंत्र दे डाला कि 'कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले भाजपा में लाएं. सांसद, विधायक और बड़े नेताओं को पार्टी में लाने के काम पर नेतृत्व विचार करेगा. अन्य दलों के कार्यकर्ताओं को पार्टी में लाने से डरो मत.' अमित शाह के फ़ार्मूले के क्या अर्थ निकाले जाएं? कि पार्टी अपनी पराजय को लेकर डरी हुई है? कि पार्टी के पास जनता को बताने के लिए अपनी ही सरकारों के कोई काम नहीं हैं ? कि भाजपा विपक्षी दलों को ख़त्म कर देश में सिर्फ़ एक पार्टी की हुकूमत चाहती है ?

अमित शाह से चुनाव जीतने के गुर प्राप्त करने के लिए खजुराहो में भाजपा के 23,000 बूथ कार्यकर्ता उपस्थित थे. बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की इतनी बड़ी उपस्थिति के बावजूद पार्टी में सत्ता के हाथ से चले जाने का डर व्याप्त है और दूसरे दलों के लोगों को तोड़ने का खुला आह्वान किया जा रहा है. ऐसी स्थिति में विपक्षी गठबंधन क्या उम्मीद कर सकता है कि सत्तारूढ़ दल लोकसभा चुनाव 'चंडीगढ़ मॉडल'से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक तरीक़ों से लड़ने की तैयारी कर रहा है? ऐसा नहीं है तो क्या राहुल गांधी को अपनी तीसरी यात्रा की तारीख़ें भी अभी से घोषित नहीं कर देना चाहिए? जनता की उम्मीदें इस समय यही हैं कि परिस्थितियां अगर 1975 के 'आपातकाल'की तरह की हैं तो नतीजे भी 1977 जैसे ही प्राप्त होना चाहिए !

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

उदारता की कीमत

लोहे का तेजधार कुल्हाड़ा, वन वन भटक रहा था. सहमे से पेड़ डर से थर थर कांपने लगे. एक बूढ़े पेड़ ने सभी को धीरज बंधाई- "यह कितना भी तेज धार कुल्हाड़ा हो, हमारा तब तक कुछ नहीं बिगाड़ सकता जब तक हमारा ही कोई अंग इसका हत्था नहीं बनता. बिना हत्थे के इसमें वह सामर्थ्य नहीं कि हमें नष्ट कर सके." बूढ़े पेड़ की बात सुन शाखाएँ नरम और आश्वस्त होकर विश्राम करने लगी.

कुल्हाड़ा भटकता रहा, वांछित के लिए उसका श्रम जारी था, वह शाखाओं को अपनी अपेक्षा अनुसार सहलाता, किन्तु उलट शाखाओं की नम्रता, उसके उद्देश्य को विफल कर रही थी. सहसा एक सीधी सरल टहनी से कुल्हाड़े का तनाव देखा न गया. दया के वशीभूत उसने उदारता दर्शायी. कुल्हाड़े के दांत चमक उठे. धीमे से उसने अपना काम कर दिया. समय तो लगा पर आखिर कुल्हाड़ा, हत्था पाने में सफल हो गया. बूढ़ा पेड़ विवशता से देखता ही रह गया.

कुल्हाड़ा अट्टहास करने लगा. बूढ़े पेड़ ने कहा- ₹अगर हमारा ही कोई अपना, तेरा साथ न देता तो तू कभी अपने कुत्सित इरादों में सफल नहीं हो पाता.₹ साथ ही उस सीधी सरल टहनी को उपालंभ देते हुए कहा, "तू अपने विवेकहीन सद्भाव पर मत इतरा, एक दिन यह तुझे भी उखाड़ फेंकेगा, किंतु तेरी इस उदारता की कीमत हमारा समग्र वंश चुकाएगा." कुल्हाड़ा, पेड़ दर पेड़ को धराशायी करने लगा. कुल्हाड़ा, वन साफ होने से मिली भूमि पर भी कब्जा करने लगा. उसने वहां अपने लोह वंश विस्तार के उद्योग लगाए. लोहे की सन्तति हरे भरे वनों की जगह फैलती चली गई. अब अधिकांश भूमि पर उसका साम्राज्य था.

उसने अपने आपको विकसित करना सीख लिया था. अब तो बस उसे लकड़ी पर अपनी निर्भरता को समाप्त करना था. कुल्हाडे ने लकड़ी के उस हत्थे को निकाल भट्ठी में झोंक दिया और स्वयं इलेक्ट्रिक शॉ मशीन का रूप धर लिया, विनाश को और भी प्रबल और विराट करने के लिए. अहिंसा के पालन के लिए उदारता बरती जा सकती है किन्तु वह कैसी उदारता जिसमें हिंसक मानसिकता का संरक्षण और हिंसा को समर्थन देने की बाध्यता हो. यदि आप किसी हिंसक को अपने स्वार्थ या उदारता के कारण संरक्षण देते हैं तो यह ध्यान में रहना चाहिए कि वह वर्तमान में भले ही दूसरों का संहार कर रहा है, लेकिन एक समय ऐसा अवश्य आएगा, जब वह आपको भी अपनी हिंसक वृत्ति का शिकार बनाएगा और तब आपके पास पश्चात्ताप का भी अवसर नहीं रहेगा.

दक्षिण भारत में भाजपा की राह आसान नहीं

• राज्यनामा

वेद उनियाल

जब उत्तर भारत की राजनीति में हिमाचल और यूपी में राज्यसभा की सीटों के लिए बिसातें बिछ रही थीं, पीएम मोदी दक्षिण भारत में अपनी सभाओं के जरिए लोगों से संवाद कर रहे थे. बीजेपी अपने उस दक्षिण मिशन पर गंभीर है, जिसकी बदौलत वह एनडीए के चार सौ वाले नारे को धरातल रूप देना चाहती है. निश्चित ही दक्षिण का यह सफर काफी अड़चनों भरा है. लेकिन बीजेपी का यह संकल्प बिना दक्षिण विजय के पूरा नहीं हो सकता. बीजेपी की चुनौती यह भी है कि तमिलनाडु, केरल और आंध्र में उसके संगठन का बहुत विस्तार नहीं हुआ है. बीजेपी के लिए दक्षिण के राज्य कमजोर कड़ी कहे जाते रहे हैं. बीजेपी ने दक्षिण के प्रवेश द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक और किसी हद तक तेलंगाना में अपना आधार बढ़ाया है. बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है. कुछ दशक पहल बीजेपी तमिलनाडु-केरल जैसे राज्यों में छोटी-छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी. लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही. लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है. एक समय तमिलनाडु में अन्ना द्रमुक का साथ लेकर भी बीजेपी की जनसभाएं इतना आकार नहीं लेती थीं. लेकिन अब जब वह तमिलनाडु में अकेले खड़ी है, तब उसकी अपनी उपस्थिति झलकती है. नॉर्थ ईस्ट के राज्यों और पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने जिस तरह अपना विस्तार किया, उसके पीछे उसकी रणनीति और अभियान को देखा जा सकता है. 2014 से पहले नॉर्थ ईस्ट में बीजेपी की कोई पहचान नहीं थी. लेकिन बीजेपी ने बहुत तेजी से और सधी हुई नीतियों के साथ राज्यों में अपना विस्तार ही नहीं किया, बल्कि अधिकांश राज्यों में सरकारें भी बना ली. कहीं बीजेपी ने वहां की स्थानीय सियासी पार्टियों को साधा तो कहीं वहां के प्रभावी नेताओं को साथ जोड़ा. त्रिपुरा जैसे वामपंथ के गढ़ को उसने ध्वस्त किया. इसी तरह पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में 18 सीटें हासिल करके अपनी धमक बनाई. इसी तरह विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 77 सीटों पर जीत हासिल करके चौंकाया था. जिस तरह बीजेपी के लिए नॉर्थ ईस्ट और पश्चिम बंगाल कठिन लक्ष्य थे, उसी तरह दक्षिण भारत की चुनौती भी बड़ी रही है. अब बीजेपी ने रणनीति के साथ दक्षिण के राज्यों के मतदाताओं को प्रभावित करने की रणनीति बनाई है . पीएम मोदी अगर पांच साल में 47 बार नोर्थ ईस्ट के दौरे पर गए तो दक्षिण भारत की ओर भी उनका जहाज समय-समय पर उड़ान भरता रहा है. बीजेपी ने दक्षिण मिशन के लिए संगठन क्षमता को बेहतर करने का प्रयास किया. पीएम मोदी दक्षिण की अपनी जनसभाओं में संसद में स्थापित संगोल का जिक्र करना नहीं भूलते. इसके साथ वह दक्षिण के लोगों से संवाद जोड़ते हैं. वर्ष 2014 के बाद से ही एनडीए सरकार ने कोशिश की है कि दक्षिण की अलग-अलग क्षेत्र की प्रतिभाओं से संवाद किया जाए. यही नहीं पद्म पुरस्कारों के लिए दक्षिण की प्रतिभाओं को आगे लाया गया. इसी कड़ी में इस बार पूर्व पीएम नरसिंह राव और कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्वामीनाथन को भारत रत्न का ऐलान होना देखा जा सकता है. दक्षिण मिशन के लिए केवल पीएम मोदी ही नहीं बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई दौरे किए. काशी तमिल संगम के आयोजनों की श्रृंखला इसी उद्देश्य से है कि किसी तरह दक्षिण और नॉर्थ के बीच संवादों का एक गलियारा तैयार हो. पीएम मोदी दक्षिण में अपने भाषणों की शुरुआत राज्य भाषा की कुछ पंक्तियों से करते हैं. वहां के प्रसिद्ध कवियों की कविताओं की पंक्तियों का उल्लेख करते हैं. पीएम मोदी ने दक्षिण के मठ मंदिर पुरातत्व संग्रहालय हर जगह जाकर लोगों से संवाद जोड़ा है. संसद में पीएम मोदी की शायद ही कोई स्पीच ऐसी हो, जिसमें उन्होंने दक्षिण भारत के संदर्भ में कोई बात न कही हो. बीजेपी ने दक्षिण भारत के राज्यों में भी जनाधार वाले नेताओं पर नजर रखी. साथ ही करिश्माई व्यक्तित्व वाले नेताओं को भी पार्टी से जोड़ने की कोशिश हुई है. असम में हिमंता बिस्वा और पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी जैसे नेता पार्टी से जुड़े. इसी तरह तेलंगाना में बंदी संजय कुमार पार्टी से जुड़े.

> बीजेपी एनडीए के जरिए दक्षिण में बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष कर रही है. कुछ दशक पहले बीजेपी तमिलनाडु-केरल जैसे राज्यों में छोटी-छोटी सभा और बैठकों के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करती थी. लेकिन दक्षिण में वह सिमटी ही रही. लेकिन अब खासकर तमिलनाडु, केरल व आंध्र में भी पीएम मोदी की जनसभाओं में उत्तर भारत की तरह नजारा दिखता है.

'एमएसपी' को कानूनी दर्जा देने से मजबूत होगी कृषि

• कृषि

केआर सुधामन

कृषि के मामले में स्पष्ट है कि सरकार 23 फसलों पर 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (एमएसपी) घोषित करती है, जबकि 'भारतीय खाद्य निगम' (एफसीआई) के माध्यम से कुछ ही इलाकों में मुख्यतः गेहूं और धान भर खरीदती है. यानी 'एमएसपी' पर उपज खरीदने की सरकारी घोषणा महज कागजी होती है. सरकार की दलील रही है कि यदि वह सभी फसलें खरीदे तो उसका वित्तीय बोझ असहनीय हो जाएगा. ऐसे में इस दलील को परखना जरूरी है. मूल बात यह है कि सरकारी खरीदी एवं निजी बाज़ार-व्यापार साथ-साथ चलते हैं. ये व्यवस्थाएं कॉम्पिटिशन के साथ एक दूसरे की पूरक बन जाती हैं. इन 23 'एमएसपी' फसलों को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है. अव्वल तो कुछ फसलें ऐसी हैं, जिनका निजी बाज़ार मज़बूत है, खासकर जिनकी कारखानों के लिए खरीदी होती है. इन फसलों के लिए 'एमएसपी' एक न्यूनतम भाव, यानी मंडी में 'फ्लोर प्राइस' बन सकती है. इसे हम एक उदाहरण से समझ सकते हैं - वर्ष 2023 में फसल आने पर सोयाबीन का भाव 4500 रुपए से 5000 रुपए क्विंटल था. व्यापारी मिलों के लिए सोयाबीन मण्डियों से खरीद रहे थे. 'एमएसपी' का भाव 4600 रुपए क्विंटल था. एक वर्ष पहले यह भाव 6000 रुपए क्विंटल के ऊपर था. यदि विशेष परिस्थितियों में मण्डियों में बोली लगातार 'एमएसपी' के नीचे लग रही हो तो सरकार को दखल देना चाहिए. यह दो तरीकों से हो सकता है. मण्डियों के कर्मचारी यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसान के माल की बोली एक निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार 'एमएसपी' से कम दाम पर न हो. जहां मिल द्वारा उपज खरीदी जाती है, वह भी 'एमएसपी' से कम पर न हो. यदि भाव को नियंत्रित करना ज़रूरी हो तो अंश-कालिक सरकारी खरीदी खोल देनी चाहिए. कॉम्पिटिशन से निजी बाज़ार पर प्रभाव पड़ेगा और दाम ऊपर आएंगे. कई व्यापारिक फसलें जिनका आमतौर पर बाज़ार भाव 'एमएसपी' के ऊपर रहता है, उनके लिए सरकार को उपार्जन की ज़रूरत नहीं है. कभी-कभी सरकारी खरीदी करना पड़ सकती है. दूसरी सूची उन फसलों की होगी जिनका कटाई के बाद का भाव 'एमएसपी' से 10 से 30 प्रतिशत नीचे रह सकता है. उदाहरण के लिए जब मक्का का भाव कटाई के समय 1750 रुपए क्विंटल था तब 'एमएसपी' का भाव 2090 रुपए क्विंटल था. इस दौरान किसी को भी 'एमएसपी' नहीं मिल रही थी. इस फसल पर निजी बाज़ार 'एमएसपी' के नीचे ही चलता रहा. ऐसी स्थिति में सरकार के लिए केवल 'एमएसपी' के नियम को लागू करने से काम नहीं चलेगा. भाव को ऊपर खींचना होगा. इसके लिए सरकार को विकेंद्रीकृत तरीके से हर जिले में छोटे-छोटे उपार्जन-केंद्र खोलने होंगे और 10 से 40 प्रतिशत फसल खरीदने की व्यवस्था बनानी होगी. उदाहरण के लिए गेहूं को देखें. एक जिले में 50 से अधिक उपार्जन केंद्र हैं. किसान पंजीयन करते हैं और उन्हें पास का केंद्र मिल जाता है. उपार्जन के बाद पैसे उनके बैंक खाते में डाल दिए जाते हैं. इस विकेंद्रीकृत व्यवस्था के कारण 30 से 50 प्रतिशत किसान इसका लाभ ले पाए. बड़ी बात यह रही कि निजी व्यापार पर कॉम्पिटिशन का असर पड़ा और मंडी के भाव 'एमएसपी' के पास या अधिक रहे. उपार्जन ने निजी व्यापार भाव को भी ऊपर उठाया. 40 से 60 प्रतिशत व्यापार निजी बाज़ार से हुआ और किसानों को उचित भाव मिले.नया कानून इसको सुनिश्चित कर सकता है. हर वर्ष 'एमएसपी' की घोषणा के साथ-साथ विकेंद्रीकृत उपार्जन व्यवस्था की घोषणा अनिवार्य होनी चाहिए. हर राज्य के लिए कुछ ऐसी फसलों को (गेहूं और चावल को छोड़कर) चुना जाए जिनका निजी व्यापार या मंडी भाव ऊपर उठाया जा सकता है. यह सार्वजनिक हित में होगा और किसान के लिए प्रोत्साहन बनेगा तथा मिश्रित खेती को भी बढ़ावा मिलेगा. हर राज्य की सूची अलग होगी, पर सभी को मिलाकर देखें तो 23 'एमएसपी' फसलों में अधिकांश को कवर कर पाएंगे. इसे अनिवार्य करने के लिए 'एमएसपी' की घोषणा से उपार्जन को जोड़ना होगा और केंद्र द्वारा संचालित 'एफसीआई' को जिम्मेदारी एवं वित्तीय खर्च उठाना होगा. हर राज्य के लिए गेहूं और धान के साथ चुनिन्दा क्षेत्रीय फसलों पर यह नियम लागू होगा. केन्द्र और राज्य इसे तय करेंगे. कई मायनों में 'एफसीआई' का काम बढ़ेगा. उन्हें उन राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर या सार्वजनिक व्यवस्था में निवेश करना होगा, जहां आज उपार्जन की व्यवस्था नहीं है.

> मण्डियों के कर्मचारी यह व्यवस्था सुनिश्चित करें कि किसान के माल की बोली एक निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार 'एमएसपी' से कम दाम पर न हो. जहां मिल द्वारा उपज खरीदी जाती है, वह भी 'एमएसपी' से कम पर न हो. यदि भाव को नियंत्रित करना ज़रूरी हो तो अंश-कालिक सरकारी खरीदी खोल देनी चाहिए. कॉम्पिटिशन से निजी बाज़ार पर प्रभाव पड़ेगा और दाम ऊपर आएंगे.

मीडिया में अन्यत्र

डब्लूटीओ में मामूली आम सहमति

विश्व व्यापार संगठन की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक या एमसी13 जैसा कि आमतौर पर इसे जाना जाता है- अबूधाबी शहर में मामूली आम सहमति के साथ संपन्न हुई. डिजिटल व्यापार पर शुल्क लगाने की देशों पर लगी रोक दो साल के लिए बढ़ाने पर अंतिम समय में हुए समझौते को ही प्रतिनिधि एक छोटी-सी जीत बता सकते हैं. लेकिन सच तो यह है कि यही एकमात्र अच्छी खबर है. बैठक के बाद जारी घोषणापत्र में यह संकेत दिया गया कि सदस्य देश डब्ल्यूटीओ के कामकाज के लिए आवश्यक सुधारों पर काम करना जारी रखेंगे. यह भारत की सबसे बुनियादी मांगों में से एक है. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बिल्कुल सही तरीके से यह बात रखी कि जब तक डब्ल्यूटीओ के बुनियादी कार्यों में सुधार नहीं किया जाता-जैसे कि विवाद समाधान प्रणाली- डब्ल्यूटीओ के दायरे का विस्तार करने के प्रयासों की गुंजाइश बहुत कम है.केंद्रीय तंत्र जिसके द्वारा डब्ल्यूटीओ आगे बढ़ सकता है वह यह है कि अमेरिकी प्रशासन-किसी भी पक्ष का-राष्ट्रों के बीच व्यापार विवादों पर फैसला करने वाले अपील निकाय में नए न्यायाधीशों के नामांकन पर अपनी अभूतपूर्व आपत्ति छोड़ दे. इस निकाय में 2024 तक सुधार करने का लक्ष्य था, लेकिन इस समयसीमा का पालन नहीं हो पाया. इस गतिरोध के जारी रहने की बड़ी जिम्मेदारी वॉशिंगटन में जो बाइडन प्रशासन की ही है. यहां तक कि बुनियादी जुड़ाव की भी कमी सबसे अधिक तब दिखाई दी, जब अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने शुक्रवार को मंत्रिस्तरीय वार्ता छोड़कर जाने का फैसला किया, जबकि अन्य लोग समझौता करने की कोशिश करने के लिए रुके रहे. भारत के लिए सरकार की मुख्य प्राथमिकता यही थी कि भारत की अनाज खरीद प्रणाली का बचाव किया जाए, जिसे कि फिलहाल वह घरेलू स्तर पर सुधारने की कोशिश कर रही है. इसने पश्चिमी देशों को उतना परेशान नहीं किया, जितना कि कुछ साथी विकासशील देशों को. ब्राजील ने भारत के खिलाफ आरोप का नेतृत्व किया, जबकि थाईलैंड के प्रतिनिधि ने अनाज भंडारण पर हमला करते हुए इसे वैश्विक खाद्य कीमतों को प्रभावित करने वाला बताया. भारत के विरोध के बाद थाईलैंड को डब्ल्यूटीओ में अपने राजदूत को वापस बुलाना पड़ा. अनाज खरीद को महत्त्व देने के पुराने तरीके पर भारत की कुछ मांगें वस्तुनिष्ठ तरीके की हैं और उनमें सुधार की जरूरत है. इसी तरह मत्स्यपालन के मामले में, जरूरत से ज्यादा मछली पकड़ने पर रोक लगाना भारत के हित में है, खासकर चीन जनवादी गणतंत्र के विशाल बेड़ों द्वारा.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कमबख्त/कमवक्त

विपिन भाई मजाकिया स्वभाव के हैं. वे अक्सर कहा करते हैं-भाई मैं कमवक्त हूं, क्योंकि मेरे पास वक्त नहीं है. इसीलिए कुछ लोग मुझे कमवक्त कहते हैं. एक दिन उन्होंने ऐसा ही कहा तो नसीम भाई ने उन्हें टोक दिया- कौन कमबख्त आपको कमवक्त कहता है. जरूर उसे भाषा का ज्ञान नहीं होगा. अगर आप उसे अच्छा नहीं लगते तो उसे कमवक्त नहीं, कमबख्त कहना चहिए, जो वह नहीं कर सका. विपिन भाई की तरह बहुत ऐसे लोग हैं, जो कमवक्त और कमबख्त में अंतर नहीं समझते. इन दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है और वह यह है कि कमबख्त सही शब्द है और कमवक्त गलत. यह तो आप जानते ही हैं कमबख्त एक आम गाली है. यह बात अलग है कि यह जरा प्यारी-सी गाली है. कमबख्त फारसी भाषा मूल का विशेषण शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में इसका मतलब बताया गया है भाग्यहीन, अभागा, हतभाग्य, बदनसीब. इससे बना शब्द है कमबख्ती. यह संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जिसका मतलब है बदनसीब, दुर्भाग्य, अभाग्य. यह दो शब्दों के मेल से बना है-कम+बख्त. कम फारसी मूल का ही शब्द है. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश के अनुसार कम का मतलब है, जो उतना न हो जितना साधारणतया होता हो या होना चाहिए. जितना अपेक्षित या आवश्यक हो, उससे घटकर या थोड़ा, घटिया, जरा सा, न्यून. बख्त भी फारसी ही है. इसका मतलब भाग्य, नसीब, किस्मत. पंजाब में बख्त शब्द का प्रयोग कुछ ज्यादा ही होता है. उस प्रांत में लड़कों का नाम बख्तावर सिंह बहुतायत मिल जाता है. बख्तावर का मतलब हुआ भाग्यवान, नसीबोंवाला. वहां बड़े लोग छोटों को पांव छूने पर आशीर्वाद देते हैं-बख्त वाला या बख्त वाली होओ. भाग्य कहें या नसीब या किस्मत या बख्त इसे सकारात्मक यानी अच्छी और उत्तम के अर्थ में ही लिया जाता है, लेकिन जब इसके साथ कम या बद शब्द जुड़ता है तो इसका मतलब कम किस्मत वाला या बुरी किस्मत वाला ही होता है.

आचार, विचार, भ्रष्टाचार, लाचार!

• तीर-तुक्का

एसके पाण्डेय

भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं. हमारे यहां खाने में आचार, व्यवहार में शिष्टाचार तथा शादी में द्वारचार होता है. और मर जाओ तो उठाने वाले भी चार होते हैं. मतलब हर जगह चार होता है. कुछ करने के लिए और न करने के लिए भी विचार होता है. कुछ करो या न करो पर प्रचार होता है. आज गांव से शहर तक व्यभिचार और दुराचार होता है. कुछ करने लायक न रहो तो लाचार होता है. भगवान ने दो ही आँखे दी हैं पर आँखें चार होती हैं. अतः यदि देश में एक और चार यानी भ्रष्टाचार है तो क्या बुराई है ? क्योंकि चार अपनी संस्कृति से जुड़ा है. अतः हम सब को एक जुट होकर काम करना होगा और इसे भारतीयता की निशानी, पहचान बनाना होगा. अगर हम भारतीय होकर भी भ्रष्टाचार से बिमुख हो जायेंगे तो अपनी पहचान खो देगें. अपनी संस्कृति से यह एक और धोखा होगा. कुछ समय पूर्व भ्रष्टाचारी जी का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था. जब उन्हें उनके सरगना के सामने पेस किया गया तो वह दौड़कर उनसे गले मिला. और अपने ही लोगों को डांट पिलाई. बोला यह तो अपना भाई है. इसे मार कर हमें क्या मिलेगा ? हमारी और इनकी मंजिल एक है. हम इनके देश को बर्बाद करना चाहते हैं. उसे खोखला कर देना चाहते हैं. और ये खुद अपने देश को खोखला कर रहे हैं. उसे लूट रहे हैं. इस प्रकार ये हमारे सहयोगी हुए. फर्क इतना है, हम बाहर रहकर इनके देश को खोखला करते है और ये अंदर रह कर करते हैं. वह आगे बोला जाओ. और निर्भय होकर रहो. नाहक में सुरक्षा गार्डो की फ़ौज लेकर चलते हो. तुम्हें हम लोगों से कोई खतरा नहीं है. अब देखिये इसी भ्रष्टाचार की वजह से भ्रष्टाचारी जी की जान बच गई. आप लोग चाहते हैं कि भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कानून बन जाए. नहीं माने तो बना भी दिया जायेगा. क्योंकि नेता दिल रखना चाहते हैं तोड़ना नहीं. और दिल रखते भी हैं. बड़ा भारी दिल. बिना बड़े दिल के कथनी और करनी को अलग नहीं किया जा सकता. अगर कुछ तोड़ते भी हैं तो ऐसा तोड़ते हैं जो जल्दी जुड़े ही न. तुम लोग अपने को ज्यादा समझदार समझते हो. लेकिन असली समझदारी जनसेवकों के पास ही होती है. समझदारी इन्हीं से शुरू और इन्ही पर खत्म हो जाती है. ये रास्ते बनाने में चूहों को भी मात देने वाले हैं. क्या सोचते हो कि कानून बन जाने से भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारी खत्म हो जायेगें ? बिल्कुल नहीं.

Her Story

"8 मार्च" न ही एक पर्व है न ही "वन डे शो". ये आकलन का दिन है कि कहां तक पहुंची महिलाएं! इस दशक में सबसे महत्वपूर्ण बात यह हुई कि महिलाओं के पांव मजबूत हुए हैं और जबान मुखर हुई है. उन्होंने अपनी आवाज को दबाए जाने का विरोध किया है. नतीजा जमाने को अचंभित कर रहा.

बड़ी दूर से चलकर आए हैं

रानी सुमिता

संविधान ने सभी नागरिकों को बोलने की आजादी तो दी पर हमारे पितृसत्तात्मक समाज में हमारी सामाजिक स्थिति हमेशा से कुछ ऐसी रही कि महिलाओं को अपनी बात को परिवार और समाज में रखने की छूट शायद ही मिली. नतीजन उनकी निर्णय शक्ति सही रूप में विकसित नहीं हो पाई. परिवार पर निर्भरता ने उन्हें अपने पंख ठीक से फैलाने ही नहीं दिए और वो लंबे समय तक अनिर्णय की स्थिति से मुक्त ही नहीं हो पाईं. परंतु अब समय ने महिलाओं के पक्ष में करवट ली है. निर्णय लेने की और उस पर बने रहने की जिद आज के दौर की महिलाओं की शक्ति बनी है. जब वे जिद पर आ चुकी हैं तो परिवार की सोच का बदलना भी लाजमी है. यानी बेटियों के निर्णय को स्वीकृति मिलने लगी. ये आज का वो बदलता स्वरूप है जो महिलाओं की अपनी आत्मिक शक्ति के कारण ही सम्भव हो पाया है. लड़कियों ने आगे बढ़ने की जो जिद पकड़ी, सारे समाज-परिवार को उनके आगे झुकना पड़ा.

उपलब्धियों का आकाश

यह सदी महिलाओं की सदी है. वे आर्थिक स्वावलंबन की ओर तेजी से उन्मुख हैं. घर के सीमित दायरे से आगे बढ़ उन्होने अपना वितान विस्तृत किया है. हम गौरवान्वित हैं कि हमारी राष्ट्रपति एक महिला हैं. हमारी महिला वैज्ञानिकों ने चंद्रयान अभियान को ही केवल गति नहीं दी बल्कि देश के युवाओं को एक मार्गदर्शन भी दिया. मध्य प्रदेश की बेटी अवनी चतुर्वेदी जब फाईटर प्लेन उड़ाती हैं तो हम पूरे भारतवासी नाज से भर उठते हैं. वायु सेना की महिला फाईटर पायलटों में बिहार की बेटी भावना कंठ और राजस्थान की बेटी मोहना सिंह पर गर्व से भरा हुआ है हमारा देश. अपने इतिहास को खंगालते हुए हम प्रथम महिला पायलट सरला ठकराल को कैसे भूल सकते हैं जो 1936 में इक्कीस वर्ष की आयु में पायलट बनी थीं. कितना सुखद है कि उनका उदाहरण अब विस्तार ले चुका है. महिलाओं की दुनिया का सुंदर, मधुर और अवसरों से परिपूर्ण होना बदलती सोच और महिलाओं के सशक्त होने का मजबूत उदाहरण है.

बिहार की नीना सिंह सीआइएसएफ की डाइरेक्टर जेनरल बनी हैं. कोई महिला जब अपनी यात्रा में कोई मुकाम हासिल करती है जो पूरा समाज गर्व करता है क्योंकि विचारों का खुलना समाज को बेहतर और परिपक्व बनाता है. रेलवे बोर्ड की चेयरमैन के पद पर जया वर्मा सिन्हा का नियुक्त होना महिलाओं का सशक्त हस्ताक्षर होना है. देश की सबसे उच्च परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग में लड़कियों ने लगातार अपना परचम फहराया है. इस वर्ष इस परीक्षा में प्रथम व दूसरे स्थान पर बिहार की क्रमशः ईशिता किशोर और गरिमा लोहिया का काबिज होना ये तय करता है कि बस आप बेटियों को उड़ने दें और उनकी ऊंचाई आपको गर्व से भर देगी. यहां यह याद करना आवश्यक है कि देश की सबसे बड़ी बैंकिंग संस्थान स्टेट बैंक आफ इंडिया की चेयरमैन जब अरुंधती भट्टाचार्य थीं तो संस्थान ने नई ऊंचाईयों को छुआ. महिलाएं न जाने कितनी जिम्मेदारियों को संभालती एक उदाहरण बनती रही हैं, ये हमेशा परदे के पीछे की बात रही. बिहार की रश्मि शिखा एक गृहणी से जिला जज की अविस्मरणीय यात्रा तय करती हैं तो हमें याद रखना होगा कि हमारे देश के कोने-कोने में हर क्षेत्र में ऐसी यात्रा तय करती महिलाओं की अनेक कहानियां बिखरी हुई हैं. लेखन के क्षेत्र में आज जितनी लेखिकाएं मुखर हैं और अपनी कलम चला रही हैं, उस समय को याद दिलाता है जब महिलाओं ने कोयले से घर की दिवारों पर अपनी व्यथा कथा उकेरना शुरू किया था. उस दौर की छटपटाहट आज दौर में बेबाक लेखन तक की यात्रा है.

जमीनी तरक्की

महिलाओं की जब तक जमीनी तरक्की होती न दिखे, महिला दिवस पर बात का औचित्य नहीं. मुझे बेहद खुशी हुई और गरूर हुआ जब मेरी घरेलू सहायिका की पुत्री मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर अपने पैरों पर खड़ी हुई. उसने अपनी बेटी के लिए विवाह नहीं पहले पढ़ाई का विकल्प चुना. जब बेटियों के लिए ऐसे निर्णय जमीनी स्तर तक पहुंच गए तो महिलाओं का सम्मान और भविष्य दोनों सुरक्षित समझना चाहिए. यह बात दीगर है कि हर महिला जहां है वहां से ऊपर उठने की कोशिश कर रही.

बड़ी दूर से चली आ रही हैं महिलाएं!

यह कड़वा सच रहा है कि पूरी दुनिया में महिलाओं को दोयम दर्जे का नागरिक ही समझा जाता रहा. एक वक्त उनका बाहर काम करना सम्मान की नजरों से नहीं देखा जाता था. घर परिवार और बच्चों की देखभाल ही महिलाओं का आकाश था. उनकी यात्रा जिसमें अपने वजूद की पहचान बनाना सबसे महत्वपूर्ण रहा और यह संघर्ष सदियों से चलता रहा. आज की यह नारी जो अपनी उपस्थिति से सभी को टक्कर दे रही है, उस लंबे संघर्षों को झेलती हुई आगे बढ़ी है. फिर आज की नारी में जिद्दी स्वभाव जो दृष्टिगत हो रहा वह एक स्वाभाविक और आवश्यक पड़ाव है, उनकी इस लंबी यात्रा का. उनमें खुद को साबित करने की ललक है और अपने निर्णय क्षमता पर डटे रहने का जुनून!

घरेलू कार्यों का सही मूल्यांकन हो

भारत में विवाह संस्था में महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा आमतौर पर जीवन साथी पर निर्भर होती हैं. परंतु हकीकत में ऐसी महिलाओं के हाथ में अपना कुछ नहीं होता. अधिकतर घरेलू महिलाओं के कोई अपने अकाउंट तक नहीं होते. मेरे ख्याल से अब वह समय आ चुका है कि घरेलू जिम्मेदारियों को अपने कंधे पर उठाती महिलाओं के घरेलू कार्यों का सही मूल्यांकन हो! उनकी अवैतनिक स्थिति को बेहतर करने की सरकार कोई पहल पर अवश्य विचार करे. जिन भी महिलाओं ने आर्थिक अर्जन किया, वे बेहतर तरीके से समाज में अपनी उपस्थिति बना पाईं और जिंदगी के फैसले ले पाईं.

बहरहाल, इस महिला दिवस पर महिलाओं की तमाम उपलब्धियों को सलाम करने का अवसर है. वे साबित हो रही हैं, साबित कर रही हैं. कई अहम् आश्चर्य से भरे फैसले भी लेती दिख रही . अभी न्यूजीलैंड की प्राईम मिनिस्टर जेसिका आर्डन, जिन्होंने सबसे युवा पीएम के रूप में कार्य भार सम्भाला और एक सफल पीएम रहीं पर उन्होंने अचानक अपना पद त्याग कर आगे एक सामान्य जीवन जीना चाहा. ऐसा अनोखा निर्णय एक महिला ही ले सकती है वरना सत्ता और कुर्सी की ललक से कौन वाकिफ़ नहीं! अपने तमाम उतार-चढ़ावों को पीछे झटकती, अपनी जिम्मेदारियों से झुके कंधों को मजबूती से संभालती, अड़ती-बढ़ती सभी महिलाओं को सचमुच समय कहां है क्योंकि उन्हें तो समय को पकड़ना है!!

तुम बढ़ो, बदलेगी तभी हवा की दिशा
तुम चलो, मिलेगी तभी मंजिल को जुबां
कितने खाली पन्नों का भरना अभी है बाकी
लिखना है तुमको रोज नई एक कहानी !

वासवी किड़ो
सामाजिक कार्यकर्ता

"सत्ता और संपत्ति में महिला को हक दो, वे खुद ही सशक्त हो जाएंगी. उनके सशक्तीकरण का यह सबसे बड़ा सूत्र साबित होगा. आज सत्ता में वही महिला सहजता से प्रवेश पा रहीं जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि है. वे सत्ता में न्यूक्लियर प्रेशर नहीं बना पातीं. आम महिलाओं के लिए यहां अवसर कम हैं. आरक्षण की बात भी परिसिमन, जातीय जनगणना में उलझ कर रह गई है, वहीं पिता की संपत्ति में बेटियों को कानून के बावजूद हक नहीं मिल रहा है. इनसबके लिए हल्ला बोलना होगा."

रमा खलखो
पूर्व मेयर, रांची

"गलत के लिए विरोध-प्रतिकार के स्वर बुलंद करना होगा. यह मेरी नजर में महिला सशक्तीकरण का सबसे बड़ा सूत्र है. सबसे पहले तो उन्हें अपने घर-परिवार में गलत के विरुद्ध बोलना होगा और यह शायद सबसे कठीन है. लेकिन समय की मांग है कि हम बोलें...संस्कार और शालीनता के साथ ही भले, पर लब खोलें. हमें खुद जागरूक होना होगा, तभी तमाम नियम कानून व कायदे हमारे पक्ष में होंगे."

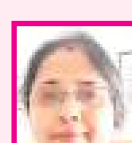
मोनिका आर्या
पत्रकार

"महिलाओं को पॉलिटिकली एजुकेट होने की जरूरत है. उन्हें अपनी राजनीतिक समझ बढ़ानी होगी. इससे न केवल वोट देने बल्कि खुद खड़े होने और चुनकर आने पर भी फर्क पड़ेगा. मुखिया पति और सरपंच पति जैसे मीम्स और चुटकुलों का कारण ही यही है कि वर्तमान में महिलाएं राजनीतिक समझ नहीं रखतीं. पिता, पति, बेटे के कहने पर वोट देना और रिजर्व सीट पर चुनकर आने के बाद उनके कहने पर हस्ताक्षर करना, यह स्थिति दुखद और बहुत हद तक आज की सच्चाई है."

सफर जारी है, मंजिल दूर

किरण

8 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं के संघर्ष के इतिहास में एक प्रतीक दिवस बन गया. विश्वभर की महिलाएं आज के दिन को अपने संघर्षों को याद करने, स्वमूल्यांकन, चिंतन करने, खुशियां मनाने के रूप में मनाती हैं. शोषण अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाती औरतें समानता के लिए संघर्षरत हैं और इस दिन को फिर से अपनी ताकत संजोनें के प्रेरणादायी दिवस के रूप में त्योहारों के समान मनाती हैं.

इस दिवस की एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है. 8 मार्च 1857 को वेस्जिका के सूती वस्त्र उद्योग में कार्यरत हजारों महिलाओं ने काम के 16 घंटों को घटा कर 10 घंटे करने और मजदूरी बढ़ाने की मांग को लेकर व्यापक संघर्ष की शुरुआत की थी. जिसकी सफलता उन्हें 8 मार्च 1908 को ही मिली. इस लंबे संघर्ष में महिलाओं ने अपने अधिकारों को हासिल करने की सामूहिक ताकत को और आगे बढ़ाया. फ्रांस की महिलाओं ने 8 मार्च 1870 में जब पेरिस कम्यून का जन्म हुआ, उस संघर्ष में अपने जुझारूपन का परिचय दिया, अपनी लड़ाई को मुखर बनाया. 8 मार्च 1908 को न्यूयार्क के कपड़ा मिल की हजारों महिला श्रमिकों ने अपनी मांगों के साथ न्यूयार्क की सड़कों पर विशाल प्रदर्शन किया. इस तरह यह न केवल महिलाओं के शोषण-अत्याचार का विरोध दिवस बना वरन श्रमिक वर्गीय चेतना के साथ महिलाओं की लड़ाई का प्रतीक भी बना.

8 मार्च दिवस की ऐतिहासिक घटनाओं को मद्देनजर रखते हुए 1910 के 8 मार्च को एक विशाल रैली को संबोधित करने के दरम्यान महिला नेत्री क्लारा जेटकिन कापेनहेगेन में नेशनल सोशालिष्ट कन्फ्रेंस में इस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा ताकि आगे आने वाले समयों में यह दिवस महिलाओं के लिए एक प्रतीक दिवस बने जो महिलाओं को अपने संघर्षों को याद करने, आगे बढ़ने की प्रेरणा दें, तबतक जब तक समतामूलक समाज की स्थापना नहीं हो जाती. दुनिया भर में क्लारा जेटकिन के इस प्रस्ताव का स्वागत हुआ और 1911 में पहली बार 8 मार्च महिला दिवस के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाया गया. उस दिन से जो शुरुआत हुई आज तक जारी है.

1915 के 8 मार्च को ही ओस्लों की महिलाओं ने प्रथम विश्व युद्ध के खिलाफ आवाज उठाया था. 1917 में 8 मार्च को रुसी महिलाओं ने शांति और अमन का नारा बुलंद किया. मास्को शहर की सड़कों पर निकला औरतों के जुलुस ने रुस को एक क्रांति का शहर बना दिया.

1937 में स्पेन की महिलाओं ने फ्रेंची तानाशाही और दमन के खिलाफ प्रदर्शन किया. 1943 में इटली की महिलाओं ने मुसोलिनी के फासिस्ट शासन के खिलाफ प्रदर्शन किया. 1979 में इरानी औरतों ने खुमैनी शासन के महिला विरोधी नीतिओं के विरोध में जुलूस निकला और अपना विरोध दर्ज करवाया.

8 मार्च 1981 के दिन यूरोप के विभिन्न देशों में हजारों औरतों ने निःशुल्क और सुरक्षित गर्भपात की व्यवस्था और कानूनी तौर पर गर्भपात की छूट की मांग को लेकर मोर्चे बनाये और प्रदर्शन किये.

भारत में भी महिलायें शोषण, अत्याचार, समाज के पितृसतात्मक चरित्र के विरोध में निरंतर मुखर हैं. न केवल महिला मुद्दे बल्कि हिंसा, युद्ध के खिलाफ भेदभाव की राजनीति के विरोध में, साम्प्रदायिकता, विस्थापन, पर्यावरण, तानाशाही, दलितों आदिवासियों के सवालों की भी महिलाओं ने अपने संघर्ष का मुद्दा बनाया है.

कल को महिला श्रमिकों का अपने काम के घंटों को निर्धारित करने, बेहतर जीवन जीने की मांग से शुरू हुआ संघर्ष आज कई पायदानों को पार कर चुका हैं. और यह दिन महिलाओं के संघर्षपूर्ण जीवन का एक विशेष दिन बन गया हैं. अपने सामूहिक शक्ति को पहचानने, अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने, अपनी एकजुटता को प्रदर्शित करने का दिन. महिलाओं के संघर्ष का विगुल फूंक चुका हैं, सफर आरम्भ हो चुका हैं. लेकिन मंजिल अभी दूर है. तबतक हमें चलते रहना हैं जबतक कि हम महिलाओं को बराबरी का हक नहीं मिल जाता.

एक-दो होते अगर तो शायद हम चुप बैठते, देश में आधे मरद तो आधी हैं हम औरतें...चुप्पी तोड़ने के लिए संकल्परत है आधी आबादी. कभी परिवार की मर्यादा तो कभी समाज का डर दिखा कर बंद की गई जुबान के ताले खुल रहे हैं. और जब बात खुली तो पुरुषवादी षड्यंत्र की परतें उघरती चली गईं. महिला दिवस एक मौका होता है जब महिलाएं सशक्तीकरण की राहों के संघर्ष को याद करती हैं, चावल-दाल से जैसे कंकड़ चुनती-फटकती हैं, वैसे ही पुरुषवादी षडयंत्र को चुनती-फटकती हैं. साथ बैठ कर बतियाती हैं तो पता चलता है कि देश की हर भाषा-संस्कृति में उनके दर्द साझे हैं और उनसे निबटने के उपाय भी. ऐसे ही कुछ उपाय पर चर्चा कर रही हैं झारखंड की विभिन्न क्षेत्रों में मुकाम हासिल कर चुकी महिलाएं...

यह है महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी सूत्र

महुआ माजी
राज्य सभा सदस्य, लेखिका

"इतने वर्षों के संघर्ष, इतने वर्षों की लड़ाई के बाद महिला सशक्तीकरण का अगर एक सूत्र पूछे तो मेरी नजर में यह जागरुकता है. राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कई योजनाएं महिलाओं के हित में आईं. कई कानून महिलाओं के हित में बने हैं. अगर महिलाएं जागरुक हों तो अपने हक हासिल कर सशक्त हो सकती हैं."

अन्नपूर्णा देवी
केन्द्रीय शिक्षा मंत्री

"बच्चियों को जन्म लेने दो, उन्हें पढ़ाओ, आगे वे गर्व का अवसर आपको देंगी. प्रधानमंत्री जी का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा नारा मात्र नहीं, एक संकल्प है. यही सशक्तिकरण का सूत्र है. आज पंचायत से संसद तक, शिक्षा से रक्षा तक के क्षेत्र में महिलाएं बढ़ चढ़ कर काम कर रही हैं. आधी आबादी का उत्साह, उमंग और जज्बा अद्भुत है. बस उसे पढ़ने का मौका दें, वे हमें गर्वित करेंगी."

डॉ कुमारी उर्वशी
सहायक प्राध्यापिका हिंदी विभाग, रांची विमेंस कॉलेज

"महिला सशक्तीकरण का एक बड़ा सूत्र है अपनी आगे की पीढ़ी को और सशक्त बनाना. आज की पीढ़ी की महिलाएं यही कर रही हैं. अपनी बेटियों को आगे बढ़ने, पढ़ने और आमनिर्भर बनने की राह में बाधा नहीं बन रही हैं. इससे महिलाएं शक्तिशाली बन रही हैं. समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तीकरण है."

ऋचा संचिता
वरिष्ठ अधिवक्ता झारखंड हाई कोर्ट

"महिला सशक्तिकरण का एक सबसे प्रभावी सूत्र मेरी नजर में शिक्षा है. यदि महिलाएं शिक्षित होंगी तो अपने अधिकार और कर्तव्य, दोनों के प्रति जागरूक होंगी. अधिकार के प्रति जागरूक होंगी तो कमजोर घड़ी में आवश्यकता पड़ने पर न्याय व्यवस्था की मदद ले सकती हैं. वहीं कर्तव्य के प्रति भी जागरूक होंगी और समाज-परिवार में अपने योगदान देंगी और जेंडर समानता के लिए प्रयास करेंगी."

निर्मला पुतुल
साहित्यकार

"महिला सशक्तिकरण के लिए सबसे प्रभावकारी सूत्र है खुद महिलाओं का एकजुट होना. खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में. जब महिलाएं एकजुट होंगी तो पुरुषवादी षड्यंत्र को तोड़ने में सक्षम होंगी. एक महिला को गर अवसर मिलता है तो दूसरी तमाम महिलाएं उनके साथ खड़ी होकर मजबूती दें. महिला मुखिया अगर चयनित हुई हैं तो उनके हाथ बुलंद करें. बेटियों, बहनों को मौका दें आगे बढ़ने के लिए."

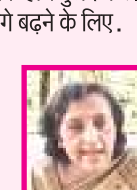
डॉ सुनीता कात्यायन
शिशु रोग विशेषज्ञ

"महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा सूत्र है शिक्षा. एक महिला के शिक्षित होने से उस परिवार-खानदान की सभी महिलाएं सशक्त होती हैं. एक महिला के शिक्षित होने से उस परिवार के पुरुष भी लाभान्वित होते हैं. मेरी मां उस जमाने में पटना साइंस कॉलेज से पढ़ीं और फिर वहां पढ़ाईं. इस कारण परिवार की आने वाली पीढ़ी की सभी महिलाओं के मुकाम पाने का रास्ता आसान हुआ."

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

10 रैंकिंग अंक व 14400 डॉलर सुनिश्चित किए नागल ने

- 6-2, 6-2 से सीधे सेटों में जीते सुमित नागल
- अगले दौर में कोरिया के सियोंग से भिड़ेंगे नागल

सुमित नागल ने स्टेफान डोस्टानिच को हराया

इंडियन वेल्स में पदार्पण मैच में जीते सुमित नागल

भाषा। इंडियन वेल्स

भारतीय टेनिस स्टार सुमित नागल ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में पहली बार खेलते हुए अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी स्टेफान डोस्टानिच को सीधे सेटों में हराया . नागल ने क्वालीफाइंग के पहले दौर में 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की. आठवीं वरीयता प्राप्त नागल को जीतने में 68 मिनट लगे. उन्होंने आखिरी क्वालीफाइंग दौर में पहुंचकर दस रैंकिंग अंक और 14400 डॉलर पुरस्कार सुनिश्चित कर लिया. इस साल वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने वाले एक दशक में पहले भारतीय पुरूष एकल खिलाड़ी बने थे. उन्होंने चेन्नई चैलेंजर्स खिताब भी जीता लेकिन पुणे और दुबई में हार गए. अब दूसरे दौर में उनका सामना कोरिया के सियोंग चान हांग से होगा.

आंकड़ों का दुर्लभ संयोग : धर्मशाला टेस्ट दो खिलाड़ियों के लिए होगा ऐतिहासिक

अश्विन और बेयरस्टो एक साथ पूरा करेंगे टेस्ट मैचों का शतक

भाषा। धर्मशाला

भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो गुरुवार को यहां पांच मैचों की श्रृंखला के आखिरी मैच के लिए जब मैदान पर उतरेंगे तो यह चौथा मौका होगा जब दो खिलाड़ी एक साथ अपना 100वां टेस्ट मैच खेलते दिखेंगे. ऐसा पहला मौका साल 2000 में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गये मैच में आया था जब इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन और एलेक स्टीवर्ट ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल किया था. दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस, शॉन पोलाक और न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग ने 2006 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड मैच में अपना-अपना 100 वां टेस्ट खेला था. इकलौता मौका है जब तीन खिलाड़ियों ने एक ही मैच में अपना 100वां टेस्ट खेला था.

इसके बाद 2013 में पर्थ में इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया एशेज श्रृंखला में एलिस्टर कुक और माइकल क्लार्क ने टेस्ट मैचों का सैंकड़ा एक साथ पूरा किया था.अश्विन और बेयरस्टो गुरुवार से यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट में अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे. यह केवल दूसरा मौका होगा जब प्रतिद्वंद्वी टीमों के दो खिलाड़ी एक ही मैच में अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे. अश्विन ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया है. वह हाल ही में खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 500 विकेट का आंकड़ा पार करने वाले अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय बने. चौतीस साल के बेयरस्टो 100वीं टेस्ट कैप हासिल करने वाले इंग्लैंड के 17वें खिलाड़ी बनेंगे.

2011 में अश्विन ने किया था टेस्ट पदार्पण

2012 में बेयरस्टो ने किया था टेस्ट डेब्यू

टेस्ट में अश्विन

मैच	99
औसत	3.91
विकेट	507

टेस्ट में बेयरस्टों

मैच	99
रन	5974
औसत	6.43
100	12
50	26

साउदी व विलियमसन भी एक साथ खेलेंगे अपना 100वां टेस्ट

भारत-इंग्लैंड मैच शुरू होने के ठीक एक दिन बाद न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी और उनके पूर्ववर्ती केन विलियमसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान एक साथ अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे. भारत मौजूदा श्रृंखला में भारत पहले ही 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है.

2012 श्रृंखला मेरे लिये निर्णायक थी : अश्विन

भारत के सीनियर आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 की श्रृंखला उनके करियर का निर्णायक मोड़ थी, जिससे उन्हें अपनी गलतियों को सुधारने में मदद मिली. इंग्लैंड ने वह श्रृंखला 2-1 से जीती थी, जो भारत में 1984-85 के बाद श्रृंखला में उसकी पहली जीत थी. अश्विन ने अपने सौवे टेस्ट मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 की श्रृंखला मेरे लिये निर्णायक मोड़ थी. इसने मुझे बताया कि मुझे कहां सुधार करना है.

वैगनर को संन्यास लेने पर मजबूर किया गया : टेलर

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज रोस टेलर ने कीवी खेमे में परेशानी का संकेत देते हुए कहा है कि तेज गेंदबाज नील वैगनर को संन्यास लेने को मजबूर किया गया. वैगनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व जज्बाती प्रेस कांफ्रेंस में संन्यास का ऐलान किया. उन्हें बता दिया गया था कि उन्हें अंतिम एकादश में नहीं चुना जायेगा. 37 वर्ष के वैगनर हालांकि पहले टेस्ट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और ड्रिंक्स भी लेकर आये. टेलर ने

ईएसपीएन के 'अराउंड द विकेट' पॉडकास्ट में कहा कि अब समझ में आ रहा है, उसे संन्यास लेने पर मजबूर किया गया. वैगनर की प्रेस कांफ्रेंस सुने तो पता चलता है. वह संन्यास लेने वाला था लेकिन आखिरी टेस्ट के बाद.

दिल्ली चरण में दर्शकों से उत्साह की उम्मीदः मंधाना

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को उम्मीद जतायी कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मौजूदा सत्र के पहले चरण में बेंगलुरु में दर्शकों ने जैसा उत्साह दिखाया वैसा ही माहौल टूर्नामेंट के दिल्ली चरण में होगा. डब्ल्यूपीएल के दूसरे सत्र का आयोजन बेंगलुरु और दिल्ली में हो रहा है. बेंगलुरु चरण में सोमवार को सत्र का आखिरी मैच खेला गया, जिसमें आरसीबी ने यूपी वॉरियर्स को 23 रन से हराया. बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में इस दौरान दर्शकों बड़ी संख्या में मौजूद थे.

रणजी ट्रॉफी : मध्यप्रदेश बनाम विदर्भ

रोमांचक मोड़ पर पहुंचा सेमीफाइनल मुकाबला

भाषा । नागपुर

रणजी ट्रॉफी 2024 में मध्यप्रदेश और विदर्भ के बीच सेमीफाइल रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है. चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मध्य प्रदेश ने 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 विकेट खोकर स्कोर बोर्ड पर 228 रन बना लिए हैं. टीम को जीत के लिए 93 रन की दरकार है, जबकि विदर्भ को फाइनल का टिकट कटाने के लिए चार विकेट की जरूरत है. 321 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य

- 141 रन बनाए विदर्भ के यश राठौड़ ने
- 93 रन की दरकार है मप्र को जीता के लिए
- 04 विकेट की जरूरत है विदर्भ को जीत के लिए

प्रदेश की शुरुआत दूसरी पारी में अच्छी नहीं रही. हिमांशु मंत्री महज 8 रन बनाकर चलते बने. हालांकि, इसके बाद यश दुबे और हर्ष गवली ने मोर्चा संभाला और दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई. हर्ष ने 67 रन की शानदार पारी खेली और वह यश ठाकुर की गेंद पर आउट हुए. वहीं, यश दुबे ने 212 गेंदों का सामना करते हुए 94 रन बनाए. हालांकि, यश अपना शतक पूरा नहीं कर सके और दिन का खेल खत्म होने से एक ओवर पहले अपना विकेट गंवा बैठे. विदर्भ की ओर से गेंदबाजी में अक्षय वाखरे ने अपना कमाल दिखाया और तीन विकेट चटकाए. वहीं, आदित्य सरवटे की झोली में दो विकेट आए, जबकि एक विकेट यश ठाकुर के नाम भी रहा.

यश राठौड़ ने खेली शतकीय पारी

इससे पहले दूसरी इनिंग में विदर्भ की पूरी टीम 402 रन बनाकर ऑलआउट हुई . टीम की तरफ से यश राठौड़ ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली . यश ने 200 गेंदों का सामना करते हुए 141 रन बनाए . वहीं, निचेल क्रम में आदित्य सरवटे ने 21 रन का योगदान दिया .

ओजेकी को हराकर अंजलि मुख्य ड्रॉ में

नागपुर। क्वालीफायर अंजलि राठी ने मंगलवार को यहां जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त मिचिका ओजेकी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यू35 नागपुर टेनिस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया. दूसरे क्वालीफाइंग राउंड में जीत से 18 वर्षीय खिलाड़ी को डब्ल्यूटीए रैंकिंग में तीन अंक के साथ डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पदार्पण का मौका मिला. राउंड ग्लास टेनिस अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाली अंजलि ने कहा कि यह मेरे लिए सिर्फ एक शुरुआत है और मैं यहां से आगे बढ़ना जारी रखना चाहती हूं.

झारखंड के प्लेटोदीप सिंह ने मॉस्को में जीता कांस्य पदक

संवाददाता । रांची

मॉस्को में चल रहे मॉस्को स्टार वर्ल्ड चैंपियनशिप में झारखंड के एल प्लेटोदीप सिंह ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. वहीं दूसरी ओर मनीष मुंडा सातवें स्थान पर रहे. पिछले वर्ष इसी प्रतियोगिता में झारखंड. की पूर्णिमा लिंडा ने कांस्य पदक जीता था. मॉस्को के मॉस्को पैलेस में आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 देशों के खिलाडी भाग ले रहे है. झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, प्रदीप वर्मा, चंचल

भट्टाचार्य समेत अन्य लोगों ने प्लेटोदीप को शुभकामनाएं दी.

धर्मशाला में इंग्लैंड को मिल रहा घर जैसा माहौल

भाषा । धर्मशाला

भारत दौरे पर नतीजे इंग्लैंड के अनुरूप नहीं रहे लेकिन उनके प्रशंसकों के समर्थन में कोई कमी नहीं आयी है और इस गुरुवार से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट मैच के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक यहां पहुंचे हैं. टेस्ट मैच शुरू होने से दो दिन पहले ही हजारों की संख्या में प्रशंसक इस पर्वतीय शहर में पहुंच गये है। बार्मी आर्मी ने श्रृंखला के दौरान इंग्लैंड के प्रशंसकों को लगातार सहायता प्रदान की है, लेकिन हिमालय की खूबसूरत पृष्ठभूमि के बीच टेस्ट क्रिकेट देखने की संभावना ने उनके और अधिक

प्रशंसकों को आकर्षित किया है. दिल्ली हवाई अड्डे से धर्मशाला के लिए सुबह की तीन उड़ानें इंग्लैंड के प्रशंसकों से भरी थी. इनमें से एक विमान में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कुछ भारतीय प्रशंसकों के साथ मौजूद थे. गग्गल हवाई अड्डे पर पहुंचने पर इंग्लैंड के प्रशंसक पृष्ठभूमि में बर्फ से ढके पहाड़ों को देखकर आश्चर्यचकित रह गए. साल के इस समय असामान्य रूप से सर्द मौसम इंग्लैंड के प्रशंसकों को घर जैसा महसूस करा रहे है. लिवरपूल से यहां आये एक प्रशंसक ने कहा कि इस तरह का मौसम हम अप्रैल और मई में इंग्लैंड में देखते हैं. यह हमारे लिए गर्मियों की शुरुआत जैसा लगता है और हम इसे पसंद कर रहे हैं. यह जगह बिल्कुल आश्चर्यजनक है. श्रृंखला अगर 2-2 की बराबरी पर होती तो यह और रोमांचक होता. प्रशंसकों के साथ इंग्लैंड के खिलाड़ियों को भी यह जगह और यहां का मैदान काफी रास आ रहा है. टीम के खिलाड़ी अभ्यास सत्र के बीच में मिलने वाले समय के दौरान यहां के बर्फ से ढके हुए पर्वतों को निहारते दिखे.

खेलो इंडिया नेशनल रैंकिंग वीमेन आर्चरी टूर्नामेंट

रांची की तीरंदाज सावित्री कुमारी ने जीता कांस्य पदक

रांची। राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया नेशनल रैंकिंग वीमेन आर्चरी टूर्नामेंट में रांची की रिकर्व जूनियर तीरंदाज सावित्री कुमारी ने कांस्य पदक जीता. सावित्री ने पंजाब की मानवी शर्मा को 6-0 से हराकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया. इस जीत के लिए सावित्री कुमारी को झारखंड तीरंदाजी संघ के वरीय उपाध्यक्ष नेहा महतो, सचिव द्रोणाचार्य पूर्णिमा महतो , चंचल भट्टाचार्य समेत झारखंड के

खेलप्रेमी व प्रशिक्षकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी.

बैडमिंटन **फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों प्रदर्शन शानदार**

सात्विक-चिराग, त्रिसा-गायत्री ने जीत से किया आगाज

- 21-13, 24-21 से जीती सात्विक-चिराग की जोड़ी
- अगले दौर में वेई व काई की जोड़ी से भिड़ेंगे सात्विक-चिराग

भाषा। पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी मंगलवार को यहां मलेशिया के ओंग यू सिन और टीओ ई यी के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत के साथ फ्रेंच ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गई. विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज भारतीय जोड़ी ने 47 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-13, 24-21 से जीत दर्ज की. मलेशिया की इस जोड़ी के

खिलाफ सात्विक और चिराग की यह आठ मैचों में पांचवीं जीत है. साल 2022 की चैंपियन जोड़ी के सामने दूसरे दौर में मान वेई चोंग और काई वुन टी मलेशिया की एक और जोड़ी की चुनौती होगी.

त्रिसा-गायत्री ने अश्विनी-तनीषा को हराया

राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी हमवतन अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रेस्टो पर 16-21, 21-19, 21-17 से जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गईं. भारत की यह दोनों महिला जोड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में है. तनीषा और अश्विन की जोड़ी 11वें जबकि त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ओलंपिक खेलों की रैंकिंग में 14वें स्थान पर हैं.

एशियाई चैंपियनशिप : भारतीय मुक्केबाजों का खराब प्रदर्शन जारी

लक्ष्य ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर

भाषा । बस्तो अर्सिजियो (इटली)

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन लक्ष्य चाहर यहां चल रहे विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर के पहले दौर में बाहर होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. पुरुषों की 80 किग्रा स्पर्धा में अपनी चुनौती पेश कर रहे चाहर सोमवार को यहां ईरान के 2021 के एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता गेश्लाघी मेसम से हार गए. पहले राउंड में 3-2 से हारने के बाद चाहर ने दूसरे राउंड में 3-2 से जीत दर्ज करके वापसी की लेकिन तीसरे राउंड में वह यह प्रदर्शन बरकरार नहीं रख पाए. मुकाबला खत्म होने में जब केवल 20 सेकंड

का समय बचा था तब मेसम ने आक्रामक रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज को नॉकआउट कर दिया. इस तरह से भारत के अभी तक जो चार मुक्केबाज रिंग पर उतरे हैं, उन्हें पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा. विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किग्रा), एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंदर बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मीन लाम्बोरिया (60 किग्रा) सभी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए. विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन और एशियाई चैंपियनशिप में छह बार के पदक विजेता शिव थापा सहित पांच भारतीय मुक्केबाज अभी भी यहां पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने की दौड़ में हैं. यहां सेमीफाइनल में पहुंचने पर ओलंपिक कोटा सुरक्षित हो जाएगा.

ब्रीफ खबरें

सेना का एयरक्राफ्ट खेत में गिरा, पायलट बचे

गया । बोधगया के कंचनपुर गांव में मंगलवार को ट्रेनिंग के दौरान सेना का माइक्रो एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया. गनीमत रही कि एयरक्राफ्ट पर सवार महिला और पुरुष पायलट बाल-बाल बच गये. हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गयी. उड़ान भरने के कुछ देर बाद एयरक्राफ्ट में आयी तकनीकी खराबी के बारे में बताया जाता है कि गया ओटीए से रूटिंग ट्रेनिंग के दौरान एयरक्राफ्ट उड़ा था. लेकिन उड़ान भरने के कुछ देर बाद एयरक्राफ्ट में तकनीकी खराबी आ गयी.

डीएम ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

जमुई । जमुई डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) राकेश कुमार ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. डीएम ने इमरजेंसी वार्ड पहुंचकर डॉक्टरों के रोस्टर की जांच की. इस दौरान कई डॉक्टर ड्यूटी से गायब मिले. जिसे देखकर वह भड़क गये. इसके बाद ड्यूटी से गायब डॉक्टरों पर कार्रवाई करते हुए उनकी सैलरी रोकने का निर्देश दिया. डीएम राकेश कुमार ने सिविल सर्जन नौशाद अहमद, अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मियों को फटकार लगायी. साथ ही सभी को चेतावनी दी कि अगर अस्पताल की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें.

डाककर्मी के दोस्त पर लगा हत्या का आरोप

भागलपुर । सजौर थाना क्षेत्र के सतपरैया गांव निवासी डाककर्मी मिथलेश हत्याकांड में कुछ नयी बातें सामने आयी हैं. मृतक के शिक्षक भाई धनंजय कुमार ने पूरी घटना के बारे में जानकारी दी. हालांकि पुलिस घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर अभी खुलासा नहीं कर रही है. साथ ही इस घटना में कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है. मृतक के भाई ने बताया कि शाहकुंड के मकंदपुर निवासी सियाराम साह के पुत्र सौरभ कुमार का मेरे भाई मिथलेश से दोस्ती थी. दोस्ती के कारण अक्सर घर आता था. उसी दौरान डाककर्मी की पत्नी के करीब आ गया.

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और जदयू ने जो सीटें जीती हैं, उसी पर आगे बनेगी बात

सीट को लेकर एनडीए में कहीं कोई दिक्कत नहीं: त्यागी

संवाददाता ।पटना

जिस तरह से दिन गुजर रहे हैं, आने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में सीट को लेकर मंथन जारी है. चाहे इंडी गठबंधन हो या एनडीए गठबंधन सभी को सीट की पड़ी है. इसके लिए बयान देकर सभी अपनी बातों को सामने लाते हैं. यही बात एनडीए में भी है.

लोकसभा चुनाव को लेकर अभी तक बिहार में एनडीए में सीट बंटवारा नहीं हुआ है. भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की जो पहली लिस्ट जारी की थी, उसमें बिहार से किसी किसी प्रत्याशी का नाम था. वहीं इस मामले नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के

राष्ट्रीय महासचिव केसी त्यागी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और जदयू ने जो सीटें जीतीं हैं, वो उनकी अमानत हैं. इसी फॉर्मूले पर बहुत जल्द सीट बंटवारा हो जाएगा. केसी त्यागी ने कहा कि सीट बंटवारे को लेकर एनडीए में कहीं कोई दिक्कत नहीं है. दोनों तरफ के नेता बैठकर इस मसले पर बात कर लेंगे. पहले भी हम एनडीए के सहयोगी रहे हैं. कभी कोई दिक्कत नहीं आई है. उन्होंने कहा कि हम एनडीए के संस्थापक सदस्य रहे हैं. जब अटल जी के नेतृत्व में एनडीए बना था और जॉर्ज फर्नांडिस कन्वेनर थे, इतिहास गवाह रहा है कि हम आधा दर्जन बार लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव लड़े और कभी कोई तल्खी, विरोध, प्रतिरोध और किसी तरह की कोई गलतफहमी नहीं रही. इस बार भी बहुत जल्द सीटों का बंटवारा हो जाएगा. जानकारी के मुताबिक बहुत जल्द भाजपा की दूसरी लिस्ट आ सकती है.

करेंगे बात

- भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की
- जदयू के राष्ट्रीय महासचिव हैं केसी त्यागी

6 मार्च को दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व की बैठक है. जिसमें लोकसभा चुनाव के लिए बिहार के कैंडिडेट्स का ऐलान हो सकता है. वहीं सीएम नीतीश कुमार 7 मार्च को इंग्लैंड के दौरे पर जा रहे हैं. इससे पहले वो दिल्ली के लिए रवाना होंगे. माना जा रहा है कि वो बीजेपी के नेताओं के मुलाकात कर सकते हैं. विदेश दौरे पर जाने से पहले नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एनडीए में सीट शेयरिंग और उनकी पार्टी जदयू इस मसले को हल कर लेना चाहती है.

एमएलसी चुनाव को लेकर नीतीश ने नामांकन दाखिल किया

संवाददाता।पटना

बिहार विधान परिषद (एमएलसी) की 11 सीटों पर 21 मार्च को चुनाव होना है. एमएलसी चुनाव को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपना नामांकन दाखिल किया. इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा, जदयू के पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, पूर्व मंत्री अशोक चौधरी, बिजेंद्र यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे. इसके अलावा जदयू की ओर से खालिद अनवर ने भी नामांकन दाखिल किया. नीतीश कुमार ने चौथी बार एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन किया है. बता दें कि एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन

करने की अंतिम तिथि 11 मार्च है. वहीं नामांकन पत्रों की जांच 12 मार्च को होगी. उम्मीदवार 14 मार्च तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं. 11 सीटों पर एमएलसी चुनाव 21 मार्च को होगा. वहीं मतगणना 21 मार्च की शाम में होगी. बिहार विधान परिषद की 11 सीटों पर 21 मार्च को चुनाव होना है. इन 11 सीटों पर निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल मई में खत्म हो रहा है.

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लिया, बोले

तेजस्वी यादव अभी बच्चे हैं

संवाददाता ।पटना

देश में लोकसभा चुनाव की तारीख आयी नहीं और राजनीति दलों ने एक दूसरे पर हमले करने शुरू कर दिये. इसी बीच बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला. मंगलवार को राजधानी पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान सम्राट चौधरी ने कहा कि तेजस्वी यादव अभी बच्चे हैं, उन पर क्या बोलें...उन्हें अभी गिनती सिखानी पड़ेगी. बता दें कि 3 मार्च को पटना के गांधी मैदान में जनविश्वास रैली में तेजस्वी ने सम्राट चौधरी पर जमकर हमला बोला था. तेजस्वी ने कहा था कि पिछले 14 साल से सम्राट चौधरी चुनाव नहीं लड़े हैं. लड़े हैं तो राजद से जीते हैं. सम्राट चौधरी 5-5 साल में पार्टी बदलते हैं. अब सम्राट चौधरी ने भी तेजस्वी पर पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि तेजस्वी की जितनी उम्र नहीं है, उससे कहीं ज्यादा हम सदन में रह चुके हैं.

सम्राट चौधरी ने इस दौरान राजद प्रमुख लालू यादव को भी आड़े हाथ लिया. उन्होंने कहा कि ये पूर्ण रूप से दिखता है कि लालू जी को अपनी पत्नी, बेटों और बेटियों की चिंता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे देश की चिंता है. मोदी जी ने पूरे देश को

किया कटाक्ष

- सम्राट चौधरी 5-5 साल में पार्टी बदलते रहे हैं
- 14 साल से सम्राट चौधरी चुनाव नहीं लड़े हैं
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे देश की चिंता है

अपना परिवार माना है. डिप्टी सीएम ने कहा कि एक तरफ व्यक्तिवादी पार्टी है तो दूसरे तरफ प्रधानमंत्री जी को समाज की चिंता है, ये बड़ा फर्क है. पटना के गांधी मैदान में 3 मार्च को एक रैली के दौरान लालू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना परिवार नहीं होने को लेकर कटाक्ष किया था. लालू ने कहा था कि अगर नरेन्द्र मोदी के पास अपना परिवार नहीं है तो हम क्या कर सकते हैं. वह राम मंदिर के बारे में डींगें मारते रहते हैं. वह सच्चे हिंदू भी नहीं हैं. हिंदू परंपरा में बेटे को अपने माता-पिता के निधन पर अपना सिर और दाढ़ी मुंडवानी चाहिए. जब मोदी की मां की मृत्यु हुई तो उन्होंने ऐसा नहीं किया.

हम भी हिंदू हैं : तेजस्वी यादव

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव अपने पिता व आरजेडी प्रमुख लालू यादव के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हिंदू नहीं बताए जाने वाले बयान पर सफाई दी. तेजस्वी यादव ने कहा कि हम भी हिंदू हैं, घर में पूजा-पाठ करते हैं. किसी के मरने पर बाल मुंडवाते हैं. लालू जी ने सिर्फ यही तो कहा कि राम-रहीम के बंदों को लड़वाते हैं, तो बाल क्यों नही मुड़वाये थे. उन्होंने भाजपा के मेरा परिवार अभियान को लेकर कहा कि किसानों के खिलाफ लाठी बरसायी जाती है क्या वे उनका परिवार नहीं हैं. उन्होंने कहा भाजपा बताए कि कितनी महंगाई, गरीबी, पलायन को कम किया. वहीं तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा करते हुए कहा है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन चौंकाने वाला रिजल्ट देगा. उन्होंने कहा कि एनडीए के सीट शेयरिंग

से पहले बिहार में महागठबंधन सीट तय कर लेगा. तेजस्वी ने 22 फरवरी को पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की जन विश्वास रैली को सफल बनाने के लिए बिहार वासियों और महागठबंधन के नेताओं व कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि हम तो कलम बांटते है जबकि भाजपा तलवार बांटती है. वहीं तेजस्वी यादव ने पाला बदलने वाले विधायकों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष से जल्द निर्णय लेने की मांग की और कहा कि देश में इसको लेकर कानून है और हमारे पास विकल्प खुला हुआ है.

लाखों के जेवरात लेकर नौकर फरार

संवाददाता।सीवान

नगर थाना इलाके के एक आभूषण व्यापारी प्रशांत कुमार उर्फ मिठू बाबू के यहां लाखों की चोरी हुई. घर के नौकरों ने ही हाथ साफ कर लिया. नौकरों ने अपने मालिकों के खाने में नशे की दवाई दे दी और फिर 50 लाख से अधिक के गहने-सामान लेकर फरार हो गए. सोमवार की रात घर के दो नौकरों ने इस कांड को अंजाम दिया और फरार हो गए. घर

के नौकर सूजन और सूरज उर्फ कृष्ण पंडित पर चोरी का आरोप लगा है. ये दोनों नेपाल के रहने वाले थे. मंगलवार की सुबह में जब काम करने वाली नौकरानी घर पहुंची तो उसने देखा कि सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है. इसके बाद उसने आसपास के लोगों को सूचना दी. इस पूरे मामले में बताया जा रहा है कि दिल्ली की कंपनी एसके मेड एजेंसी से ये दोनों नौकर आए थे. रात के करीब 10 बजे सूरज और सूजन ने परिवार के सदस्यों को खाने में कुछ नशे की दवा दे दी. इसके बाद घर के सभी लोग बेहोश होकर सोते रहे और दोनों नौकरों ने अपना काम कर दिया. दोनों नौकरों ने तिजोरी को तोड़ दिया आभूषण लेकर फरार हो गए

हर्ष फायरिंग में बच्चा गंभीर रूप से घायल

बक्सर । हर्ष फायरिंग में एक बच्चा गंभीर रुप से घायल हो गया. घटना सोमवार रात को तिलकराय हाता ओपी क्षेत्र के नियाजीपुर की है. जहां एक 12 साल के बच्चे को पेट में गोली लग गई. रात के करीब नौ बजे शादी समारोह में जयमाल के दौरान गोली चलाई गई. घायल बच्चे का इलाज बक्सर के ही एक निजी अस्पताल में चल रहा है. इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. सिमरी प्रखंड के नियाजीपुर गांव में मोहन पासवान के घर बारात आई थी. बच्चे की पहचान छोटेलाल राम के 12 वर्षीय पुत्र बिट्टू कुमार के रूप में हुई है. वह शादी में खड़ा होकर जयमाल देख रहा था. इसी दौरान किसी ने फायरिंग कर दी और गोली बिट्टू के पेट में जाकर लग गई.

लालू यादव तो वोट के लिए ताजिया पूजते हैं : गिरिराज

संवाददाता।पटना

नरेंद्र मोदी पर अपना परिवार नहीं होने का कटाक्ष करने वाले राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के खिलाफ बीजेपी नेताओं ने घेराबंदी शुरू कर दी है. केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव वोट के लिए ताजिया पूजन करते हैं. गिरिराज सिंह ने कहा कि भगवान ना करे कि लालू यादव के जैसा परिवारवाद हो. कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 140 करोड़ परिवार है और हम भी उनके परिवार के लोग हैं. गिरिराज सिंह ने आगे कहा कि लालू यादव के पास तो 7 बेटियां और दो बेटे हैं. लालू यादव ने

परिवार की ऐसी रचना की है कि बोलने में भी अच्छा नहीं लग रहा है. परिवार का ताना ऐसा बुना कि अपने भी अंदर गए और अन्य बच्चों के लिए भी रास्ता खोल दिया. बता दें कि राजधान पटना के गांधी मैदान में महागठबंधन की रैली के दौरान लालू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना परिवार नहीं होने को लेकर कटाक्ष किया था.

सिंगापुर ने कामगारों के लिए बढ़ाया वेतन

सिंगापुर । सिंगापुर ने विदेशी कामगारों को जारी किए जाने वाले रोजगार पास (ईपी) के लिए न्यूनतम योग्यता मासिक वेतन को 5000 सिंगापुर डॉलर से बढ़ाकर 5,600 सिंगापुर डॉलर कर दिया है. बढ़ा हुआ वेतन एक जनवरी, 2025 से लागू होगा. वित्तीय सेवाओं में काम करने वालों के लिए न्यूनतम वेतन 5,500 सिंगापुर डॉलर से बढ़ाकर 6,200 सिंगापुर डॉलर कर दिया गया है. इस क्षेत्र में अधिक वेतन के रुझानों को देखते हुए ऐसा किया गया है.

कल्पतरु 800 किमी गैस पाइपलाइन बिछाएगी

नयी दिल्ली । कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल ने मंगलवार को कहा कि उसे सऊदी अरब की ऊर्जा प्रमुख कंपनी अरामको से 800 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन बिछाने का ठेका मिला है. कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने कहा कि उसे सऊदी अरब में मास्टर गैस प्रणाली नेटवर्क के तीसरे चरण के तीन हिस्सों के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण कार्य करने को अरामको से आशय पत्र (एलओआई) मिला है.

यह सेवा बेंगलुरु, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और भुवनेश्वर से शुरू हो रही है

आईआरसीटीसी ने स्विगी से मिलाया हाथ

भाषा ।नयी दिल्ली

ट्रेन के सफर में यात्रियों की चाहत आराम के साथ ही भोजन पर होती है. यात्री चाहते हैं कि उन्हें उनका पसंदीदा भोजन मिले. इस दिशा में रेलवे तेजी से आगे बढ़ रहा है. ट्रेन में लोगों को खाने को लेकर सर्विसेज अच्छे से मिल सके, इसके लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन यानी आईआरसीटीसी ने फूड ऑर्डरिंग व डिलीवरी ऐप स्विगी की मदद ले रही है. दरअसल आईआरसीटीसी ने अपने ई-कैटरिंग पोर्टल के माध्यम से प्री-ऑर्डर्ड खाने की आपूर्ति और डिलीवरी के लिए स्विगी के साथ हाथ मिलाया है. जोमेटो के बाद इसमें अब स्विगी भी शामिल हो गई है. भारतीय रेल की ट्रेनों से हर रोज करीब दो करोड़ 30 लाख पैसेंजर्स ट्रेवल करते हैं. इनमें से कम से कम एक करोड़ लोग तो सफर के दौरान ट्रेन में भोजन, चाय या नाश्ते का आर्डर देते ही हैं. ऐसे में इस साझेदारी के बाद लोग वैसे ही अपने मनपसंद रेस्टोरेंट से ट्रेन या रेलवे स्टेशन पर भी खाना मंगवा सकेंगे, जैसे वे अपने घर या दफ्तर में मंगवाते हैं. आईआरसीटीसी के सीएमडी संजय कुमार जैन ने बताया कि यह सेवा बेंगलुरु, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम

चलेंगे साथ

- भारतीय ट्रेनों से रोज सवा दो करोड़ लोग यात्रा करते हैं
- इस सेवा को बढ़ा कर 59 स्टेशनों तक बढ़ाया जाएगा

और भुवनेश्वर से सेवा शुरू हो रही है. उम्मीद है कि अगले एक सप्ताह में यह सेवा शुरू हो जाएगी.

इसे शीघ्र ही बढ़ा कर 59 स्टेशनों तक बढ़ाया जाएगा. उसके बाद इसे क्लास एवन और ए स्टेशनों तक बढ़ाया जाएगा. इस क्लास के इस समय देश भर में करीब साढ़े तीन सौ स्टेशन हैं. आईआरसीटीसी और स्विगी दोनों ने मिलकर यात्रियों को चलती ट्रेन में उनके सीट तक उनका पसंदीदा खाना पहुंचाने का लक्ष्य बनाया है. जैन का कहना है कि यह सेवा फिलहाल रिजर्व क्लास यानी एसी और स्लीपर क्लास में ही शुरू होगी. सेकेंड क्लास में भी रिजर्व कोच में ही सेवा शुरू होगी. अनरिजर्व में अभी सेवा नहीं मिलेगी. बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन ने ट्रेन में यात्रियों को खाना पहुंचाने के लिए पहली बार किसी फूड डिलीवरी ऐप से हाथ मिलाया हो. आईआरसीटीसी ने पिछले साल अक्टूबर में जोमेटो के साथ भी पार्टनरशिप की थी, जो भारत के कई स्टेशनों पर फूड डिलीवरी सर्विस देते हैं. ट्रेन में यात्रा के दौरान आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्री आसानी से आईआरसीटीसी ई-कैटेगरिंग पोर्टल के जरिए अपना पीएनआर नंबर डालकर खाना ऑर्डर कर सकते हैं. इस दौरान यात्री उसी ऐप में रेस्टोरेंट का नाम, खाना या अपने किसी पसंदीदा रेस्टोरेंट से भी खाना ऑर्डर कर सकते हैं. यात्री खाने की पेमेंट ऑनलाइन या कैश ऑन डिलीवरी भी कर सकते हैं

बता दें कि स्विगी भारत की सबसे बड़ी और सबसे अधिक मूल्यवान ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप है. इसकी स्थापना 2014 में हुई थी. इस कंपनी का हेडक्वार्टर बेंगलुरु में है. कंपनी का दावा है कि इस समय देश के 100 से भी ज्यादा शहरों में उसकी सेवा मिल रही है. सितंबर 2019 में, स्विगी ने त्वरित पिकअप और ड्रॉप सेवा स्विगी गो लॉन्च किया है. इस सेवा का उपयोग विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के लिए किया जाता है,जिसमें कपड़े धोने और दस्तावेज़ या पार्सल वितरण से लेकर व्यापारिक ग्राहक और खुदरा ग्राहक शामिल हैं.

कंपनी को 300 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ

जहां तक आईआरसीटीसी के कारोबार की बात है तो बाजार में बेहतर स्थिति में है. दो सप्ताह पहले कारोबार खत्म होने पर आईआरसीटीसी का शेयर 1 प्रतिशत मजबूत होकर 936 रुपये पर सेटल हुआ था. सुबह यह बढ़त के साथ बीएसई पर 929 रुपये पर खुला और दिन में 939.25 रुपये के हाई तक गया. आईआरसीटीसी शेयर के लिए 52 सप्ताह का उच्च स्तर 1049.75 रुपये और निचला स्तर 557.15 रुपये है. शेयर अपर प्राइस बैंड 10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1029.50 रुपये है. अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 17.4% बढ़ा है. इस दौरान कंपनी को 300 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है. रेवेन्यू सालाना आधार पर 21.8% बढ़कर 1,118.3 करोड़ रुपये हो गया है. ऐसे में निवेशकों के लिए भी आईआरसीटीसी निवेश का एक अच्छा माध्यम है.

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी मंगलवार को मुंबई में फिक्की फ्रेम्स के 24वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं. **(पीटीआई फोटो)**

सीसीआई करेगा कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर मार्केट स्टडी

भाषा।नयी दिल्ली

निष्पक्ष व्यापार नियामक सीसीआई जल्द ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बाजार अध्ययन शुरू करेगा. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि एआई को लेकर बढ़ती चिंताओं को समझने के लिए यह अध्ययन किया जाएगा. हाल के दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है. कौर ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि हम जल्द ही भारतीय बाजारों में एआई और एआई के उपयोग के संबंध में व्यापक समझ हासिल करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक बाजार अध्ययन शुरू करेंगे. इससे नवाचार और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए आयोग की तैयारियों में मदद मिल सकती है.

उछाल सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत सोमवार को ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई

ट्रेड के दौरान बिटकॉइन 68791 डॉलर पर पहुंची

भाषा ।नयी दिल्ली

दुनिया की सबसे लोकप्रिय, सबसे पुरानी और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत सोमवार को ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई. 10 नवंबर, 2021 को 68,789 डॉलर पर पहुंचने के बाद इसकी कीमत में काफी गिरावट आई थी. लेकिन हाल के दिनों में इसमें काफी तेजी देखी जा रही है. सोमवार को ट्रेड के दौरान यह 68,791 डॉलर पर पहुंच गई.

अमेरिका में कई बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी मिली है जिसके बाद एक बार फिर निवेशकों का रुख इस ओर हुआ है. पहले 11 स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ जनवरी में लॉन्च हुए थे जो इस क्रिप्टोकरेंसी की

रियल-टाइम मार्केट प्राइस को ट्रैक करते हैं.

क्वायन मार्केट कैप के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत में पिछले एक साल में 200 परसेंट से अधिक तेजी आई है. क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में बिटकॉइन की आधी से अधिक हिस्सेदारी है. बिटकॉइन दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी है. इसे 2009 में लॉन्च किया गया था. साल 2010 में इसकी कीमत 0.008 डॉलर थी. यानी एक डॉलर में आप 125 बिटकॉइन खरीद सकते थे. अगर तब आपने यह निवेश किया होता तो आज आपके निवेश की वैल्यू 81 लाख डॉलर यानी 67,17,01,000 रुपये होती. बिटकॉइन में तेजी के कई कारण हैं. अमेरिका में हाल में कई बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी मिली है. इसके बाद से इसके वॉल्यूम में गजब की तेजी आई है.

आने वाले दिनों में बिटकॉइन को दो हिस्सों में बांटने की भी तैयारी है. साथ ही कई जियोपॉलिटिकल कारणों से इन्वेस्टर्स अपने पोर्टफोलियो को डाइवरसिफाई करना चाहते हैं. यही वजह है कि वे बिटकॉइन का रुख कर रहे हैं जिसे डिजिटल इन्वेस्टमेंट का सुरक्षित ठिकाना माना जाता है. बिटकॉइन के वर्चुअल क्रिएटर सतोशी नाकामोतो ने 28 अक्टूबर, 2008 को इसका व्हाइटपेपर जारी किया था लेकिन इसकी मिंट डेट तीन जनवरी, 2009 थी.

आई तेजी

- 10 नवंबर, 2021 को 68789 डॉलर पर पहुंची थी
- साल 2010 में बिटकॉइन की कीमत 0.008 डॉलर थी

नियामक घेराबंदी वृद्धि दर को कर सकती है बाधित : कोटक

भाषा।नयी दिल्ली

अनुभवी बैंकर उदय कोटक ने मंगलवार को कहा कि बहुत अधिक नियामक घेराबंदी आर्थिक वृद्धि को बाधित कर सकती है और एक विकसित राष्ट्र की ओर भारत की यात्रा को रोक सकती है.उन्होंने राष्ट्रीय वित्तीय रिप ोटि ंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के दो दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नियामकों को बहुत अधिक रूढ़िवादी और सतर्क नहीं होना चाहिए. इसकी जगह संबंधित क्षेत्रों में किसी आकस्मिक घटना पर तेजी से प्रतिक्रिया देनी चाहिए. उन्होंने

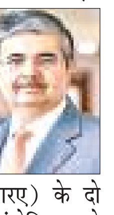

कहा कि मैं भारत के भविष्य के बारे में बहुत आशावादी हूं, लेकिन मैं इस बात को लेकर भी बहुत सचेत हूं कि... घेराबंदी के बिना अवसरों को पाने की बेलगाम कोशिश जोखिम पैदा कर सकती है और इसी तरह बहुत अधिक घेराबंदी से भी हम वहां (विकसित देश) तक नहीं पहुंच पाएंगे. कोटक ने कहा कि अगले 20-25 वर्षों में 7.5-8 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण जरूरी है. इसके लिए रचनात्मकता, उद्यमिता और पेशेवर भावना की जरूरत है. उन्होंने कहा कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था को बदलना है तो हमें अपनी अपनी उद्यमशीलता और रचनात्मक भावनाओं की रक्षा और पोषण करने की बहुत जरूर है.

गोदरेज ने नोएडा में 6.46 एकड़ जमीन खरीदी

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने नोएडा में 6.46 एकड़ जमीन खरीदी है. कंपनी की योजना इस जमीन पर 3,000 रुपये के अनुमानित राजस्व वाली एक आवासीय परियोजना विकसित करने की है. कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि नोएडा प्राधिकरण की ई-नीलामी में उसे नोएडा में एक प्रमुख भूखंड विकसित करने के लिए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी घोषित किया गया है और उसने आवंटन पत्र हासिल कर लिया है. कुल 6.46 एकड़ में फैली यह जमीन नोएडा के सेक्टर 44 में स्थित है. कंपनी ने कहा कि भूखंड में लगभग 14 लाख वर्ग फुट विकास क्षमता और लगभग 3,000 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता है. नोएडा में गोदरेज प्रॉपर्टीज की यह छठी परियोजना होगी.

ब्रीफ खबरें

कार-ट्रक की टक्कर 3 की मौत, 4 घायल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में बारातियों से भरी एक कार की टक्कर एक ट्रक से हो गयी जिसमें कार सवार तीन लोगों की मौत हो गयी और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. एसपी अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार को बताया कि थाना कलान क्षेत्र के अब्दुल्ला नगर गांव में रहने वाले लोग एक बारात में मदनापुर गए थे. ये लोग सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब सवा दो बजे वापस अपने घर आ रहे थे तभी नरसुइया गांव के पास उनकी कार तेज गति से आ रहे एक ट्रक से टकरा गयी.

गहरी खाई में गिरी कार, दो की मौत

बनिहाल/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में मंगलवार को एक कार सड़क से फिसलकर 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे कार में सवार दो लोगों की मृत्यु हो गई. अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी कैशमैन इलाके में हुई. अधिकारियों ने बताया कि कार सड़क से फिसलकर 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई और उसमें सवार 25 वर्षीय हाकम दीन और 32 वर्षीय तारिक अहमद को पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया.

मिसाइल हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत

यरुशलम। इजराइल की उत्तरी सीमा पर स्थित मार्गलियॉट के समीप एक बाग में लेबनान के हिजबुल्ला आतंकवादियों की ओर से दागी गयी टैंक रोधी मिसाइल की चपेट में आने से सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गए. एक अधिकारियों ने बताया कि तीनों लोग केरल के रहने वाले हैं. बचाव सेवा मागेन डेविड अडोम (एमडीए) के प्रवक्ता जाकी हेलेर ने बताया कि मिसाइल सोमवार सुबह करीब 11 बजे उत्तरी इजराइल के गलीली क्षेत्र में मार्गलियॉट के एक बाग में जाकर गिरी.

चीन ने दक्षिण चीन सागर में जहाजों को रोका : फिलीपींस

मनीला। चीन के तटरक्षक बल के जहाजों ने मंगलवार को विवादित दक्षिण चीन सागर के तट पर फिलीपीन के जहाजों को रोका जिससे मामूली भिड़ंत हो गयी. फिलीपींन तटरक्षक बल के प्रवक्ता कोमोडोर जय तैरिएला ने बताया कि चीन के जहाजों ने फिलीपींन के दो जहाजों के खिलाफ खतरनाक गतिविधियों को अंजाम दिया जिससे फिलीपींन तटरक्षक के एक जहाज और चीनी तटरक्षक बल के एक जहाज के बीच टक्कर हो गयी. फिलीपींन के जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा है.

पंजाब सरकार ने दो लाख करोड़ का बजट पेश किया

चंडीगढ़। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राज्य का दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया. उन्होंने कहा कि बजट में मुख्य रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान दिया गया है. चीमा ने राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार ने दो साल में 40,000 से अधिक नौकरियां दी हैं. उन्होंने कहा कि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के कुल वार्षिक परिव्यय में 16,987 करोड़ रुपये शिक्षा क्षेत्र के लिए रखे गए हैं.

चारों तरफ बर्फ से ढंकी वादियां

मंगलवार को उत्तराखंड के चमोली जिले में भारी बर्फबारी के बाद छह फीट से अधिक बर्फ की परत से बद्रीनाथ धाम ढंक गया. - फोटो : पीटीआई

बेंगलुरु के जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने का मामला
सात राज्यों में एनआईए की रेड

भाषा। नयी दिल्ली

एनआईए ने लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी द्वारा बेंगलुरु की जेल में कैदियों को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े मामले में मंगलवार को सात राज्यों के 17 स्थानों पर छापा मारा है,. एनआईए के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी. बेंगलुरु शहर पुलिस ने पिछले साल जुलाई में सात पिस्तौल, चार हथगोले, एक मैगजीन सहित अन्य गोला-बारूद की जब्ती के बाद मामला दर्ज किया था. शुरुआत में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था. उनसे पूछताछ के बाद एक और गिरफ्तारी की गयी. इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी टी नासिर इस मामले में जुनैद अहमद के साथ आरोपी है.

पांच लोगों को कट्टरपंथी बनाया था

नासिर ने बेंगलुरु की केंद्रीय जेल में पांच लोगों को कट्टरपंथी बनाया था. जुनैद अहमद फरार है. एनआईए ने पिछले साल अक्टूबर में मामले को अपने हाथ में लिया था और तब जुनैद अहमद के घर सहित कई जगहों पर तलाशी ली थी. एनआईए प्रवक्ता ने बताया कि इसी मामले में आज मंगलवार को सात राज्यों में 17 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है.

'पेपर लीक कांड' का मामला बार-बार सामने आना बेहद दुखद
युवाओं के लिए अभिशाप बना 'पेपर लीक मामला'

कुमार माधवन

'मलाल है मगर इतना मलाल थोड़ी है,
ये आंख रोने की शिद्दत से लाल थोड़ी है,
बस अपने वास्ते ही फिक्रमंद हैं सब लोग,
यहां किसी को किसी का ख्याल थोड़ी है...'

मशहूर शायरा परवीन साकिर की ये लाइनें देश में तत्काल हो रहे 'पेपर लीक मामले' और उससे परेशान युवाओं की तकलीफ को एकदम सटीक बयां कर रही हैं. एक तरफ जहां भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है. भारत ने चांद के साउथ पोल में पहुंचकर दुनिया को चौंका दिया है, कोरोना के संकट में अपने पड़ोसी देशों को मुफ्त में वैक्सीन देकर दुनिया को बताया कि मित्रता धर्म क्या होता है, उस देश में पेपर लीक कांड का मामला बार-बार सामने आना बेहद दुखद है. आज अमेरिका, रूस जैसे ताकतवर देश भी वैश्विक संकट के दौरान भारत की तरफ देखते हैं. ऐसे में दुनिया के सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले भारत में 'पेपर लीक कांड' को लेकर सवाल पूछा जाना लाजमी है. इस पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर चर्चा तो रोज हो रही है, लेकिन आजतक इसका स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है. यह किसी 'राज्य विशेष' और 'पार्टी विशेष' का मामला नहीं है, यह देश की युवा आबादी के भविष्य से जुड़ा अहम विषय है. बता दें कि आए दिन बिहार, झारखंड, राजस्थान, उत्तराखंड, तेलंगाना समेत देश के अलग-अलग राज्यों से पेपर लीक की खबरें अखबारों की सुर्खियों से लेकर अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक देखने को मिलते हैं. एक आकड़े के मुताबिक भारत में पिछले लगभग सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक के मामले देखने को मिले हैं. आइए जानते हैं कि अब तक किन-किन राज्यों से पेपर लीक के मामले सामने आए हैं.

'इसरो' भर्ती परीक्षा भी हुई थी रद्द? : पिछले साल विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने इसरो भर्ती परीक्षा 2023 को कैंसिल कर दिया था. परीक्षा के दौरान नकल करने पर दो कैंडिडेट्स की गिरफ्तारी के बाद अंतरिक्ष केंद्र ने परीक्षा रद्द की थी. इस परीक्षा का आयोजन तकनीकी स्टाफ पदों पर भर्तियों के लिए किया जा रहा था. बता दें कि केरल में परीक्षा के दौरान यह मामला सामने आया था.

ताजा मामला उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती का है

17 और 18 फरवरी 2024 को प्रदेश भर में हुई उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा का पेपर लीक हुआ था, जिसके बाद देशभर में स्टूडेंट्स जमकर हंगामा किया और फिर योगी सरकार द्वारा परीक्षा कैंसिल कर 6 महीने में दोबारा परीक्षा करने के आदेश दिए गए. वहीं, 11 फरवरी को हुई समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था. इसके बाद 29 फरवरी को आगरा में इंटरमीडिएट में जीव विज्ञान और गणित का पेपर लीक होने का भी मामला सामने आया था. हालांकि, उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा रद्द करने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को हटा दिया.

खास बातें

- सात वर्षों में ही 70 से अधिक पेपर लीक के मामले
- 2 करोड़ से अधिक छात्रों का पेपर लीक से सपना टूटा
- पेपर लीक मुद्दे का अबतक कोई स्थायी समाधान नहीं

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग पेपर लीक

वर्ष 2022 में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद हंगामा मच गया था. अभ्यर्थी लगातार परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे थे. इस दौरान कई छात्राओं ने भारी विरोध प्रदर्शन भी किया था. हंगामे की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूकेएसएसएससी पेपर लीक केस को लेकर समीक्षा बैठक की थी और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे.

पेपर लीक मामलों में राजस्थान सबसे आगे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान में 2019 के बाद से हर साल औसतन 3 पेपर लीक हुए हैं. इससे लगभग 40 लाख छात्र प्रभावित हुए हैं. एक जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लीक हुए पेपर 5 से 15 लाख रुपये में बिके थे. बता दें कि राज्य में 2011 से 2022 के बीच पेपर लीक के लगभग 26 मामले दर्ज किए गए हैं, उनमें से 14 पिछले चार वर्षों में रिपोर्ट किए गए हैं. पेपर लीक के कारण रद्द की गई परीक्षाओं में ग्रेड-3 लाइब्रेरियन के लिए भर्ती परीक्षा है. इसे दिसंबर 2019 में लीक हुए प्रश्न पत्र के कारण रद्द कर दिया गया था.

झारखंड में पेपर लीक पर लगाम नहीं

झारखंड में भी 28 जनवरी को हुई जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा का पेपर लीक हुआ था. जिसके बाद परीक्षार्थियों ने जमकर हंगामा किया. इस मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया था. वहीं, 1562 से अधिक पदों पर नियुक्ति के लिए डिप्लोमा स्तर (जूनियर इंजीनियर) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का विज्ञापन 8 साल बाद दिसंबर 2021 में निकाला गया था. 3 जुलाई 2022 को अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी, हालांकि, पेपर लीक की शिकायत के बाद प्राथमिकी दर्ज करने के बाद में परीक्षा रद्द कर दी गई. जबकि, झारखंड सरकार के नकल विरोधी विधेयक में प्रावधान के अनुसार, झारखंड में पहली बार किसी प्रतियोगिता परीक्षा में नकल करते हुए पकड़े जाने पर 1 वर्ष की जेल और पांच लाख रुपये का जुर्माना का प्रावधान रखा गया है. वहीं, दूसरी बार किसी प्रतियोगिता परीक्षा में नकल करते या पेपर लीक करने में शामिल होने पर 3 साल की सजा और 10 लाख जुर्माना का प्रावधान है.

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा लीक मामला

बिहार में 1 अक्टूबर 2023 को 21391 पदों पर सिपाही बहाली की परीक्षा हुई थी. इसका प्रश्न-पत्र परीक्षा के घंटेभर पहले वायरल होने के बाद इसे रद्द करना पड़ा था. परीक्षा रद्द होने के बाद छात्रों ने काफी विरोध प्रदर्शन किया था. बता दें कि यहां के राज्यस्तरीय परीक्षाओं में बीच-बीच में धांधली के आरोप लगते रहे है.

स्पेनिश पीड़िता ने कहा- भारत के लोगों से कोई शिकायत नहीं

भाषा। दुमका

झारखंड के दुमका जिले में पिछले सप्ताह कथित रूप से सामूहिक बलात्कार की शिकार हुई एक स्पेनिश महिला ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत के लोगों से कोई शिकायत नहीं है क्योंकि वह देश में लगभग 20,000 किलोमीटर की सुरक्षित यात्रा कर चुकी है.

अपने पति के साथ मोटरसाइकिल पर बिहार के रास्ते नेपाल रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उसने कहा कि वह अपना विश्व भ्रमण जारी रखेगी. महिला ने कहा, भारत के लोग अच्छे हैं. मैं लोगों को दोष नहीं देती, बल्कि अपराधियों को दोष देती हूं. भारत के लोगों ने मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया है और वे मेरे प्रति बहुत दयालु थे.

बीते 6 माह से भारत में हूं, कोई समस्या नहीं हुई

पीड़िता ने कहा, हम पिछले छह महीने से भारत में हैं और लगभग 20,000 किमी की यात्रा की है. हमें कहीं भी कोई समस्या नहीं हुई. ऐसा पहली बार हुआ है. भारत से मेरी अच्छी यादें (जुड़ गयी) हैं. महिला ने कहा कि वह अपने पति के साथ अपना दौरा जारी रखेगी. मैं कुछ लोगों, खासकर लड़कियों से कहना चाहती हूं कि वे खुद को ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित करें. मैं जानती हूं कि यह कठिन है, इतना आसान नहीं है. आप भूलते नहीं हैं, लेकिन आपको इसे अतीत में छोड़ने की कोशिश करते रहना होगा.

प्रधानमंत्री बनते ही शरीफ ने भारत के खिलाफ उगला जहर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता शहबाज शरीफ ने सोमवार को दूसरी बार पाकिस्तान पद की शपथ ली. राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने राष्ट्रपति भवन 'ऐवान-ए-सद्र' में आयोजित एक समारोह में शहबाज को पीएम पद की शपथ दिलाई. इससे पहले शहबाज शरीफ अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री थे. शहबाज ऐसे समय में पाकिस्तान के पीएम बने है, जब देश आर्थिक बदहाली का सामना कर रहा है. लेकिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनते ही शहबाज शरीफ भारत के खिलाफ जहर उगलना शुरू कर दिया. नेशनल असेंबली में उन्होंने कहा कि कश्मीर को आजाद कराने की जरुरत है. कश्मीर में बेगुनाह कश्मीरियों का खून बहाया जा रहा है.

भारत ने यूएनएचआरसी में पाकिस्तान पर बोला हमला, कहा-
पाक में है आतंकवाद की फैक्ट्री

भाषा। संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने पर भारत ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि उसे अपने बेहद खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए. भारत ने कहा कि पाकिस्तान की वैश्विक पहचान दुनिया की आतंकवाद फैक्टरी' के रूप में बन गई है. जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में अवर सचिव जगप्रीत कौर ने सोमवार को यूएनएचआरसी के 55वें नियमित सत्र में सामान्य बहस में देश के जवाब देने के अधिकार का प्रयोग किया. इससे पहले पाकिस्तान ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से बोलते हुए अपने बयान में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था. कौर ने कहा कि हमने इस सत्र के दौरान पूर्व में मंच संभाला था और एक विशेष प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारत के बारे में गलत टिप्पणियों का जवाब देने में परिषद का समय बर्बाद करने के प्रति अपनी अनिच्छा से अवगत कराया था. यह प्रतिनिधिमंडल ऐसा इसलिए करता है क्योंकि उसके पास योगदान देने के लिए कुछ भी रचनात्मक नहीं है. पाकिस्तान का नाम लिए बिना, कौर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह देश भारत की आलोचना जारी रखता है.

उत्तर कोरिया ने सैन्य कार्रवाई की धमकी दी

सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उसके खिलाफ हमले की साजिश बताते हुए मंगलवार को कहा कि वह जवाबी कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगा. दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाओं ने 'फ्रीडम शील्ड' नामक एक 'कंप्यूटर-सिम्युलेटेड कमांड पोस्ट' और युद्ध क्षेत्र में प्रशिक्षण का 11 दिवसीय अभ्यास शुरू किया.सरकारी मीडिया में जारी एक बयान में उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वह एक संप्रभु राष्ट्र के लिए सैन्य खतरा पैदा करने की साजिश के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी निंदा करता है.

द्रमुक नेता ने कहा- भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा
कांग्रेस ने की विवादित टिप्पणी की निंदा, भाजपा हुई हमलावर

भाषा। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने अपने सहयोगी द्रमुक के नेता ए राजा की विवादित टिप्पणी की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि वह इससे शत प्रतिशत असहमत है. पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने यह भी कहा कि नेताओं को संयमित होकर बात करनी चाहिए. बता दें कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद ए राजा ने कहा है कि भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा, बल्कि यह एक उपमहाद्वीप है, जहां विभिन्न प्रथाएं और परंपराएं हैं. राजा एक वीडियो में पार्टी द्वारा आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए दिख रहे हैं, जिसमें वह कथित रूप से कहते हैं, भारत एक राष्ट्र नहीं है. इस बात को अच्छे से समझ लें. भारत कभी एक राष्ट्र नहीं रहा. ए राजा ने कहा कि भारत एक उपमहाद्वीप है. कारण क्या है? यहां कई परंपराएं और संस्कृतियां हैं. वहीं, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि डीएमके नेता कहते हैं कि हम जय श्री राम और भारत माता की जय को कभी स्वीकार नहीं करेंगे. क्या डीएमके अन्य धर्मों के देवताओं के खिलाफ ऐसी अपमानजनक टिप्पणियां कर सकती हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग
लाइब्रेरी साइंस की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश। रांची

लाइब्रेरी साइंस वह विज्ञान है जो मैनेजमेंट, इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी, पेडागोजी एवं अन्य विधाओं के औजारों का पुस्तकालय के संदर्भ में उपयोग करता है. लाइब्रेरी साइंस के अंतर्गत पुस्तकालयों में संपन्न किये जाने वाले कार्यप्रणालियों से सम्बंधित विशिष्ट विधियों, तकनीकियों, एवं प्रक्रियाओं का अध्ययन एवं अध्यापन किया जाता है. लाइब्रेरी साइंस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है. यह कोर्स छात्रों को लाइब्रेरी को संभालने के प्रबंधकीय और प्रशासनिक पहलुओं का गहन ज्ञान प्रदान करता है. अत: लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा हो गया है. आज के समय में यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है. इसलिए इसमें कॅरियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं.

भारतीय कॉलेज

- दिल्ली विश्वविद्यालय
- बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय
- पांडिचेरी विश्वविद्यालय
- कलकत्ता विश्वविद्यालय
- गुवाहाटी विश्वविद्यालय
- आंध्र विश्वविद्यालय
- श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय
- पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
- अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज
- पटना विश्वविद्यालय
- कश्मीर विश्वविद्यालय
- बैंगलोर विश्वविद्यालय
- कर्नाटक विश्वविद्यालय
- मैंगलोर विश्वविद्यालय
- चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज

लाइब्रेरी साइंस के कार्य

- पाठकों को सामान्य सेवाएं देना जैसे कि पुस्तकों का आदान-प्रदान करना.
- तकनीकी कार्य जैसे किताबों की एंट्री, लिस्ट बनाना या इंडेक्सिंग करना.
- एडमिनिस्ट्रेटिव काम जैसे – लाइब्रेरी की सुविधाएं बढ़ाना और लाइब्रेरी से संबंधित काम को सही रूप से संचालित करने के लिए सीनियर धिकारियों से संपर्क बनाये रखना होता है. इसके साथ ही पुस्तकों की खरीदारी से सम्बंधित कार्य भी देखने पड़ सकते हैं.

लाइब्रेरी कोर्सेज

- डिप्लोमा कोर्सेज
- बैचलर्स डिग्री कोर्सेज
- मास्टर्स डिग्री कोर्सेज
- डॉक्टरेट कोर्सेज

लाइब्रेरी साइंस में स्कोप

- अर्चिवेस्ट
- लाइब्रेरी कंसलटेंट
- असिस्टेंट लाइब्रेरियन
- इंडेक्सर

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)